150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
INDIAN INSTITUTE OF FOREIGN TRADE

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

मानित विश्वविद्यालय

56वीं वार्षिक रिपोर्ट

2019-20

www.iift.edu

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

चेयरमैन

डॉ. अनुप वधावन
सचिव
वाणिज्य विभाग
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
उद्योग भवन, नई दिल्ली–110011

संस्थान का प्रबंधन मंडल

चेयरमैन

प्रोफेसर मनोज पंत
निदेशक, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
बी–21 कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया,
नई दिल्ली–110 016

सदस्य

1. **श्री सुधांशु पाण्डेय**
   अपर सचिव,
   वाणिज्य विभाग, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय,
   उद्योग भवन, नई दिल्ली–110 011
   ईमेलः astpd-doc@nic.in
2. **श्री अमित यादव**
   महानिदेशक विदेश व्यापार
   उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय, उद्योग भवन, एच–विंग,
   गेट नं. 2, नई दिल्ली–110 011
   ईमेलः dgft@nic.in
3. **श्री पी. हरिश**
   अपर सचिव (ईआर)
   विदेश मंत्रालय, कमरा न. 3057, बी–विंग,
   जवाहरलाल नेहरू भवन, 23–डी जनपथ,
   नई दिल्ली 110 001
   ईमेलः aser@mea.gov.in
4. **प्रो. राज एस. धंखड**
   आचार्य, एफएमएस, हाउस न. 192–पी, सेक्टर 38
   गुरूग्राम–122 003 ईमेलः rajsdhankar@gmail.com
5. **श्री पंकज पटेल**
   पूर्व अध्यक्ष फिक्की व चेयरमैन कैडीला हेल्थकेयर लि.,
   हेल्थकेयर, ज़ाइडस टावर, सेटेलाइट क्रॉस रोड्स,
   अहमदाबाद–380 015
   ईमेलः pankaj@zyduscadila.com
6. **डॉ. राशेश शाह**
   चेयरमैन व सीईओ
   एडेलवेइस ग्रुप, कार्यालयः सी.एस.टी. रोड़,
   कलिना, मुम्बई–400 098
   ईमेलः rashesh.shah@edelweissfin.com
7. प्रो. आर. नागराज
   इंद्रिरा गांधी इंस्टीटयूट आफ डेवलपमेंट रिसर्च
   जन. ए के वेद्या मार्ग, गौरेगांव ईस्ट मुम्बई–400 065
   ईमेलः nag@igidr.ac.in

संस्थान संकाय

1. **डॉ. (श्रीमती) शीबा कपिल**
   प्रमुख (प्रकाशन)
   भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, बी–21 कुतुब
   इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली–110 016
   ईमेलः sheebakapil@iift.edu
2. **डॉ. नीति नंदिनी चटनानी**
   सह आचार्या
   भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, बी–21 कुतुब
   इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली–110 016
   ईमेलः nitinandini@iift.edu
3. **डॉ. के. रंगराजन**
   प्रमुख, कोलकाता केंद्र
   भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, प्लाट नं.1583, मदुरदाहा,
   वार्ड नंबर 108, ईएम बाइपास, नजदीक रूबि हॉस्पिटल,
   कोलकाता–700 107
   ईमेलः head_kol@iift.edu
4. **डॉ.प्रबीर कुमार दास**
   आचार्य
   कोलकाता केंद्र, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान,
   प्लाट नं.1583, मदुरदाहा, वार्ड नंबर 108, ईएम बाइपास,
   नजदीक रूबि हॉस्पिटल, कोलकाता–700 107
   ईमेलः pkdas@iift.edu

सचिव

डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता
कुलसचिव
ईमेलः registrar@iift.ac.in

CONTENTS

समीक्षाधीन वर्ष

वैश्विक अर्थव्यवस्था महामारी कोविड–19 के रूप में स्वास्थ्य संकट से जूझ रही है, जिससे आर्थिक गतिविधि के गंभीर रूप से प्रभावित होने की आशंका है। विश्व के देशों को कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लॉकडाउन, अनिवार्य अलगाव और यहां तक कि कई बार बंद का सहारा भी लेना पड़ा है। नागरिकों की सुरक्षा की आर्थिक लागत बहुत अधिक है तथा विकास की संभावनाओं को गंभीर रूप से झटका लग सकता है और दुनिया की कुछ सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में मंदी भी आ सकती है। इसके परिणामस्वरूप, पिछले वर्ष की तुलना में, वैश्विक अर्थव्यवस्था में वृद्धि, चालू वर्ष में 3 प्रतिशत तक कम होने की अपेक्षा है। आईएमएफ के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक (डब्ल्यूईओ) का अद्यतन (अप्रैल 2020), इसे 2008–09 के वित्तीय संकट के परिणामस्वरूप होने वाले विकास संकुचन की तुलना में अधिक गंभीर बताता है। यह मानते हुए कि महामारी वर्ष 2020 के उत्तरार्ध में नियंत्रित हो जाती है और विस्तारवादी नीतिगत उपायों के मद्देनजर, डब्ल्यूईओ (अप्रैल 2020) का अनुमान है कि वर्ष 2021 में उछाल आने की उम्मीद है जिसमें वैश्विक अर्थव्यवस्था में 5.8 प्रतिशत का विस्तार होने की आशा है।

कोविड–19 महामारी के प्रसार से उत्पन्न संकट के संबंध में कुछ उल्लेखनीय बिंदु हैं– इसकी अभूतपूर्व प्रकृति, उत्पादन में भारी हानि, इस आश्चर्य की अवधि एवं तीव्रता के बारे में अनिश्चितता और संकट के प्रभावों का सामना करने के लिए चिकित्सा तथा आर्थिक दोनों के लिए नवीन नीति की मांग। एक तरफ जन स्वास्थ्य उपायों के बीच खींचतान और दूसरी तरफ विस्तारवादी आर्थिक गतिविधि उपायों के कारण बाद वाला बिंदु कठिनाइयों से भरा पड़ा है। वर्ष 1929 की महामंदी के बाद से सबसे खराब मंदी, वर्तमान में वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने खड़ी है। इसका कारण है वायरस के प्रसार को धीमा करने के लिए लगाए गए लॉकडाउन से आर्थिक गतिविधि और विकास में भारी गिरावट की संभावना।

यह कहना कि वैश्विक अर्थव्यवस्था वर्ष 2021 में उबरने के लिए तैयार है, लेकिन साथ ही यह बहुत सारी अनिश्चितताओं से घिरी हुई है। आर्थिक गतिविधियों का धीरे–धीरे सामान्य होना और वर्ष 2021 में उबरना, प्रभावी नीतियों के क्रियान्वयन का केंद्र है (डब्ल्यूईओ अद्यतन, अप्रैल 2020)। उपभोक्ता और व्यापार के ढीले पड़ रहे विश्वास को समर्थन देने के लिए लक्षित राजस्व, मौद्रिक और वित्तीय बाजार नीतियां समय की आवश्यकता हैं।

कोविड–19 महामारी, वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक अप्रत्याशित स्वास्थ्य झटका है। इस प्रकार के झटके के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए, हम दुनिया भर में इस सदमे के प्रसारण के लिए विभिन्न मार्गों पर विचार करते हैं। एक स्वास्थ्य सदमे से उत्पादकता एवं श्रम आपूर्ति कम होने और आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान उत्पन्न होने की आशंका रहती है। इसके अतिरिक्त, यह चिकित्सा लागतों में वृद्धि का कारण होगा जो नियोक्ता (औपचारिक क्षेत्र में) या कर्मचारी (अनौपचारिक क्षेत्र में) द्वारा वहन किया जाएगा। रोकथाम के उपायों से गतिशीलता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और यात्रा एवं पर्यटन तथा मनोरंजन क्षेत्र प्रभावित होंगे। इसके अतिरिक्त, छंटनी के डर से अपेक्षित व्यय योग्य आय में गिरावट आती है और यह बढ़ती अनिश्चितता के कारण उपभोक्ताओं को खर्च करने से रोक देता है। इससे व्यापार में घाटा और बढ़ जाता है तथा श्रमिकों की छंटनी होती है। अंत में, स्वास्थ्य देखभाल पर खर्च तेजी से बढ़ता है। ये प्रभाव वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के माध्यम से व्यापारिक साझेदारों और वित्तीय उधारकर्ताओं या उधारदाताओं के माध्यम से प्रवर्धित और प्रसारित होते हैं।

ईंधन की मांग कम होने से, हाजिर और वायदा भाव दोनों में तेल की कीमतों में तेजी से गिरावट आई है। आर्थिक और वित्तीय गतिविधि में उठान के बारे में वित्तीय बाजार की धारणा भारी अनिश्चितता के साथ सुस्त है। यह सुरक्षा की तरफ केंद्रित करती है जिससे तरलता कम हो जाती है। अधिविक्रीत शेयर बाजारों द्वारा दर्शाए अनुसार दुनिया भर में वित्तीय स्थितियां तंग हैं, कॉर्पोरेट के लिए व्यापक प्रसार तथा उभरती अर्थव्यवस्थाओं का संप्रभु प्रसार और उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विदेशी पोर्टफोलियो में अचानक वापसी होती है। मुद्रा बाजार भी अस्थिर रहा है और अमेरिकी डॉलर, जापानी येन एवं यूरो जैसी प्रमुख मुद्राओं की 3 अप्रैल 2020 तक क्रमशः 8.5 प्रतिशत, 5 प्रतिशत और 3 प्रतिशत की मौद्रिक मूल्यवृद्धि हुई है (डब्ल्यूईओ अद्यतन, अप्रैल 2020)। जोखिम की भावना में तेज गिरावट के प्रभाव को रोकने के लिए, दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने नीतिगत दरों में कटौती की है और प्रणाली में तरलता को शामिल किया है।

वर्ष 2020 में वैश्विक विकास के बारे में अनिश्चितता इस तथ्य से बिगड़ गई है कि वर्तमान में ऐसे कई कारक हैं जो विकास के परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं। समस्या का एक हिस्सा यह है कि इनमें से अधिकांश कारकों को इस समय नियंत्रित करना या आकलन करना कठिन है। इन कारकों में से कुछ हैं महामारी की अवधि, प्रसार और तीव्रता, टीका विकसित करने में लगने वाला समय, रोकथाम के उपायों की अवधि, आपूर्ति में अड़चनों को दूर करने में लगने वाला समय, वित्तीय बाजारों की भावनाओं की गंभीरता, व्यवसाय में कमी तथा उपभोक्ता विश्वास, वस्तुओं की कीमतों में अस्थिरता और आर्थिक एजेंटों के व्यवहार में बदलाव।

वैश्विक विकास में अनुमानित संकुचन 3 प्रतिशत है और जनवरी 2020 (डब्ल्यूईओ अद्यतन, अप्रैल 2020) में अनुमानित वृद्धि की तुलना में 6 प्रतिशत अंक कम है। यह सही दृष्टिकोण है, यह वर्ष 2009 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान विकास के संकुचन से बहुत खराब है। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के लिए, वर्ष 2020 में वृद्धि –6.1 प्रतिशत गिरने की उम्मीद है, जिसमें से इटली –9.1 प्रतिशत की कमी के साथ सबसे बुरी तरह से प्रभावित लगता है। इसके विपरीत, उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि संकोचन दर वर्ष 2020 में –1 प्रतिशत रहने का अनुमान है। तथापि, उभरते हुए एशिया में वर्ष 2020 में 1 प्रतिशत की सकारात्मक वृद्धि दर दर्ज करने की उम्मीद

है। अन्य क्षेत्रों में भी वृद्धि में मंदी का अनुभव होने की संभावना है, मंदी में लैटिन अमेरिका और विकासशील यूरोप –5.2 प्रतिशत, मध्य पूर्व और मध्य एशिया में –2.8 प्रतिशत और उप–सहारा अफ्रीका क्रमशः –1.6 प्रतिशत पर हैं (तालिका 1)।

विश्व आर्थिक आउटलुक (डब्ल्यूईओ) अद्यतन (अप्रैल 2020) के अनुसार, यह मानते हुए कि आर्थिक गतिविधि का स्तर सामान्य पर वापस आ जाएगा, वैश्विक विकास वर्ष 2021 में वापस 5.8 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। यदि वैश्विक विकास प्रक्रिया फिर से शुरू हो जाती है, तब उन्नत अर्थव्यवस्थाओं का 4.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना है और वर्ष 2021 में उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के 6.6 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। तथापि, यह उस परिदृश्य पर आधारित है, जहां रोकथाम के उपायों को हटा दिया जाता है, निवेशक और उपभोक्ता का विश्वास पुनः स्थापित होता है और नीतिगत प्रयास अर्थव्यवस्था में तेजी लाने में कारगर हैं। वर्तमान में आर्थिक गतिविधियों का समय और सामान्यीकरण बेहद अनिश्चित प्रतीत हो रहा है।

वर्ष 2020 में कम विकास के परिणामों, जिन पर अब तक चर्चा हुई है, की अपेक्षाओं के बावजूद एक संभावना यह है कि इससे भी बदतर परिदृश्य अंततः खत्म हो सकता है। यह संभव है अगर महामारी अपेक्षित से अधिक समय तक रहती है तो इसके परिणामस्वरूप आर्थिक और वित्तीय गतिविधि भी अधिक लंबे समय तक रुकी रहती है। लंबे समय तक चलने वाले नकारात्मक परिणामों से अनिश्चितता, कम व्यापारिक विश्वास और गतिविधि का धीमी गति से उठना, व्यवसायों तथा घरों के व्यवहार में बदलाव, आपूर्ति में व्यवधान, कम निवेश और कुल मांग सुस्त हो सकती है।

व्यापार और विकास रिपोर्ट 2019 (यूएनसीटीएडी) के अनुसार, बढ़ते व्यापार विवाद और भू–राजनीतिक तनाव के कारण वैश्विक विकास की संभावनाएं धूमिल हैं। वर्ष 2008–09 के वैश्विक वित्तीय संकट से उबरने के लिए उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के पास एक टूटा–फूटा और लंबा रास्ता था। यह इस आशंका से जुड़ा है कि मात्रात्मक सहजता मांग और वृद्धि को आवश्यक गति प्रदान करने में असमर्थ है। उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में, लैटिन अमेरिका ने पिछले साल मंदी का अनुभव किया है, लेकिन ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाएं पिछले साल 6.3 प्रतिशत की स्वस्थ दर से बढ़ी हैं। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में ऋण का स्तर 67 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया और बढ़ती अनिश्चितता का उभरती अर्थव्यवस्थाओं से पूंजी की उड़ान को गति प्रदान करने की संभावना है। विनिमय दरों में अस्थिरता ने इस चिंता के साथ अराजकता को शामिल किया है कि उभरती अर्थव्यवस्था की मुद्राओं में कमजोरी अपस्फीति दबावों को जोड़ सकती है। बढ़ते उत्तर–दक्षिण विभाजन के साथ–साथ ऋण की अधिकता, वित्तीय बाजारों में अस्थिरता और समन्वित नीति के अभाव ने विकास के दृष्टिकोण को दबा दिया है।

ग्लोबल फाइनेंशियल स्टेबिलिटी रिपोर्ट–2020 (अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष) बताती है कि कोविड–19 ने जिन उपायों को अपनाने के लिए देशों को बाध्य किया है उन उपायों ने आर्थिक गतिविधि को रोक दिया है और वैश्विक विकास के दृष्टिकोण को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। इसके अतिरिक्त, इसने वैश्विक वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता को जोखिम वाली परिसंपत्तियों की मांग में गिरावट और उधार की बढ़ती लागत के साथ बनाए रखा है। विशेष रूप से, इक्विटी की कीमतें घट गईं और बांड, ऋण और निजी ऋण पर बढ़ गईं। यह पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) के देशों में आम सहमति के अभाव में और मांग में अचानक गिरावट के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तीव्र गिरावट के साथ हुआ। इससे संप्रभु बांड की गुणवत्ता और लब्धि में गिरावट आई है। तथापि, सरकारों द्वारा तैयार की गई राजकोषीय, मौद्रिक और वित्तीय नीतियों ने महामारी के प्रभाव की रोकथाम की है और निवेशक भावना को बल प्रदान किया है। अंत में, बहुपक्षीय सहयोग सर्वोपरि है जो वैश्विक अर्थव्यवस्था, आर्थिक गतिविधि एवं वित्तीय प्रणाली दोनों को कोविड–19 के सदमे से बचा रहा है।

उल्लेखनीय है कि कच्चे तेल की कीमतें अगस्त 2019 में अमेरिकी डॉलर 57.6 प्रति बैरल से मार्च 2020 में अमेरिकी डॉलर 32.3 प्रति बैरल घटकर 43.9 प्रतिशत हो गई थी। यह कोविड–19 महामारी के अचानक फैलने के कारण हुआ था जिसके कारण अधिकांश अर्थव्यवस्थाओं में लॉकडाउन लागू किया गया था। इसके परिणामस्वरूप, सड़क और विमानन दोनों, परिवहन क्षेत्र में ईंधन की मांग में तेजी से गिरावट आई। इसके अतिरिक्त, ओपेक गठबंधन के पतन के कारण मार्च के अंत तक तेल की कीमतें 20 डॉलर प्रति बैरल तक गिर गईं।

कोविड–19 महामारी के संचरण को धीमा करने के लिए चिकित्सा आपूर्तियां, टीके, थेरेपी और अन्य हस्तक्षेपों पर अंतर–देशीय सहयोग महत्वपूर्ण है। तथापि, देशों को अतिरिक्त व्यापार प्रतिबंधों लगाने से बचना चाहिए और जहां भी आवश्यक हो, बाहरी धन का सहारा लेना चाहिए। स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों पर सहयोग के अलावा, स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर लक्षित नीतियां, वर्तमान समय में अनिवार्य हैं। आर्थिक सुधार के लिए नीतियों से महामारी के निराकरण और रोकथाम उपायों को हटाना, कर्ज के बोझ के प्रभाव को रोकने के साथ–साथ आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने पर महत्वपूर्ण रूप से निर्भर करता है। विशेष रूप से, उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के पास इस अर्थ में बेहतर सुरक्षा जाल है कि उनके पास अंतरराष्ट्रीय ऋण और तरलता तक पहुंच के साथ–साथ एक मजबूत स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली है और वह भी अपेक्षाकृत कम उधार की लागत पर। दूसरी ओर, उभरती एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के पास संसाधन की कमी है और इनमें स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली पर अत्यधिक भार है तथा सीमित उधार क्षमता है।

इस मोड़ पर अर्थव्यवस्थाओं के सामने एक महत्वपूर्ण चुनौती यह है कि महामारी को दूर करने के लिए तथा आर्थिक गतिविधियों को सामान्य बनाने के लिए लगने वाले समय के बारे में अनिश्चितता है। महामारी के दुष्परिणाम स्वरूप, उपभोक्ता मांग कमजोर रहने की संभावना है और अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार स्थिर रहने की संभावना है। अतः, जहां तक नीति अनुमति देती है, वहां तक मौद्रिक के साथ–साथ राजकोषीय विस्तार की भी आवश्यकता है। एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू मौद्रिक अधिकारियों द्वारा संचार के माध्यम से मुद्रास्फीति को स्थिर करना है। एक ऋण–अपस्फीति चक्र का जोखिम है जिसे एक मजबूत

सरकारी नीति रुख द्वारा समाप्त किया जा सकता है। वसूली को सुविधाजनक बनाने के लिए, मजबूत दिवालियापन और ऋण प्रवर्तन ढांचे के रूप में विनियामक दूरदर्शिता की आवश्यकता है। अंत में, बहुपक्षीय सहयोग समय की आवश्यकता है, विशेष रूप से आर्थिक और साथ ही चिकित्सा के क्षेत्र में। इसका तात्पर्य होगा कि वैश्विक वित्तीय भावनाओं को बढ़ावा देने के उपायों के साथ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के कामकाज और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को अनुमति देने के लिए प्रशुल्क तथा गैर–प्रशुल्क बाधाओं को हटाना। राष्ट्रों को वायरस के बारे में जानकारी साझा करने के साथ–साथ एकजुट होकर काम करने की आवश्यकता होगी जो रोकथाम के लिए टीके के विकास हेतु महत्वपूर्ण होगी।

तालिका 1

विश्व आर्थिक दृष्टिकोण अनुमान

विश्व आर्थिक दृष्टिकोण संकेतक	(प्रतिशत परिवर्तन जब तक कि लिखा न हो)			
	वर्ष दर वर्ष			
			अनुमान	
	2018	2019	2020	2021
विश्व आउटपुट	3.6	2.9	-3.0	5.8
उन्नत अर्थव्यवस्थाएं	2.2	1.7	-6.1	4.5
संयुक्त राज्य अमेरिका	2.9	2.3	-5.9	4.7
यूरो एरिया	1.9	1.2	-7.5	4.7
जर्मनी	1.5	0.6	-7.0	5.2
फ्रांस	1.7	1.3	-7.2	4.5
इटली	0.8	0.3	-9.1	4.8
स्पेन	2.4	2.0	-8.0	4.3
जापान	0.3	0.7	-5.2	3.0
यूनाइटेड किंगडम	1.3	1.4	-6.5	4.0
कनाडा	2.0	1.6	-6.2	4.2
अन्य उन्नत अर्थव्यवस्थाएं	2.6	1.7	-4.6	4.5
उभरता बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं	4.5	3.7	-1.0	6.6
उभरता और विकासशील एशिया	6.3	5.5	1.0	8.5
चीन	6.7	6.1	1.2	9.2
भारत	6.1	4.2	1.9	7.4
आसियान – 5	5.3	4.8	-0.6	7.8
उभरता और विकासशील यूरोप	3.2	2.1	-5.2	4.2
रूस	2.5	1.3	-5.5	3.5
लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई	1.0	0.1	-5.2	3.4
ब्राजील	1.3	1.1	-5.3	2.9
मैक्सिको	2.1	-0.1	-6.6	3.0
मध्य पूर्व और मध्य एशिया	1.8	1.2	-2.8	4.0
सऊदी अरब	2.4	0.3	-2.3	2.9
उप–सहारा अफ्रीका	3.3	3.1	-1.6	4.1
नाइजीरिया	1.9	2.2	-3.4	2.4
दक्षिण अफ्रीका	0.8	0.2	-5.8	4.0

विश्व व्यापार परिमाण (माल और सेवाएं)	3.8	0.9	-11.0	8.4
आयात				
उन्नत अर्थव्यवस्थाएं	3.3	1.5	-11.5	7.5
उभरते बाजार और विकाशील अर्थव्यवस्थाएं	5.1	-0.8	-8.2	9.1
निर्यात				
उन्नत अर्थव्यवस्थाएं	3.3	1.2	-12.8	7.4
उभरते बाजार और विकाशील अर्थव्यवस्थाएं	4.1	0.8	-9.6	11
जिंस की कीमतें (अमेरिकी डॉलर)				
तेल	29.4	-10.2	-42.0	6.3
गैर–ईंधन	1.3	0.8	-1.1	-0.6
उपभोक्ता कीमतें				
उन्नत अर्थव्यवस्थाएं	2.0	1.4	0.5	1.5
उभरते बाजार और विकाशील अर्थव्यवस्थाएं	4.8	5.0	4.6	4.5
लंदन अंतर–बैंक पेशकश दर (प्रतिशत)				
अमेरिकी डॉलर जमा पर (छः माह)	2.5	2.3	0.7	0.6
यूरो जमा पर (छः माह)	-0.3	-0.4	-0.4	-0.4
जापानी येन पर (छः माह)	0.0	0.0	-0.1	-0.1

स्रोतः विश्व आर्थिक दृष्टिकोण, अप्रैल 2020 (आईएमएफ)

वर्ष 2019–20 में भारतीय अर्थव्यवस्था

विश्व विकास संकेतक (वर्ल्ड बैंक, जुलाई 2020) 2019 से प्राप्त नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) के लिए अनुमान बताता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में पांचवीं सबसे बड़ी होगी। भारत को अनुमानित सकल राष्ट्रीय आय अमेरिकी डॉलर 2.9 ट्रिलियन के साथ यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस और इटली जैसी उन्नत अर्थव्यवस्थाओं से आगे रखा गया है। सरकार 2024–25 तक भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के आकार का लक्ष्य बना रही है। पिछले वर्ष में वैश्विक जीडीपी में गिरावट और वर्ष 2020 में कोविड–19 महामारी के फैलने की पृष्ठभूमि में, इस दिशा में प्रगति एक चुनौतीपूर्ण कार्य रहा है। तथापि, भारत की अर्थव्यवस्था ने एक शानदार तेजी दिखाई थी और पिछले पांच वर्षों में वृहद आर्थिक स्थिरता के साथ 7.5 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर और 4.5 प्रतिशत की औसत मुद्रास्फीति (आर्थिक सर्वेक्षण 2019–20, भारत सरकार) दर दर्ज की है।

विकास के लिए नकारात्मक जोखिम कोविड–19 महामारी का प्रसार, बढ़ता व्यापार तनाव और व्यवधान, कम मुद्रास्फीति के साथ उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में कम वृद्धि, दिवाला और दिवालियापन कोड का धीमा कार्यान्वयन, सार्वजनिक निवेश में वृद्धि जो निजी निवेश को बढ़ा सकता है और स्थिर बचत–निवेश दरें हैं। उल्टे जोखिमों में विनिर्माण और व्यापार गतिविधियों से बाहर रहने की उम्मीदें, कच्चे तेल की कम कीमतें, रियल एस्टेट क्षेत्र को बढ़ावा देने के सरकारी उपायों से अर्थव्यवस्था में उच्च निश्चित निवेश हो सकता है, व्यापार करने में आसानी में सुधार, सरकार द्वारा मेक इन इंडिया के तत्वावधान में निवेश पर जोर और कॉर्पोरेट टैक्स में कटौती शामिल हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि इस समय उल्टे जोखिमों के साथ नकारात्मक जोखिमों का अच्छी तरह से संतुलन है। तथापि, कोविड–19 महामारी के कारण अनिश्चितता से व्यापार की योजनाओं के निष्पादन में अराजकता और देरी होने की संभावना है और इस साल भाव कम करने की उम्मीद है। साथ ही, अर्थव्यवस्था के 2021 में वापस उछाल की उम्मीद है।

सरकार द्वारा वर्ष 2019–20 के दौरान पाइपलाइन में रहीं कई नीतिगत पहलों पर सक्रिय रूप से कार्य किया गया था। कुछ प्रमुख निवेश सुधारों में दिसंबर 2019 में दिवाला और दिवालियापन कोड (द्वितीय संशोधन) विधेयक, आयकर अधिनियम 1961 और वित्त (सं. 2) अधिनियम 2019 में संशोधन, प्रणाली में क्रेडिट का उपयोग करना,

ऑटो सेक्टर की वृद्धि को बढ़ावा देने के उपाय, सूक्ष्म, लघु और मध्यम मीडियम उद्यमों (एमएसएमई) को ब्याज आर्थिक सहायता योजना को संशोधित करते हुए क्रेडिट तक पहुंच में सुधार, एफडीआई नीति को और उदार बनाना और स्टैंड अप इंडिया योजना का विस्तार शामिल हैं। दिवाला और दिवालियापन कोड बिल में संशोधन से कारोबार में तेजी लाने के साथ कारोबार करने में आसानी में सुधार होने की संभावना है।

सरकार ने अर्थव्यवस्था में खपत को बढ़ावा देने के लिए ज्यादातर ग्रामीण आय और व्यय को बढ़ाकर कुछ उपाय भी किए। इनमें फसली मौसम 2019–20 के लिए रबी और खरीफ की फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपीज) में वृद्धि, सभी पात्र किसान परिवारों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम–किसान) के माध्यम से नकद हस्तांतरण का विस्तार, व्यापारी वर्ग के लिए पेंशन कवर की योजना और कर रियायतें देकर इलेक्ट्रॉनिक वाहनों के प्रति झुकाव को प्रोत्साहित करना शामिल है।

सरकार ने निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए कई उपाय किए है। कुछ उल्लेखनीय सुधारों में निर्यातकों को प्रोत्साहित करने के लिए निर्यात उत्पाद (आरओडीटीईपी) पर शुल्क या करों की छूट के लिए योजना शुरू करना, विशेष आर्थिक क्षेत्र (संशोधन) विधेयक 2019 का अनुमोदन, निर्यात ऋण गारंटी निगम (ईसीजीसी) द्वारा निर्यात ऋण बीमा योजना का दायरा बढ़ाते हुए उन बैंकों को एक उच्च बीमा कवर प्रदान करना जो निर्यात के लिए कार्यशील पूंजी उधार दे रहे हैं, एकमुश्त निर्यात सब्सिडी प्रदान करके अतिरिक्त स्टॉक की निकासी के लिए चीनी निर्यात नीति को मंजूरी, हस्तशिल्प निर्यात को सुविधाजनक बनाने के प्रयोजन से कपड़ा मंत्रालय द्वारा ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्मों पर कारीगरों का नामांकन शामिल है।

वर्ष 2018–19 की तुलना में वर्ष 2019–20 में कृषि तथा संबद्ध गतिविधियों और लोक प्रशासन, रक्षा एवं अन्य सेवाओं को छोड़कर, सभी क्षेत्रों में आपूर्ति पक्ष में मंदी थी। वर्ष 2019–20 की प्रथम छमाही में यह 4.8 प्रतिशत की निम्न जीडीपी वृद्धि में परिवर्तित हुई है, जो कि वर्ष 2018–19 की द्वितीय छमाही में दर्ज जीडीपी विकास दर से 1.4 प्रतिशत अंक कम है। चित्र 1 वर्ष 2018–20 के लिए तिमाही आधार पर निरंतर मूल कीमतों पर जीवीए के लिए क्षेत्रीय अनुमान दिखाता है। वर्ष 2009 के बाद से अर्थव्यवस्था के कुल जीवीए में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की हिस्सेदारी गिर रही है जिसका कारण तृतीय श्रेणी के उद्योगों द्वारा बेहतर प्रदर्शन है। विनिर्माण क्षेत्र में गिरावट के कारण, इसी अवधि में कुल जीवीए में औद्योगिक गतिविधियों की हिस्सेदारी में भी गिरावट आई है। दूसरी ओर, सेवा क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह वृद्धि बढ़ते वित्त, अचल संपत्ति तथा पेशेवर सेवाओं और सार्वजनिक प्रशासन द्वारा संचालित है। मांग पक्ष के कारकों के संदर्भ में, वर्ष 2018–19 में वास्तविक खपत में मंदी देखी गई जो सरकार की अंतिम खपत में वृद्धि के कारण 2019–20 में वापस आ गई। दूसरी ओर, वास्तविक निश्चित निवेश ने वर्ष 2019–20 की पहली छमाही में सुस्त वृद्धि का प्रदर्शन किया। यह देखा गया है कि वास्तविक खपत और निजी अंतिम खपत व्यय में वृद्धि 2019–20 की दूसरी तिमाही के दौरान बढ़ी है। बाहरी मोर्चे पर, आयात और निर्यात दोनों सीमित हुए हैं और इसलिए वर्ष 2019–20 की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में शुद्ध निर्यात का समग्र योगदान कम नकारात्मक था। आयात में कमजोरी का कारण कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और सुस्त जीडीपी वृद्धि (आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 2019–20, भारत सरकार) हो सकता है।

अर्थव्यवस्था में स्थिर निवेश दर वर्ष 2011–12 और 2016–17 के बीच बहुत गिर गई और तब से स्थिर है। यह प्रवृत्ति वर्ष 2009–14 और 2014–19 के बीच परिवारों द्वारा 14.3 से 10.5 प्रतिशत तक निश्चित निवेश में गिरावट से प्रेरित है। इसी समय, सार्वजनिक क्षेत्र में निश्चित निवेश 7 प्रतिशत के आसपास था। अंत में, निजी कॉर्पोरेट निवेश उसी अवधि में 11.5 प्रतिशत पर थम गया है। ये रुझान मिलकर, धीमी जीडीपी वृद्धि और खपत में परिवर्तित हुए हैं। कॉर्पोरेट निवेश में गिरावट को लघु अवधि में आपूर्ति–चालित क्रेडिट बूम द्वारा समझाया गया है जो लंबी अवधि (आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 2019–20, भारत सरकार) में एक महत्वपूर्ण कमी की ओर जाता है। भारतीय मामले में, वर्ष 2003–04 से वर्ष 2011–12 की अवधि के दौरान गैर–खाद्य बैंक ऋण का तेजी से विस्तार हुआ। इसके बाद, बैंक ऋण में वृद्धि वर्ष 2009–14 में 16.7 प्रतिशत से वर्ष 2014–19 में काफी गिरकर 10.5 प्रतिशत हो गई। यह वर्ष 2009–14 में एनपीए में खतरनाक वृद्धि के साथ मिलकर 3 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2014–19 में 8.3 प्रतिशत तक हो गया था। इससे बड़ी और मध्यम इकाइयों, बुनियादी ढांचा कंपनियों और गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को दिए गए बैंक ऋण में तेज गिरावट आई।

घरेलू निवेश ने 'मशीनरी एवं उपकरण' के साथ–साथ 'आवास', अन्य भवनों और संरचनाओं में रियल एस्टेट क्षेत्र में एक ठहराव को दर्शाया। वर्ष 2009 और 2016 के बीच जीडीपी के प्रतिशत के रूप में निजी खपत बेहतर हुई, जो कि वर्ष 2019–20 की पहली छमाही में कम हो गई।

दिलचस्प बात यह है कि अर्थव्यवस्था में वृद्धि की संभावनाओं के बारे में शेयर बाजार सकारात्मक बने रहे। यह मार्च 2019 और दिसंबर 2019 के बीच बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के सेंसेक्स में 7 प्रतिशत की वृद्धि से दर्शाया गया। बाजार भी भारत के विदेशी पोर्टफोलियो (एफपीआई) के साथ–साथ विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) दोनों के लिए एक आकर्षक गंतव्य होने की एक अनुकूल राय द्वारा भाग में संचालित होता है। भारत के बारे में निवेश के लिए गंतव्य के रूप में सकारात्मक भावना उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के विकास में गिरावट के बावजूद प्रवृत्ति को संचालित करने में सक्षम है। वर्ष 2019–2020 के पहले आठ महीनों में शुद्ध एफडीआई और शुद्ध एफपीआई क्रमशः 24.4 बिलियन और 12.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर था (आर्थिक सर्वेक्षण 2019–20, भारत सरकार)।

वर्ष 2019–20 की पहली छमाही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई, हेडलाइन) मुद्रास्फीति 3.3 प्रतिशत थी। दिसंबर 2019 का महीना आगे रहा क्योंकि आपूर्ति की कमी के कारण हेडलाइन मुद्रास्फीति बढ़कर 7.35 प्रतिशत हो गई। देश के कई हिस्सों में बेमौसम बारिश और अत्यधिक बारिश से कृषि फसल उत्पादन में गिरावट आई जिसके कारण खाद्य कीमतों में वृद्धि हुई। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) मुद्रास्फीति अप्रैल 2019 में 3.2 प्रतिशत से गिरकर दिसंबर 2019 में

2.6 प्रतिशत पर आ गई, जो कि अर्थव्यवस्था में कमजोर मांग के कारण है (चित्र 2)। कोर इन्फ्लेशन (हेडलाइन कम खाद्य और ईंधन मुद्रास्फीति) देश में मांग की स्थिति को मापता है। सीपीआई–कोर वर्ष 2018–19 की प्रथम तिमाही में 6.3 प्रतिशत से गिरकर 2019–20 की द्वितीय तिमाही में 4.3 प्रतिशत हो गया। यह अर्थव्यवस्था में कमजोर मांग (आर्थिक सर्वेक्षण 2019–20, भारत सरकार) को दर्शाता है।

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण से अनुमानों के आधार पर अर्थव्यवस्था में रोजगार की स्थिति (आर्थिक सर्वेक्षण 2017–18, भारत सरकार), औपचारिक क्षेत्र की नौकरियों में वृद्धि के साथ बेहतर हुई प्रतीत होती है। यह वर्ष 2011–12 में 'नियमित वेतन/वेतनभोगी' नौकरियों के हिस्से में 17.9 प्रतिशत से वर्ष 2017–18 में 22.8 प्रतिशत की वृद्धि से ज्ञात हुआ है। मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्र के आकस्मिक श्रमिकों में संगत गिरावट आई है। शहरी क्षेत्रों के मामले में, हम स्व–नियोजित श्रेणी में कमी और वेतनभोगी नौकरियों में संगत वृद्धि को देखते हैं। अंत में, 'नियमित वेतन/वेतनभोगी' में महिलाओं का प्रतिशत 2011–12 में 13 प्रतिशत से 8 प्रतिशत बिंदु तक बढ़कर 2017–18 में 21 प्रतिशत हो गया।

वर्ष 2019–20 में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटे का बजट 7.04 लाख करोड़ था जो कि वर्ष 2018–19 में 6.49 लाख करोड़ रुपये पीए (जीडीपी का 3.4 प्रतिशत) की तुलना में जीडीपी का 3.3 प्रतिशत है। वर्ष 2018–19 पीए की तुलना में वर्ष 2019–20 बीई में शुद्ध कर राजस्व 25 प्रतिशत से अधिक बढ़ने की उम्मीद थी। तथापि, अप्रैल 2019 और नवंबर 2019 के बीच इसने 2.6 प्रतिशत की अल्प वृद्धि दर्ज की। इस कमजोर वृद्धि की गणना वर्ष 2019–20 के पहले आठ महीनों के दौरान सकल कर राजस्व में 0.8 प्रतिशत की कमजोर वृद्धि से की गई थी। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह ने सरकार के कर संग्रह और अनुपालन में सुधार के प्रयासों के कारण अप्रैल 2019 और नवंबर 2019 के बीच केंद्र के लिए 4.1 प्रतिशत की वृद्धि प्रदर्शित की। वर्ष 2019–20 के पहले आठ महीनों में अधिक राजस्व के साथ–साथ पूंजीगत व्यय के कारण केंद्र सरकार के व्यय में 12.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई (आर्थिक सर्वेक्षण 2019–20, भारत सरकार)।

भारतीय बैंकों की तरलता की स्थिति में 2019–20 में लगातार सुधार हुआ और औसत दैनिक शुद्ध खपत जून 2019 में 45.6 हजार करोड़ रुपये से 256.4 हजार करोड़ बढ़ गई। भारतीय रिजर्व बैंक ने ओपन मार्केट ऑपरेशन (ओएमओ) खरीद नीलामी और खरीद/बिक्री की विनिमय नीलामी के माध्यम से सिस्टम में तरलता बनाई। भारित कॉल मनी दर तरलता समायोजन सुविधा (एलएएफ) गलियारे के भीतर बनी हुई है जो सिस्टम में पर्याप्त तरलता का संकेत देती है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने एक आक्रामक रुख अपनाया और फरवरी 2019 से नीतिगत रेपो दर को 135 आधार अंकों तक घटा दिया है। इससे आगे चलकर सिस्टम में तरलता कम होने और बैंकों द्वारा ब्याज दरों में कमी की उम्मीद की गई। गैर–निष्पादित आस्तियों (एनपीए) के निर्माण के बाद बैंकों के बढ़ते जोखिम द्वेष के कारण गैर–खाद्य ऋण खंडों में गिरावट के साथ अर्थव्यवस्था में बैंक ऋण की वृद्धि कमजोर रही। एनपीए अनुपात मार्च 2018 में सकल अग्रिमों से 11.2 प्रतिशत गिरकर सितंबर 2019 के अंत में 9.3 प्रतिशत हो गया।

बाहरी मोर्चे पर, निर्यात और आयात दोनों ने पिछले वर्ष भर में गिरावट का रुख दिखाया (चित्र 3)। तथापि, निर्यात में मंदी की तुलना में आयात में मंदी कम थी और परिणामस्वरूप 2019–20 में समग्र व्यापार संतुलन में सुधार हुआ। कच्चे तेल की गिरती कीमतें आयात में कमी होने के लिए प्रमुख योगदान कारक थीं। इसके अतिरिक्त, वैश्विक आर्थिक गतिविधियों की थोड़ी सी बेहतरी के कारण निर्यात में गिरावट आई जो कि आयात की तुलना में धीमी थी। निर्यात के मामूली सुधार में योगदान देने वाला एक अन्य संभावित कारक जुलाई 2019 के बाद से वास्तविक विनिमय दर में मूल्यह्रास हो सकता है। यह ध्यान दिया जाए कि सेवाओं के निर्यात में मंद वृद्धि के बावजूद, सेवाओं में व्यापार अधिशेष 2018–19 की तुलना में 2019–20 की प्रथम छमाही में बढ़ गया था। इन सभी गतिविधियों ने चालू खाता घाटा (सीएडी) को 2018–19 में सकल घरेलू उत्पाद के 2.1 प्रतिशत से घटाकर 2019–20 की पहली छमाही में सकल घरेलू उत्पाद का 1.5 प्रतिशत करने में योगदान दिया।

वर्ष 2019–20 के पहले आठ महीनों में भारत में सकल और शुद्ध एफडीआई प्रवाह वर्ष 2018–19 की इसी अवधि में अधिक था। इसके अतिरिक्त, शुद्ध एफपीआई भारत में वर्ष 2018–19 की पहली छमाही में 7.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बहिर्वाह से बढ़कर वर्ष 2019–20 में इसी अवधि में 7.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। इन गतिविधियों के कारण देश में पूंजी प्रवाह में वृद्धि हुई और पूंजी खाते में विस्तार हुआ। सीएडी के साथ–साथ पूंजी खाते में सुधार के कारण, भारत का समग्र भुगतान शेष (बीओपी) 31 मार्च 2019 को 302 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 10 जनवरी 2020 को 461.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया (आर्थिक सर्वेक्षण 2019–20, भारत सरकार)। चित्र–4 वर्ष 2019–20 की अवधि में राष्ट्र के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि दर्शाता है।

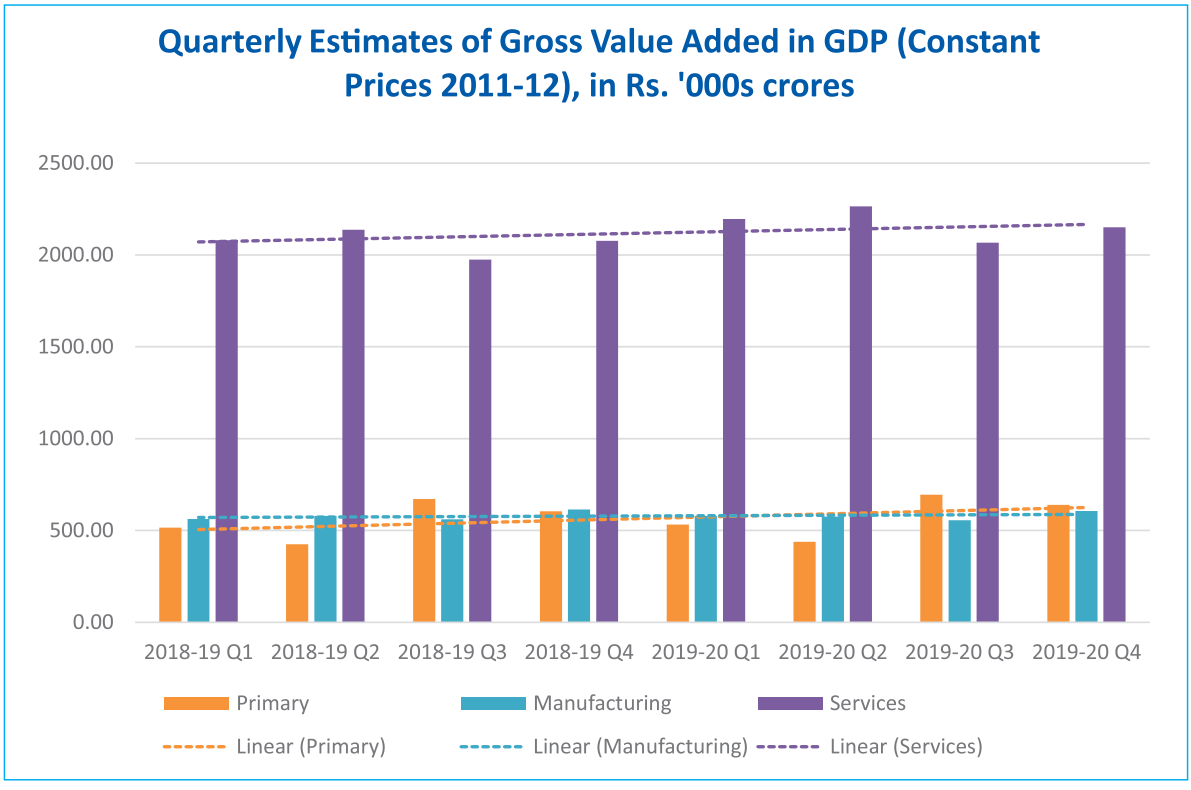

FIGURE 1

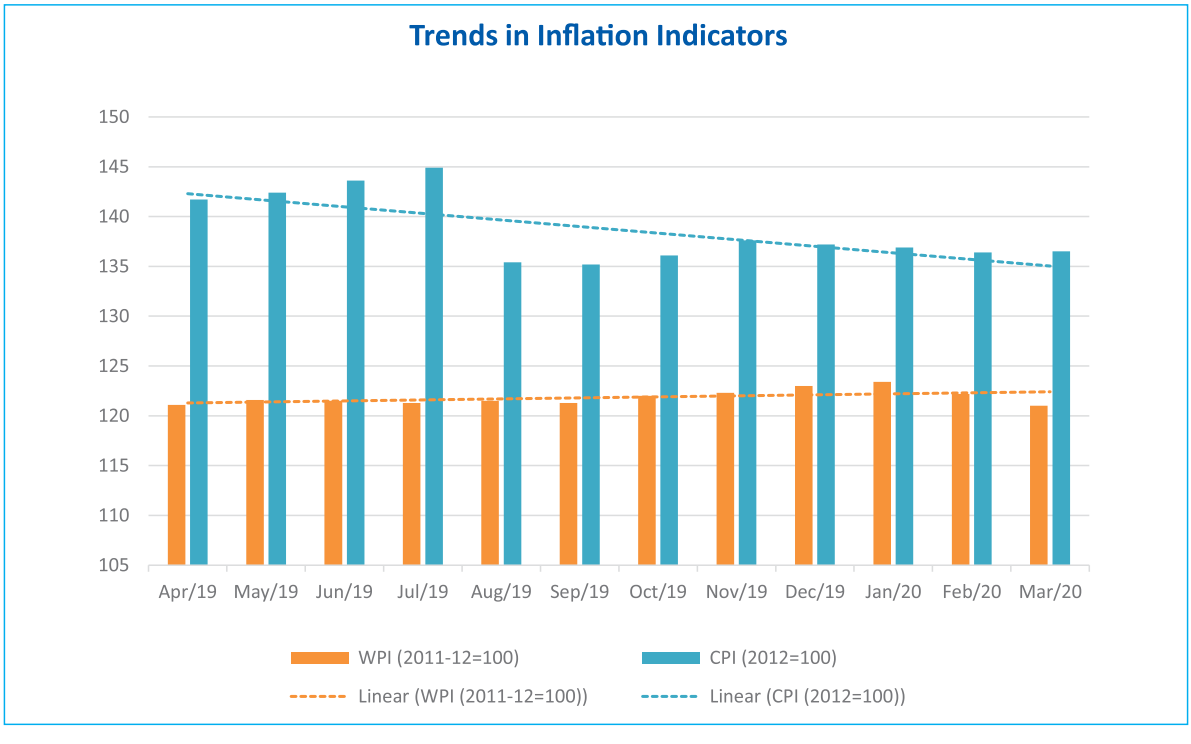

FIGURE 2

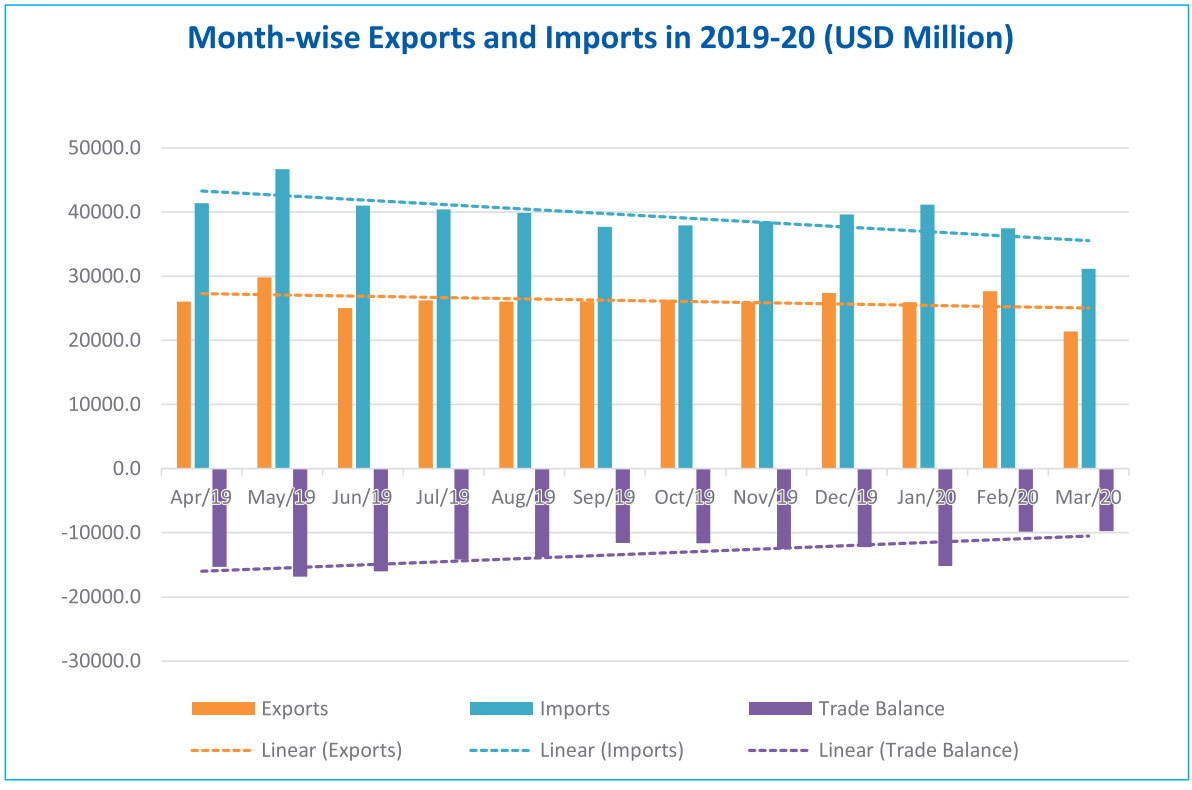

FIGURE 3

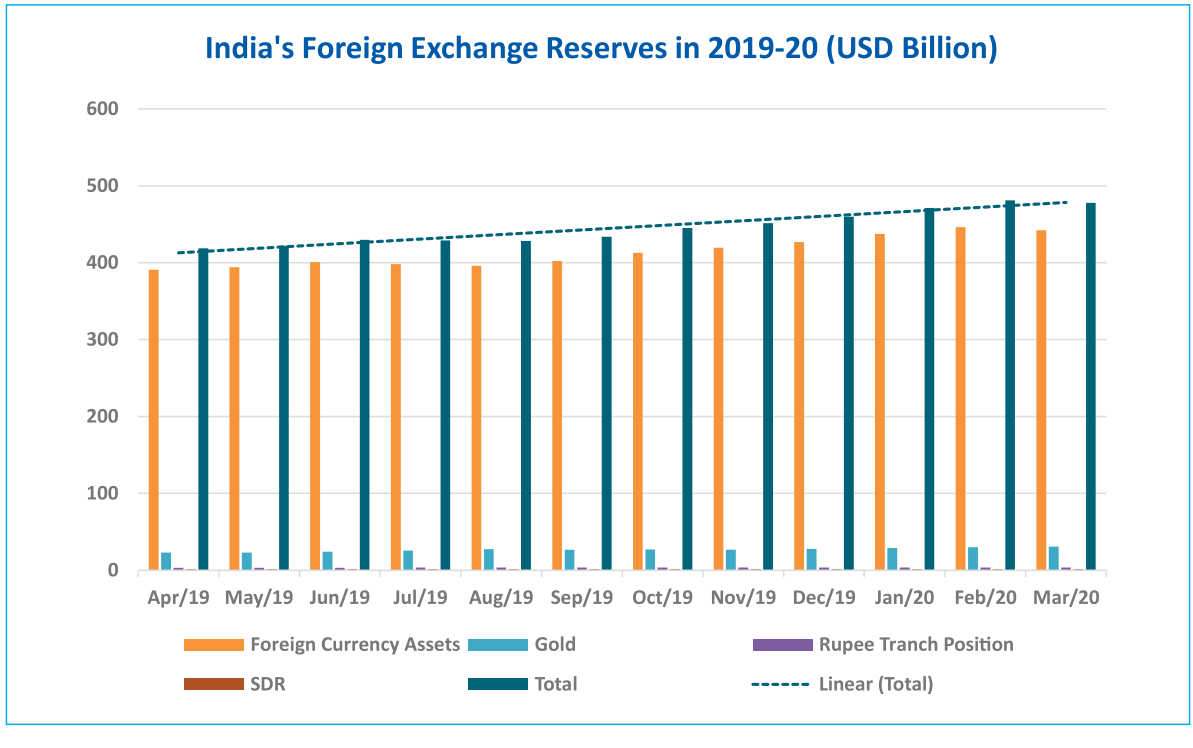

FIGURE 4

आईआईएफटी की वर्ष 2019–20 में महत्वपूर्ण उपलब्धियां: एक झलक

संस्थान का 53वाँ वार्षिक दीक्षांत समारोह

संस्थान का 53वां वार्षिक दीक्षांत समारोह 8 अगस्त 2019 को आयोजित किया गया था। श्री हरदीप सिंह पुरी, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आवासन और शहरी कार्य तथा नागर विमानन मंत्रालय और वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री, भारत सरकार ने दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने संस्थान द्वारा पिछले एक वर्ष के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को पदक/पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान किए।

डॉ. अनूप वधावन, अध्यक्ष, आईआईएफटी तथा वाणिज्य सचिव, भारत सरकार और डॉ. मनोज पंत, निदेशक, आईआईएफटी ने 604 छात्रों को डिग्री, डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए।

अंतिम प्लेसमेंट

आईआईएफटी ने परिसर में आयोजित 125 से अधिक कंपनियों के रिकॉर्ड के साथ अपने अब तक के सबसे बड़े बैच के अंतिम प्लेसमेंट को देखा, जिन्होंने परामर्श सहित सभी महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया। प्रति वर्ष 75 लाख की उच्चतम पेशकश के साथ, औसत पैकेज बढ़कर 20.48 लाख प्रति वर्ष हो गया और औसतन 18.2 लाख प्रति वर्ष तक बढ़ गया। इस वर्ष औसत पैकेज में बैच आकार में 14 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद मामूली वृद्धि देखी गई। बैच के 28 प्रतिशत छात्रों को अपने समर इंटर्नशिप के आधार पर प्रतिष्ठित भर्तीकर्ताओं से प्री–प्लेसमेंट ऑफर मिले।

इस वर्ष आईआईएफटी से जुड़ी 41 नई कंपनियों में मैककिन्से एंड एम्प कंपनी, रेकिट बेंकिजर, स्टार ग्लोबल, वेस्टर्न डिजिटल, मीडिया. नेट, एक्सिस बैंक, बोस्टन साइंटिफिक, टाटा इंटरनेशनल, बीईएमएल, वर्चुसा, पोलस्टार सॉल्यूशंस, एचएमएस बर्गबाउ एजी, आरबीएल बैंक, टेक महिंद्रा, बीओडी कंसल्टिंग, निन्जाकार्ट, न्यूजेन सॉफ्टवेयर, आईजीटी सॉल्यूशंस, जेमिनी सॉल्यूशंस, क्रेमिका और मर्लिटिक्स जैसी कुछ सबसे बड़ी संस्थाएं शामिल थीं।

समर इंटर्नशिप

संस्थान ने समर इंटर्नशिप के लिए एमबीए (आईबी) 2019–21 के संपूर्ण बैच को सफलतापूर्वक नियोजित करवाया। आईआईएफटी में 334 छात्रों के साथ अब तक का सबसे बड़ा बैच 103 कंपनियों में नियोजित करवाया गया, जिसमें औसत पारिश्रमिक में वृद्धि का रूझान देखा गया। नए भर्तीकर्ताओं की संख्या 44 थी। जबकि पेशकश किया गया उच्चतम पारिश्रमिक ₹3,20,000 प्रति माह था, पिछले साल के ₹1,48,000 की तुलना में 2 महीने की पूरी अवधि के लिए औसत पारिश्रमिक ₹1,68,000 था।

कॉरपोरेट प्रतियोगिताओं के संदर्भ में, जिन्हें अन्य संस्थानों के तुलनात्मक प्रदर्शन के लिए एक बेंचमार्क माना जाता है, सीआरपीडी ने कई प्रमुख कार्यक्रमों में छात्रों की भागीदारी का समर्थन किया। आईआईएफटी के छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय मंचों पर अग्रण ी संगठनों द्वारा आयोजित प्रमुख प्रतियोगिताओं में भाग लिया और उनमें विजय प्राप्त की। उल्लेखनीय उपलब्धियों में कुछ महिंद्रा एंड महिंद्रा द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित वॉर रूम प्रतियोगिता जीतना और सीएफए रिसर्च चैलेंज के एशिया पैसिफिक फाइनल में भारत का प्रतिनिधित्व करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, हमारे छात्र केपीएमजी द्वारा आयोजित आईडिएशन चैलेंज, टाटा स्टील द्वारा आयोजित स्टील–ए–थॉन, रेकिट बेंकिजर द्वारा आयोजित आरबी ग्लोबल चैलेंज, हिंदुस्तान यूनिलीवर द्वारा आयोजित लाइम और कार्पे डाइम, जेपी मॉर्गन द्वारा आयोजित डील, लार्सन एंड टुब्रो द्वारा आउटथिंक, ओयो द्वारा कैटलिस्ट चैलेंज, टाइटन द्वारा एलिवेट 6.0, और आईसीआईसीआई द्वारा आयोजित कर्व जैसी प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष टीमों में शामिल रहे। आईआईएफटी के छात्रों ने बी–स्कूल प्रतियोगिताओं में कई सम्मान अर्जित किए।

सीआरपीडी के प्रमुख प्रो. रोहित मेहतानी को हीरो कैंपस चैलेंज के ग्रैंड फिनाले जूरी के पैनल में आमंत्रित किया गया था। यह एक प्रतिष्ठित अखिल भारतीय बी–स्कूल प्रतियोगिता है जिसमें सभी प्रतिष्ठित संस्थानों के छात्रों ने भाग लिया। बी–स्कूल के छात्रों की टीमों का मूल्यांकन एक व्यापार प्रस्ताव पर उनकी प्रस्तुति के आधार पर किया गया था और हीरो समूह द्वारा विजेता और प्रथम रनर–अप टीम को आकर्षक प्लेसमेंट ऑफर दिए गए थे। प्रो. रोहित मेहतानी को 'बेस्ट प्रोफेसर इन स्ट्रेटजी स्टडीज' के लिए भी 'देवांग मेहता नेशनल एजुकेशन अवार्ड (बिजनेस स्कूल)' से 20 दिसंबर 2019 को सम्मानित किया गया। यह उनका दूसरा देवांग मेहता नेशनल एजुकेशन अवार्ड (बिजनेस स्कूल) है, उन्हें पहले दिसंबर 2009 को 'इंटरनेशनल बिजनेस में सर्वश्रेष्ठ प्रोफेसर' के लिए सम्मानित किया गया था। इस अवसर पर वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के चार्ल्स डब्ल्यू. हिल एवं मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के जी. थॉमस हॉल्ट के साथ सह–लेखक के रूप में लिखित और मैकग्रा हिल द्वारा प्रकाशित उनकी पुस्तक शीर्षक 'इंटरनेशनल बिजनेसः कॉम्पीटिंग इन द ग्लोबल मार्केट प्लेस' को उजागर किया गया था।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

अंतराष्ट्रीय सहयोग छात्र आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत, दस छात्र जनवरी–मार्च 2020 के दौरान छात्र आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों से आईआईएफटी में आए। कुल 21 छात्रों (दिल्ली कैंपस से 9 छात्र और कोलकाता कैंपस से 12 छात्र) ने जनवरी 2020 से मार्च 2020 तक विभिन्न अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों का भ्रमण किया।

वर्ष 2019–20 के दौरान, संस्थान ने छात्र/संकाय आदान–प्रदान और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए 9 अप्रैल 2019 को केंट स्टेट यूनिवर्सिटी, ओहियो, अमेरिका; 6 जून 2019 को डीकिन विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया; 26 अगस्त 2019 को सोलब्रिज इंटरनेशनल स्कूल ऑफ बिजनेस, वुओसॉन्ग विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया के साथ पांच साल की अवधि के लिए ख्याति प्राप्त अंतराष्ट्रीय संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

कार्यकारी छात्र अध्ययन भ्रमण

इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल, अमेरिका जिनके साथ आईआईएफटी का एक अकादमिक सहयोग है, ने 'यूरोप 2019 में शॉर्ट टर्म एक्जीक्यूटिव प्रोग्राम' का आयोजन किया है। आईआईएफटी के ईपीजीडीआईबी 2018–20, एमबीए (आईबी) 2019–21 और पीएच.डी (प्रबंधन) 2019 कार्यक्रमों के सात छात्रों ने गर्मी या सर्दियों के अवकाश के दौरान 'यूरोप 2019 में शॉर्ट टर्म एक्जीक्यूटिव प्रोग्राम' में भाग लेने के लिए आवेदन किया है।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड (आईआईएफटी) के सेंटर फॉर ट्रेड फैसिलिटेशन एंड लॉजिस्टिक्स (सीटीएफएल) ने लॉजिस्टिक्स डिवीजन, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के सहयोग से अपने दिल्ली कैंपस में संयुक्त रूप से 19–20 नवंबर, 2019 के दौरान लॉजिस्टिक कॉन्क्लेव और कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। विशेष सचिव (लॉजिस्टिक्स) श्री एन शिवसैलम, संयुक्त सचिव (लॉजिस्टिक्स) श्री अनंत स्वरूप और विशिष्ट क्षेत्रों और मंत्रालयों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस आयोजन के लिए प्रमुख आमंत्रित थे। सम्मेलन को शिक्षाविदों और अनुसंधान विद्वानों से व्यापक प्रतिक्रिया मिली। इसमें 40 से अधिक शोध पत्रों के साथ कुल 10 पैनल सत्रों और प्रस्तुतियों को कवर किया गया था और कॉन्क्लेव के दौरान भारत में लॉजिस्टिक्स बढ़त प्राप्त करने के लिए नई अंतर्दृष्टि और समाधान प्रदान किए गए।

प्रबंधन विकास कार्यक्रम

वर्ष 2019–2020 के दौरान, प्रबंधन विकास कार्यक्रम विभाग ने विभिन्न स्तरों के प्रबंधकों और अधिकारियों के लिए 34 कार्यक्रम आयोजित किए हैं। इनमें से, 7 कार्यक्रम सभी क्षेत्रों के लिए खुले थे, सरकारी अधिकारियों (आईटीएस, आईईएस और आईएसएस अधिकारियों सहित) और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों/निजी क्षेत्र के कार्यपालकों के लिए 19 प्रायोजित कार्यक्रम थे। इसके अतिरिक्त, हाइब्रिड मोड और 4 ऑनलाइन ईडीपी/एमडीपी के माध्यम से 4 लंबी अवधि के पाठ्यक्रम भी संचालित किए गए। इन कार्यक्रमों से कुल 948 प्रतिभागी लाभान्वित हुए।

कार्यपालक प्रबंधन कार्यक्रम

अंतरराष्ट्रीय व्यापार में कार्यकारी स्नातकोत्तर डिप्लोमा (ईपीजीडीआईबी) 2018–2019 का ऑन–कैंपस बैच 26 दिसंबर 2019 को सफलतापूर्वक पूरा हुआ। प्रोफेसर मनोज पंत, निदेशक, आईआईएफटी ने दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की, उन्होंने मुख्य भाषण दिया। श्री श्याम सुंदर दुबे, संयुक्त सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार समारोह में विशेष अतिथि थे। इस दिन ईपीजीडीआईबी 2018–19 कार्यक्रम के लगभग 100 सफल छात्रों को डिप्लोमा प्रदान किए गए।

ईपीजीडीआईबी (ऑन–कैंपस और हाइब्रिड) सत्र 2019–2020 क्रमशः 100 और 37 प्रतिभागियों के साथ 7 अगस्त 2019 को शुरू हुआ।

आईआईएफटी ने अपने एमबीए (आईबी) तंजानिया 2017–2019 कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया है जो पिछले दो दशकों से तंजानिया के दार–एस–सलाम में द इंस्टीट्यूट ऑफ फाइनेंस मैनेजमेंट (आईएफएम) के सहयोग से चल रहा था। 12वें बैच का दीक्षांत समारोह 20.09.2019 को दार–एस–सलाम में आयोजित किया गया था।

मासिक संगोष्ठी श्रृंखला

आईआईएफटी के निदेशक, मनोज पंत की सलाह के तहत, प्रकाशन डिवीजन ने एक संगोष्ठी श्रृंखला शुरू करने की पहल की है। इस संगोष्ठी में, हम बाहरी विशेषज्ञों को एक अकादमिक शोध पत्र/विषय प्रस्तुत करने के लिए और आईआईएफटी में संकाय सदस्यों/अनुसंधान विद्वानों के साथ बातचीत करने के लिए आमंत्रित करते हैं। इस तरह के आयोजनों के प्राथमिक उद्देश्यों में से एक संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच अनुसंधान संस्कृति को बढ़ावा देना है। सेमिनार श्रृंखला के तहत अगस्त 2018 से मार्च 2020 तक, प्रख्यात वक्ताओं के कई आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किए गए हैं।

आईआईएफटी ने वर्ष 2019–20 में विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से प्रतिष्ठित वक्ताओं का स्वागत किया: डॉ. अतुल मिश्रा, लेक्चरर, स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट विद प्लायमाउथ बिजनेस स्कूल, यूके ने सेमिनार में अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए।

फोकसडब्ल्यूटीओ.आईबी जर्नल और न्यूजलैटर का प्रकाशन

पब्लिकेशन डिवीजन ने आईआईएफटी के इन–हाउस त्रैमासिक प्रकाशन एफओसीयूएसडब्ल्यूटीओ.आईबी के वॉल्यूम 21 और वॉल्यूम 22 को प्रकाशित किया है, जो पूर्ण शोध पत्र, केस–स्टडी, मोनोग्राफ, पुस्तक समीक्षा, और अंतराष्ट्रीय व्यापार तथा प्रबंधन में डॉक्टरेट शोध प्रबंध का सारांश प्रकाशित करता है। वॉल्यूम 21 में तीन (3) अंक थे और वॉल्यूम 22 का एक अंक मार्च 2020 में प्रकाशित हुआ है।

प्रकाशन विभाग ने एफओसीयूएसडब्ल्यूटीओ.आईबी के लिए जर्मनी (मासमैन इंटरनेशनेल बुचंडलंग जीएमबीएच) से इसके प्रथम अंतराष्ट्रीय अंशदान के साथ एक बहुत बड़ी सफलता प्राप्त की है। प्रकाशन विभाग ने आईआईएफटी त्रैमासिक समाचार पत्रिका (अप्रैल–जून 2019, जुलाई–सितंबर 2019 और अक्टूबर–दिसंबर 2019) के तीन अंक प्रकाशित किए हैं।

फॉरेन ट्रेड रिव्यू का प्रकाशन

प्रकाशन डिवीजन ने फॉरेन ट्रेड रिव्यू (सेज पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड) के वॉल्यूम 54 के तहत चार अंकों का सफलतापूर्वक प्रकाशन किया है। प्रत्येक अंक में विदेश व्यापार नीति के क्षेत्र में तीन शोध लेख, दो कमेंट्री और दो पुस्तक समीक्षा प्रकाशित होती हैं।

वर्किंग पेपर सीरीज को अपलोड करना

आईआईएफटी की वर्किंग पेपर श्रृंखला का मुख्य उद्देश्य संकाय सदस्यों को पूर्व–प्रकाशन चरण में पेशेवर सहयोगियों के साथ अपने शोध के निष्कर्षों को साझा करने में मदद करना है। शोधपत्र ऑनलाइन प्रकाशित किए जाते हैं और आईआईएफटी की वेबसाइट पर अपलोड किए जाते हैं। वर्ष 2019–20 के दौरान, दो वर्किंग पेपर, कुल 40 पेपर अपलोड किए गए हैं।

आईआईएफटी की रैंकिंग

यह गर्व की बात है कि आईआईएफटी विभिन्न रेटिंग एजेंसियों द्वारा आयोजित अधिकांशत प्रमुख राष्ट्रीय रैंकिंग में अपनी स्थिति में लगातार सुधार कर रहा है।

2020 में, आईआईएफटी ने आउटलुक–आई केयर बी–स्कूल सर्वेक्षण में 15वां स्थान हासिल किया है, जैसे कि फैकल्टी स्टूडेंट रेशियो, एम्प्लॉयबिलिटी, इनक्लूसिवनेस और डायवर्सिटी के मापदंडों पर प्रभावशाली स्कोर।

बिजनेस क्रॉनिकल बी–स्कूल सर्वेक्षण 2020 में, आईआईएफटी को दिल्ली–एनसीआर क्षेत्र में समग्र रूप से A+++ श्रेणी का दर्जा दिया गया है, जो देश के 6 सर्वश्रेष्ठ बी–स्कूलों में सामाजिक उत्तरदायित्व, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और उद्योग सहभागिता में सर्वश्रेष्ठ स्कोर हासिल करता है।

वर्ष 2020 के कैरियर 360 बी–स्कूल सर्वेक्षण रैंकिंग में आईआईएफटी को A+++ रेटिंग के साथ टॉप 15' कुलीन बी–स्कूलों के रूप में दर्जा दिया गया है।

2019 में, बिजनेस वर्ल्ड इंडिया के टॉप बी–स्कूलों (समग्र) सर्वेक्षण में, आईआईएफटी को देश में 11वां स्थान दिया गया है। एमबीए यूनिवर्स और इनसाइड आईआईएम बिजनेस स्कूल रैंकिंग द्वारा किए गए दो सर्वेक्षणों में आईआईएफटी को क्रमशः 11वें और 10वें स्थान प्रदान किया गया है।

आईआईएफटी ने ज्ञान प्रदान करने में अपनी उत्कृष्टता और कॉर्पोरेट तथा शैक्षणिक क्षेत्र में प्रतिभा को विकसित करने में इनसाइड **आईआईएम एमबीए** रैंकिंग्स, भारत के शीर्ष एमबीए कॉलेज 2020 के अनुसार 10वीं रैंक और MBAUniverse.com B-School रैंकिंग्स 2020 के अनुसार 11वीं रैंक प्राप्त की है।

आईआईएफटी का संस्थागत ढांचा

भारत के विदेश व्यापार को बढ़ाने के लिए पं. जवाहरलाल नेहरू की परिकल्पना को मूर्तरूप देने के उद्देश्य से एक संस्थान के रूप में 2 मई 1963 को भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) की स्थापना की गई थी जिसके मुख्य कार्यकलाप में विदेश व्यापार संबंधी अनुसंधान और प्रशिक्षण पर बल देना शामिल था। प्रारंभ से ही संस्थान में बड़े परिवर्तन हुए और पिछले वर्षों के दौरान इसकी शैक्षिक गतिविधियों के क्षेत्र और आयाम का विस्तार हुआ है जिसके अंतर्गत अब अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय का पूरा क्षेत्र शामिल है। आज 56वें वर्ष में संस्थान को इसके ज्ञान और संसाधन आधार, समृद्ध विरासत तथा देश और विदेश में एक मजबूत अल्युमनी नेटवर्क के लिए जाना जाता है।

आईआईएफटी जैसा कोई संगठन अपने अंदर से विकास करता है परंतु केवल अपने परिवेश से दृढ़ समर्थन प्राप्त करने के उपरांत। आस–पास की प्रणाली द्वारा दी गई अधिकाधिक कठिन चुनौतियों तथा उभरती कठिनाइयों का सामना करने के लिए और अधिक प्रयास किए गए हैं। विदेश व्यापार क्षेत्र की विकासशील विशेषता सदैव सतत् रूप से नए अवसर और चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है जिसे संस्थान अपने ही ढंग से अपने कार्यकलापों के क्षेत्र का पुनः सीमांकन करके दूर करने का प्रयास करता है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार में शिक्षा, अनुसंधान एवं सहयोग को प्रोत्साहित करने और उसमें वृद्धि करने के लिए, आईआईएफटी में इस समय निम्नलिखित विभाग और केंद्र हैं:–

(1) कार्यपालक प्रबंधन कार्यक्रम (ईएमपी) विभाग

(2) प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) विभाग

(3) अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं क्षमता विकास (आईसीसीडी) विभाग

(4) प्रबंधन में स्नातक अध्ययन (जीएसएम) विभाग

(5) आर्थिक विभाग

(6) अनुसंधान विभाग

(7) व्यापार सरलीकरण एवं लॉजिस्टिक्स केंद्र (सीटीएफएल)

(8) पूर्व छात्र कार्य विभाग

(9) प्रकाशन विभाग

कार्यपालक प्रबंधन कार्यक्रम विभाग (ईएमपीडी)

अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित मुद्दों और व्यापार नीति पर इसके निहितार्थ के बारे में व्यापक समझ विकसित करने के लिए सरकारी अधिकारियों, राजनयिकों, उद्यमियों, निर्यातकों, कॉर्पोरेट क्षेत्र और सिविल सोसायटी के सदस्यों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कार्यपालक प्रबंधन कार्यक्रम विभाग (ईएमपीडी) की स्थापना की गई है। ईएमपीडी विभिन्न देशों विशेष रूप से विकासशील देशों के लिए रुचि रखने वाले कई समकालीन व्यापार और आर्थिक मुद्दों पर विचार, राय, विश्लेषण उत्पन्न करने के लिए डिजाइन किए गए कार्यक्रमों की शुरुआत करता है।

इस विभाग द्वारा चलाए जा रहे कार्यकारी डिप्लोमा कार्यक्रमों की मुख्य–मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

- हर महीने के तीन सप्ताहांत पर कक्षाओं के साथ 15 महीने की कोर्स अवधि
- प्रत्येक सेमेस्टर की शुरुआत में संपर्क सप्ताह
- आगामी क्षेत्रों यथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर ध्यान केंद्रित करना
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार, अंतरराष्ट्रीय व्यापार विपणन और अंतरराष्ट्रीय व्यापार वित्त में से चयन के लिए विशेषज्ञता का अवसर
- संरचित अनुसंधान परियोजना के माध्यम से अनुसंधान पद्धति की जानकारी प्रदान करना ऑनलाइन शोध डेटाबेस और पठन सामग्री की व्यापक उपलब्धता
- पूरी दुनिया में उच्च पदस्थ पूर्व छात्रों के साथ नेटवर्किंग का अवसर

प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) विभाग

संस्थान का प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) विभाग अंतरराष्ट्रीय व्यापार, अंतरराष्ट्रीय विपणन, वित्त, निर्यात–आयात प्रबंधन, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, रणनीतिक प्रबंधन, मानव संसाधन, सूचना प्रौद्योगिकी, विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) का क्षमता निर्माण, डेटा एनालिटिक्स, ट्रेड एनालिटिक्स आदि के क्षेत्र में सरकारी/पीएसयू, कॉर्पोरेट और निजी क्षेत्र के अधिकारियों/ कार्यपालकों के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। यह विभाग भारतीय प्रशासनिक सेवा तथा अन्य अखिल भारतीय सेवा सहित भारत सरकार के विभिन्न अधिकारियों के लिए विभिन्न सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन करता है।

आईआईएफटी, भारतीय व्यापार सेवा परिवीक्षार्थियों के लिए 9 माह का आवासीय आधार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एक नोडल संस्थान है। इसके अतिरिक्त, संस्थान भारतीय राजस्व सेवा, भारतीय विदेश सेवा, भारतीय आर्थिक सेवा, भारतीय सांख्यिकीय सेवा आदि के अधिकारी प्रशिक्षार्थियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार की पहल के तहत, आईआईएफटी देश भर के रोजगार कार्यालय अधिकारियों को लगातार विशेष प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। वर्ष 2018–19 के दौरान, ऐसे 9 क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई थी और कुल 226 रोजगार कार्यालय अधिकारियों को नौकरी चाहने वालों के लिए सही कैरियर मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से प्रशिक्षित किया गया था। ये कार्यक्रम आईआईएफटी द्वारा एनआईसीएस नोएडा

(श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक संस्थान) में आयोजित किए गए थे।

संस्थान डीजीएफटी, भारत सरकार की निर्यात बंधु योजना के अंतर्गत देश भर के निर्यातकों एवं उद्यमियों के लिए ''निर्यात–आयात व्यवसाय'' पर ऑनलाइन प्रमाण–पत्र कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित कर रहा है। अभी तक, 1200 से अधिक निर्यातकों एवं उद्यमियों को इस योजना के तहत प्रशिक्षित किया जा चुका है। हाल में, डीजीएफटी की पहल पर, आईआईएफटी ने मूक (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स) प्लेटफार्म के माध्यम से निर्यात बंधु कार्यक्रमों को शुरू किया है। इस कार्यक्रम में ऑनलाइन मोड के माध्यम से कोई भी कहीं से भी भाग ले सकता है।

इसके अतिरिक्त, विभाग हाइब्रिड/ऑनलाइन/ऑन–कैंपस मोड के माध्यम से निम्नलिखित दीर्घावधि कार्यक्रमों का भी आयोजन करता है:–

1. अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय एवं वित्त में स्नातकोत्तर प्रमाण–पत्र कार्यक्रम
2. हाइब्रिड के माध्यम से निर्यात एवं आयात प्रबंधन में प्रमाण–पत्र कार्यक्रम
3. अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय रणनीति में कार्यपालक विकास कार्यक्रम
4. वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में कार्यपालक विकास कार्यक्रम
5. वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम–सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए डीजीआर के माध्यम से

अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं क्षमता विकास (आईसीसीडी) विभाग

आईआईएफटी का अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं क्षमता विकास (आईसीसीडी) विभाग देशज और अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ शैक्षिक गठबंधन कायम करके संस्थान में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे कि संयुक्त प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम आयोजित किए जा सकें। इन संस्थानों के साथ छात्र व संकाय आदान–प्रदान शैक्षिक सहयोग का एक अभिन्न अंग है। संस्थान, विख्यात देशज और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों की सदस्यता प्राप्त करके शैक्षिक सहयोग को और मजबूत बनाता है। विभाग राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सम्मेलनों में संकाय की भागीदारी को भी सुविधाजनक बनाता है।

प्रबंधन में स्नातक अध्ययन (जीएसएम) विभाग

संस्थान का प्रबंधन में स्नातक अध्ययन (जीएसएम) विभाग पूर्णकालिक एवं दीर्घावधि कार्यक्रमों के लिए नोडल विभाग है। विभाग प्रशासनिक और शैक्षिक सहायता प्रदान करने के अतिरिक्त, संस्थान के सप्ताहांत एमबीए और प्रमाणपत्र कार्यक्रमों में प्रवेश की कार्यवाही करता है। यह विभाग की जिम्मेदारी है कि सभी स्टेकहोल्डर्स अर्थात संकाय, छात्रों और अन्य सभी संबंधितों के साथ समन्वय में कार्यक्रमों का सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित करे।

संस्थान ने अपने प्रमुख कार्यक्रम एमबीए (आईबी) 2020–22, में प्रवेश के लिए आवेदनपत्र आमंत्रित किए। दिल्ली और कोलकाता परिसर में 511 स्थानों के लिए लगभग 40,000 आवेदनपत्र प्राप्त हुए थे। 41 शहरों में एक सामान्य परीक्षा आयोजित की गई। संस्थान के अन्य कार्यक्रमों को भी कॉर्पोरेट और सरकारी क्षेत्रों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

आर्थिक विभाग

आईआईएफटी ने अर्थशास्त्र में उन्नत ज्ञान प्रदान करने के लिए अर्थशास्त्र में एम.ए. कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम के विशिष्ट उद्देश्य निम्न प्रकार हैं :–

- अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्तीय लेन–देन में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल कॉर्पोरेट क्षेत्र में व्यापार मुद्दों पर उत्कृष्ट व्यापार नीति–निर्माता और प्रमुख रणनीतिकार बनाने के लिए छात्रों को तैयार करना।
- छात्रों को उपकरणों के एक सेट के साथ लैस करना, जो उन्हें वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने में मदद करेगा।
- छात्रों को अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र और वित्त में विशेषज्ञ ज्ञान के साथ पूर्णकालिक शिक्षाविद बनने के लिए तैयार करना।

दूसरे बैच (2019–21) का उद्घाटन 22 जुलाई 2019 को किया गया, जिसमें दिल्ली में 30 छात्र और कोलकाता में 35 छात्र शामिल हुए।

कुल विषयों की संख्या और क्रेडिट सिस्टम

प्रत्येक सेमेस्टर में चार विषय होते हैं। सेमेस्टर 1 और 2 के सभी विषय अनिवार्य हैं। सेमेस्टर 3 और 4 प्रत्येक में एक अनिवार्य पाठ्यक्रम है। छात्रों को सेमेस्टर 3 और 4 में फैले 6 वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के लिए चयन करने की आवश्यकता है। वैकल्पिक पाठ्यक्रम अधिकतर अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र और वित्त के क्षेत्रों से होंगे। आईआईएफटी यह तय करेगा कि कौन से वैकल्पिक विषय एक साल में पेश किए जाएंगे।

- प्रत्येक पाठ्यक्रम में 5 क्रेडिट हैं; 45 घंटे का शिक्षण; 25 घंटे ट्यूटोरियल और संकाय बातचीत के लिए।
- प्रत्येक पाठ्यक्रम का शिक्षण 15 सप्ताह के लिए किया जाता है जो 4.5 से 5 महीने में फैला होता है।
- प्रत्येक छात्र को एक शोध प्रबंध करना होता है जिसके 10 क्रेडिट होते हैं। पर्यवेक्षक के आवंटन के साथ सेमेस्टर 3 के दौरान शोध विषय पर निर्णय लिया जाएगा।
- चौथे सेमेस्टर के दौरान अंतिम अवधि की परीक्षा शुरू होने से पहले छात्र को शोध कार्य पूरा करना होगा। आईआईएफटी द्वारा तय की गई समय–सीमा तक हार्डबाउंड रिपोर्ट को प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है।

संगोष्ठियों/कार्यशालाओं की सूची

अतिथि संकाय	गतिविधि	विभाग / पदनाम	विश्वविद्यालय / संस्थान
काजल लहरी	अतिथि व्याख्यन	प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग	यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया, लॉस एंजिल्स, यूएसए
सुभायु बंदोपाध्याय	कार्यशाला	अनुसंधान अधिकारी	फेडरल रिजर्व बैंक, सेंट लुइस, यूएसए
सिद्धार्थ चट्टोपाध्याय	संगोष्ठी	सहायक प्रोफेसर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर, भारत
अर्ये एल. हिलमैन	संगोष्ठी	प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग	बार–लान विश्वविद्यालय, इजराइल
ज्योत्सना जालान	संगोष्ठी	प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग	सेंटर फोर स्टडीज इन सोशल साइंसेस ;सीएसएसएसद्धए भारत
बी. रवि कुमार	संगोष्ठी	वरिष्ठ उपाध्यक्ष, और अनुसंधान निदेशक	फेडरल रिजर्व बैंक, सेंट लुइस, यूएसए
काजल लहरी	संगोष्ठी	प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग	द स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू यॉर्क (एसयूएनवाई), यूएसए
सौगाता पोद्दार	संगोष्ठी	एसोसिएट प्रोफेसर, बिजनेस स्कूल	चैपमैन विश्वविद्यालय, कैलिफोर्निया, यूएसए
अजितवा रे चौधुरी	कार्यशाला	प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग	जाधवपुर विश्वविद्यालय, भारत
अनूप सिन्हा	कार्यशाला	निदेशक	हैरिटेज बिजनेस स्कूल, भारत
हेनरिक उर्सप्रुंग	संगोष्ठी	प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग	यूनिवर्सिटैट कोंस्टन्ज, जर्मनी
ज्योतिर्मय भट्टाचार्य	संगोष्ठी	एसोसिएट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग	अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली
सुजॉय चक्रवर्ती	संगोष्ठी	प्रोफेसर, आर्थिक अध्ययन केंद्र और योजना	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, भारत

अर्थशास्त्र में अनुसंधान

अनुसंधान का संस्थान के विकास में अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्थान है क्योंकि यह ज्ञान के सृजन और प्रशिक्षण के बीच एक मजबूत सेतु प्रदान करता है। इसने अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय परिदृश्य का विश्लेषण करने और उपयुक्त कॉर्पोरेट कार्यनीतियां विकसित करने के लिए पर्याप्त परामर्श क्षमता विकसित की है। संस्थान, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों प्रकार की परियोजनाओं के लिए सफलतापूर्वक बोली लगाता है। यह विभाग समय–समय पर समकालीन विषयों पर महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करता रहता है, जो बहुपक्षीय निकायों, सरकारी क्षेत्र एवं प्रसिद्ध शैक्षिक संस्थानों के प्रख्यात संसाधन व्यक्तियों को एक मंच पर लाते हैं।

क) पूरे किए गए शोध अध्ययन

वर्ष 2019–20 के दौरान निम्नलिखित शोध अध्ययन पूरे किए गए:

- **भारतीय फुटवियर, चमड़ा और सहायक सामग्री विकास कार्यक्रम (आईएफएलएडीपी) के मूल्यांकन पर अध्ययन**

  इस अध्ययन का उद्देश्य वर्ष 2017 में तीन वर्षों के लिए डीपीआईआईटी द्वारा शुरू की गई आईएफएलएडीपी योजना का मूल्यांकन करना है। इस योजना की सात उप–योजनाएं हैं, मूल्यांकन का दृष्टिकोण फर्मों के प्रदर्शन और उत्पादकता में सुधार, बाजार में पैठ, नई नौकरियों के सृजन और सामाजिक सुरक्षा लाभों के संदर्भ में कर्मचारियों की संबद्धता के संबंध में उप–योजनाओं का मूल्यांकन करना है। इस अध्ययन में भारतीय चमड़ा उद्योग की संरचना और कैसे आईएफएलएडीपी ने चमड़ा उद्योग का समर्थन किया है, की पड़ताल की गई है। प्रत्येक उप–योजना के लिए सर्वेक्षण प्रश्नावली तैयार की, कारखानों का दौरा किया और प्रत्येक उप–योजना की स्थिति को समझने के लिए हितधारकों की बैठकें आयोजित कीं। आरईईआईएस ढांचे और एसडब्ल्यूओटी विश्लेषण का उपयोग करके प्रत्येक उप–योजना का सख्ती से मूल्यांकन किया गया था। अध्ययन में उन क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया है, जिन्हें जारी रखने के लिए योजना से लाभ को अधिकतम करने के लिए प्रत्येक उप–योजना में सुधार करने की आवश्यकता है।

- **भारत–यूके व्यापार और निवेश की संभावनाएं: पीडब्ल्यूसी और डीएफआईडी (यूके) द्वारा प्रायोजित अवसरों और चुनौतियों का एक आकलन**

  अध्ययन भारत और यूके के बीच असंतुष्ट उत्पाद एवं सेवा स्तर पर और साथ ही साथ जीवीसीज में उनकी भूमिका को समझने के लिए भागों, घटकों तथा सामान में व्यापार पर विशेष जोर देने के साथ–साथ समग्र स्तर पर व्यापार का विश्लेषण करता है। दुनिया से भारत और ब्रिटेन के आयात रुझानों का विस्तृत विश्लेषण विभिन्न उत्पादों और सेवाओं में किया गया है। उन संभावित उत्पादों और सेवाओं की पहचान की गई है जिन्हें भारत ब्रिटेन को निर्यात कर सकता है और ब्रिटेन भारत को निर्यात कर सकता है। यह अध्ययन भारत और यूके के बीच एफडीआई रुझानों की जांच करता है और दोनों देशों के लिए संभावित अवसरों की पहचान करता है। यह मौजूदा बाजार पहुंच मुद्दों की भी जांच करता है, जिनका व्यापार नीतियों, निवेश और अन्य सरकारी नीतियों के मामले में भारत यूके में और यूके भारत में सामना करते हैं। अध्ययन में भारत तथा ब्रिटेन के व्यापार और निवेश क्षेत्र के लिए सिफारिशें विकसित करने की कोशिश की गई है। साथ ही, विनिर्माण, सेवाओं, व्यापार, निवेश और नवाचार नीतियों के एकीकरण की आवश्यकता की सरकार के मेक–इन–इंडिया कार्यक्रम के अनुसार जांच की जाती है।

- **पीडब्ल्यूसी और डीएफआईडी (यूके) द्वारा प्रायोजित भारत के निर्यात के लिए श्रम–गहन विनिर्माण क्षेत्र और रोजगार के रोजगार निदान**

  इस अध्ययन का उद्देश्य अर्थव्यवस्था में रोजगार सृजन के लिए योगदान करते हुए, अपने निर्यात प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए नीतिगत उपायों की पहचान करने के उद्देश्य से भारत के श्रम–प्रधान व्यापारयोग्य विनिर्माण क्षेत्र (संगठित और असंगठित) के रोजगार निदान का कार्य करना था। मैक्रो–स्तर पर, अंतर–देश की तुलना 1990 के दशक के बाद के विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के व्यवहार के लिए की जाती है। अध्ययन में भारत के प्रमुख व्यापार योग्य क्षेत्रों में रोजगार के उदारीकरण के बाद के रुझानों का विश्लेषण किया गया। अध्ययन ने द्वितीयक और क्षेत्र डेटा का उपयोग करते हुए, भारत के परंपरागत श्रम–प्रधान निर्यातों और किसी फर्म/उद्योग को वास्तविक मजदूरी के बराबर होने से रोकने वाली श्रम बाजार की कठोरता के सामने बढ़ती प्रतिस्पध र्ा के प्रभाव की जांच की। इस अध्ययन ने नौकरी के विकास, रोजगार संरचना उत्पादकता वृद्धि, पूंजी–श्रम अनुपात में वृद्धि और निर्यात वृद्धि के बीच जटिल संबंधों को समझने के लिए एक अर्थमितीय मॉडल विकसित किया। इस अध्ययन की सिफारिश ने सरकार को श्रम–अधिशेष भारतीय अर्थव्यवस्था में रोजगार सृजन के साथ–साथ निर्यात में सतत् विकास का समर्थन करने के लिए निर्यातोन्मुख क्षेत्रों में प्रोत्साहन, कौशल विकास रणनीतियों और प्रौद्योगिकी उन्नयन नीति डिजाइन करने में सरकार की मदद करने का प्रयास किया।

- **वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा प्रायोजित भारत के सेवा व्यापार प्रतिबंध सूचकांक (एसटीआरआई) के विकास पर अध्ययन**

  अध्ययन का उद्देश्य ओईसीडी एसटीआरआई पद्धति, बाइनरी स्कोरिंग और 5 पॉलिसी क्षेत्रों के लिए समान भार का उपयोग करके एसटीआरआई को फिर से तैयार करना है, लेकिन कवरेज बढ़ाने के लिए नए विनियमों और उन देशों तथा क्षेत्रों को कवर करने वाले वैकल्पिक सूचकांक को विकसित करना जो सेवाओं के व्यापार उपायों के संदर्भ में महत्वपूर्ण हैं, उसके साथ–साथ अतिरिक्त क्षेत्रों के साथ विनियमों, निरंतर स्कोरिंग की संभावना तलाशना और विभिन्न नीतिगत उपायों के लिए अलग–अलग भार प्रदान करना शामिल है।

ख. अनुसंधान अध्ययन प्रगति पर

उपरोक्त के अलावा, वर्ष 2019–20 के दौरान निम्नलिखित अनुसंधान परियोजनाएं प्रगति पर थीं:

1. भारत के निर्यात विकास में एमएसएमईज का योगदान और नए बाजारों के विस्तार में उनके द्वारा सामना की जा रही पर चुनौतियों पर अध्ययन
2. डीपीआईआईटी के निवेश प्रोत्साहन के लिए योजना के मूल्यांकन पर अध्ययन
3. भारत से मसालों का निर्यात बढ़ाने और मसालों के मूल्य वर्धित उत्पादों के लिए निर्यात रणनीति योजना
4. प्रौद्योगिकी और व्यापार के बीच संबंधों पर खोजपूर्ण अध्ययन

5. भारतीय एल्युमीनियम उद्योग में आयात शुल्क और संरक्षण की प्रभावी दर की स्थिति का आकलन करने पर अध्ययन

पीएच.डी. कार्यक्रम (अर्थशास्त्र)

आईआईएफटी में अर्थशास्त्र में पीएच.डी. (पूर्णकालिक) पांच वर्षीय कार्यक्रम भारतीय और विदेशी विश्वविद्यालयों/संस्थानों में उपलब्ध सबसे पसंदीदा शोध डिग्री कार्यक्रमों में से एक है। इस पीएच.डी. कार्यक्रम के प्राथमिक उद्देश्यों में से एक छात्रों को अपने चुने हुए क्षेत्र में अनुसंधान और गहन विश्लेषण और ज्ञान को समृद्ध करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसमें वैज्ञानिक अनुसंधान के तरीकों को स्वतंत्र रूप से लागू करने के साथ–साथ नए वैज्ञानिक ज्ञान के सृजन की क्षमता भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे शोध निष्कर्षों का गंभीर रूप से विश्लेषण करने और व्यापक संदर्भों में उनके महत्व को समझने तथा प्रभावी ढंग से शोध परिणामों को संप्रेषित एवं प्रसारित करने की क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। यह आशा है कि आईआईएफटी के पीएच.डी. छात्र अपने संबंधित क्षेत्रों में मूल योगदान करेंगे जो कि ज्ञान सीमा का विस्तार करने में मदद करता है। यह बहुत खुशी की बात है कि आईआईएफटी के कई पीएच.डी. छात्र, प्रतिष्ठित रेफरी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं और अन्य मंचों में नियमित रूप से प्रकाशित कर रहे हैं।

अब तक, आईआईएफटी ने अपने सफल छात्रों को सभी विधाओं में 44 डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की हैं और उनमें से कुछ शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों, सरकारी विभागों और प्रमुख कॉर्पोरेट समूहों में उच्च पदों पर आसीन हैं।

पीएच.डी. कार्यक्रम (अर्थशास्त्र) 2019 पूर्णकालिक का उद्घाटन 22 जुलाई 2019 को हुआ था। कार्यक्रम में कुल 10 छात्रों (दिल्ली – 07 और कोलकाता – 03) ने प्रवेश लिया है। पाठ्यक्रम–कार्य शिक्षण प्रगति पर है।

अनुसंधान विभाग

अनुसंधान का संस्थान के विकास में अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्थान है क्योंकि यह ज्ञान के सृजन और प्रशिक्षण के बीच एक मजबूत सेतु प्रदान करता है। इसने अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय परिदृश्य का विश्लेषण करने और उपयुक्त कॉर्पोरेट कार्यनीतियां विकसित करने के लिए पर्याप्त परामर्श क्षमता विकसित की है। संस्थान, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों प्रकार की परियोजनाओं के लिए सफलतापूर्वक बोली लगाता है। अनुसंधान विभाग समय–समय पर समकालीन विषयों पर महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करता रहता है, जो बहुपक्षीय निकायों, सरकारी क्षेत्र एवं प्रसिद्ध शैक्षिक संस्थानों के प्रख्यात संसाधन व्यक्तियों को एक मंच पर लाते हैं। विभाग द्वारा चलाए जाने वाले पीएच.डी. कार्यक्रम की अत्यंत सराहना की गई है।

व्यापार सरलीकरण और लॉजिस्टिक्स (सीटीएफएल) केंद्र

सेंटर फॉर ट्रेड फैसिलिटेशन एंड लॉजिस्टिक्स (सीटीएफएल) की उपलब्धि की संक्षिप्त झलक इस प्रकार है:

- सेंटर फॉर ट्रेड फैसिलिटेशन एंड लॉजिस्टिक्स की स्थापना (सीटीएफएल) वर्ष 2018 में लॉजिस्टिक्स डिवीजन, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आईआईएफटी परिसर में की गई थी। केंद्र का उद्देश्य अनुसंधान और विश्लेषणात्मक सहायता और सरकार/निर्यातकों/उद्योग/नीति निकायों को आपूर्ति श्रृंखला/लॉजिस्टिक्स संबंधी मुद्दों पर संबद्ध सामग्री प्रदान करना है।
- सीटीएफएल को 09 विभिन्न क्षेत्रों/परिषदों के साथ काम करने और उनका लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन मापने (एलपीआई–एस) और समझने के लिए एक जनादेश दिया गया है। इन 09 प्रमुख क्षेत्रों में चमड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, समुद्री, परिधान, कृषि, रत्न और आभूषण, रसायन, इंजीनियरिंग सामान और फार्मास्यूटिकल्स शामिल हैं। एलपीआई–एस किसी देश के सेक्टर–विशिष्ट लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन निष्पादन सूचकांक का प्रतिनिधित्व करने वाला दुनिया का सर्वप्रथम दृष्टिकोण होगा।
- आईआईएफटी, नई दिल्ली में 30 अप्रैल 2019 को एक गोलमेज बैठक आयोजित की गई जिसमें शिक्षाविदों और लॉजिस्टिक्स विशेषज्ञों के साथ इन क्षेत्रों के प्रमुखों/प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया। गोलमेज बैठक की अध्यक्षता श्री एन. शिवसैलम, विशेष सचिव, लॉजिस्टिक्स डिवीजन, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय तथा प्रो. मनोज पंत, प्रमुख सीटीएफएल और निदेशक आईआईएफटी ने की। गोलमेज बैठक में विभिन्न क्षेत्रों/परिषदों और बाह्य विशेषज्ञ पैनल के सदस्यों ने भी भाग लिया।
- आईआईएफटी ने परिषद प्रमुखों/सदस्यों की सहायता से, सेक्टर–विशिष्ट लॉजिस्टिक मुद्दों और संभावित समाधानों की पहचान करने के लिए 30 से अधिक कार्यशालाएं भी आयोजित की हैं। ये कार्यशालाएं देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित की गई हैं।
- बैठक के दौरान विचार–विमर्श और अंतिम रूप दिए गए तौर–तरीकों के एक हिस्से के रूप में, सभी सेक्टर प्रमुखों/प्रतिनिधियों को सेक्टर विशिष्ट लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक (एलपीआई–एस) के विकास के लिए सीटीएफएल के साथ काम करने की उनकी इच्छा चाहने के लिए एमओयू भेजे गए थे। सीटीएफएल ने परिषदों के साथ समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं।
- सीटीएफएल ने लॉजिस्टिक्स डिवीजन, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के साथ एक लॉजिस्टिक कॉन्क्लेव और सम्मेलन का आयोजन 19 – 20 नवंबर 2019 को किया, जिसकी अध्यक्षता श्री एन. शिवशैलम, विशेष सचिव, लॉजिस्टिक्स डिवीजन, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार ने की। आठ निर्यात संवर्धन परिषदों और 35 निर्यातकों के चुनिंदा प्रतिनिधियों ने कॉन्क्लेव में भाग लिया और लॉजिस्टिक्स के मुद्दों, चुनौतियों तथा सरकार से लॉजिस्टिक्स प्रतिस्पर्धा हासिल करने के लिए समर्थन पर अपने विचार व्यक्त किए। इस आयोजन में देश के विभिन्न हिस्सों के 45 से अधिक छात्रों की शोध कार्य प्रस्तुति भी देखी गई।
- निष्कर्षों/चर्चाओं के प्रारंभिक समूह पर संयुक्त रूप से चर्चा की

जाएगी और नवंबर 2019 में आयोजित होने वाले कॉन्क्लेव के माध्यम से लॉजिस्टिक्स डिवीजन को प्रस्तुत किया जाएगा।

- वर्तमान में, हम रिपोर्ट–लेखन के अंतिम चरण में हैं और इसे जून 2020 में प्रस्तुत किया जाना है।
- हमें आशा है कि यह प्रस्तावित क्षेत्र विशिष्ट कॉन्क्लेव तथा सम्मेलन संबंधित हितधारकों को एक मंच पर लाएगा और लॉजिस्टिक्स प्रतिस्पर्धा में सुधार के लिए उत्प्रेरक एवं प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में कार्य करेगा और सेक्टर विशिष्ट लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक (एलपीआई–एस) को लॉन्च करने की दिशा में यह एक सकारात्मक कदम होगा।
- आईआईएफटी भी उन उद्योग निकायों और शैक्षणिक संस्थानों तक सक्रिय रूप से पहुंच बना रहा है, जिनमें संभव सहयोगों और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए आपूर्ति श्रृंखला एवं लॉजिस्टिक्स में उत्कृष्टता केंद्र है।

पूर्व छात्र कार्य विभाग

संस्थान के पूर्व छात्रों के नेटवर्क से वर्तमान बैच के छात्रों को वास्तविक जीवन का लाभ मिलता है। पूर्व छात्र कॅरियर में मदद करते हैं और साथ ही वर्तमान छात्रों की प्लेसमेंट में सहायता करने के लिए अपने बहुमूल्य समय का योगदान देते हैं। यह छात्रों के अनुभव को बढ़ाता है और उन्हें अपने संबंधित संगठनों में स्थान प्राप्त करने हेतु आज के कठिन व्यावसायिक परिदृश्य में आगे रहने के लिए प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करता है।

पूर्व छात्र कार्य विभाग प्रत्येक वर्ष चैप्टर मीट का आयोजन करता है जो नियमित आधार पर पूर्व छात्रों से बातचीत सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमारे पूर्व छात्र विभिन्न उद्योगों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं और चैप्टर मीट (6 राष्ट्रीय और 2 अंतरराष्ट्रीय) उन्हें फिर से संस्थान के साथ जोड़ने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करते हैं। इस वर्ष की कोलकाता चैप्टर मीट बहुत महत्वपूर्ण थी क्योंकि पहली बार कोलकाता में 6 जुलाई 2019 को कार्यकारी परिषद मीट एवं रीजनल चैप्टर मीट आयोजित की गई थी और यह एक बहुत बड़ी सफलता थी। इस वर्ष भी, सिंगापुर में चैप्टर मीट के साथ एक अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन सिंगापुर मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी में चर्चा की थीम "इमर्जिंग ग्लोबल ट्रेड–ऑर्डर या डिसऑर्डर" के साथ किया गया। इसमें राजदूत गोपीनाथ पिल्लई, विदेश मंत्रालय (सिंगापुर सरकार), श्री के.वी. राव, रेजिडेंट डायरेक्टर, टाटा संस, श्री फ्रेडरिक फ्रॉथ, एमडी – एपीएसी (एक्सेल. चाइना), कॉफको इंटरनेशनल आदि जैसे प्रमुख वक्ता शामिल हुए।

ग्रांड एलुमनी रीयूनियन (गार) का आयोजन 17 नवंबर 2019 को आईआईएफटी दिल्ली कैंपस में किया गया और इसमें विश्व के विभिन्न हिस्सों से आने वाले पूर्व छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया गया। ग्रैंड एलुमनी डे पर आयोजित वार्षिक सामान्य बैठक के दौरान 'गार–एलुमिनाटी' का विशेष संस्करण भी लॉन्च किया गया। यह दिन पूर्व छात्रों के दिलों के करीब है क्योंकि यह आईआईएफटी में उनके समय की एक स्मृति है।

पूर्व छात्र कार्य विभाग ने पिछले डेढ वर्षों से संस्थान के सम्मानित 'संकाय सदस्यों और 'एलुमनी' की सहायता से एलुमनी मेंटरशिप प्रोग्राम, कॉरपोरेट मेंटरशिप प्रोग्राम, स्टूडेंट मेंटरशिप प्रोग्राम जैसे कई सफल पहलें की हैं। हमारे सम्मानित पूर्व छात्र श्री जगदीश गोयल (वर्ष 1977 के बैच से एलुमनस, चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, अलनेट सोलर) की मदद से पिछले वर्ष से 'सर्वश्रेष्ठ महिला छात्र' के लिए ₹5 लाख की कोष निधि के साथ एक नया छात्रवृत्ति पुरस्कार 'ज्योतिबा फुले गोल्ड मेडल' शुरू किया गया है।

पूर्व छात्र कार्य विभाग ने ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड के माध्यम से आईआईएफटी के माल की बिक्री शुरू की है और पूर्व छात्रों तक पहुंच बढ़ाने और बातचीत सुनिश्चित करने के लिए नए अलुमनी पोर्टल से कार्य शुरू कर दिया है। नई वेबसाइट इंटीग्रेटेड पेमेंट गेटवे, एलुमनी इंट्रोडक्शन, एलुमनी डिस्कशन, क्वोरा क्वेश्चनिंग एंड आंसरिंग और एलुमनी आर्टिकल/ओपिनियन/व्यूपॉइंट शेयरिंग आदि जैसी सुविधाओं के साथ सुसज्जित है।

सोशल मीडिया के साथ बेहतर संबंध स्थापित करने के लिए, मंडे मेमोरी वाल अर्थात 'आईआईएफटी के पूर्व छात्रों की कैंपस में अपने समय की यादों पर हर सोमवार को एक पोस्ट' और आईआईएफटी की समृद्ध विरासत के बारे में थर्सडे ट्रिविया अर्थात 'डिड–यू–नो फैक्ट्स' जैसी पहलें हर हफ्ते कई सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर पोस्ट की जाती हैं। कोलकाता कैंपस में एक पूर्व छात्र कक्ष 'हॉल ऑफ फेम' भी निर्मित किया गया है।

संस्थान के पूर्व छात्र कॉर्पोरेट, सार्वजनिक क्षेत्र, मीडिया, खेल और शिक्षा के क्षेत्र में शीर्ष पदों पर कार्यरत हैं। हाल ही में, हमारे सम्मानित पूर्व छात्र श्री राजीव बंसल (ईएमआईबी बैच – 2008) को फरवरी 2020 में एयर इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। प्रत्येक वर्ष संस्थान एक ऐसे पूर्व छात्र/छात्रा को प्रतिष्ठित 'एलुमनस ऑफ द ईयर' पुरस्कार से सम्मानित करता है जो अपने कॅरियर में बेहद सफल रहा/रही है। वर्ष 2005 में इस पुरस्कार की शुरुआत के बाद से, इस से उद्योग के दिग्गजों यथा के.वी. राव (रेजिडेंट डायरेक्टर आसियान, टाटा पावर), सिराज चौधरी (चेयरमैन कारगिल इंडिया), मोहित मल्होत्रा (सीईओ डॉबर इंटरनेशनल), कौस्तुभ वाडेकर (मुख्य खरीद अधिकारी, सिंगटेल) और श्री मिलंद पंत (ग्लोबल सीईओ, एमवे) आदि को पुरस्कृत किया गया। इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, पूर्व छात्र कार्य विभाग ने इस पुरस्कार को 2019 में 2 श्रेणियों अर्थात 'एनुमनस ऑफ द ईयर – कॉर्पोरेट श्रेणी' और 'एनुमनस ऑफ द ईयर – आंत्रप्रेन्योर कैटेगरी' में अलग–अलग रखा है। इस वर्ष श्री शंकर गुप्ता (अध्यक्ष और सीओओ, एसीजी वर्ल्डवाइड) ने 'कॉर्पोरेट श्रेणी' और श्री मनु चोपड़ा (निदेशक, पीडीएस इंटरनेशनल लिमिटेड) ने इसे 'आंत्रप्रेन्योर कैटेगरी' के तहत प्राप्त किया है।

संस्थान ने 18 जनवरी 2020 को 1993–1994 पीजीडीआईटी बैच के लिए सिल्वर जुबली रीयूनियन की मेजबानी की। इस दिन की शुरूआत निदेशक (आईआईएफटी दिल्ली और कोलकाता) के साथ पूर्व छात्रों की औपचारिक बातचीत से हुई, इसके बाद आईआईएफटी के परिसर में दोपहर का भोजन आयोजित किया गया। तत्पश्चात, पूर्व

छात्र अपने पुराने हैंग – आउट्स, हॉस्टल कक्षों में पुनः गए और इस प्रकार, एक बार फिर से छात्र बन गए। पूर्व छात्रों ने संस्थान की वर्तमान पूर्व छात्र संबंध समिति के सदस्यों के साथ बातचीत भी की। वर्तमान बैच (नियमित, अंशकालिक, एग्जीक्यूटिव और डीजीआर) के सभी छात्रों के साथ एक इंटरेक्टिव सेशन भी आयोजित किया गया, इसके बाद हाई–टी आयोजित की गई। वर्ष के दौरान, 17 सितंबर, 2019 को बोर्ड

महत्वपूर्ण बैठकें

ऑफ मैनेजमेंट की तीन बैठकें; 24 अप्रैल, 2019 और 19 जुलाई, 2019 को वित्त समिति की दो बैठकें और 14.2.2020 को अकादमिक परिषद की एक बैठक हुई।

आईआईएफटी कोलकाता केंद्र

प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) विभाग

- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम और कपड़ा विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार तथा आईआईएफटी ने औपचारिक रूप से 12.12.2019 को दीघा में आयोजित बंगाल बिजनेस कॉन्क्लेव, 2019 में पश्चिम बंगाल के निर्यात को मजबूत करने की दिशा में विभिन्न गतिविधियों के लिए एक समझौता ज्ञापन का आदान–प्रदान किया। समझौता ज्ञापन का आदान–प्रदान मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में केंद्र प्रमुख, कोलकाता कैंपस और सचिव, एमएसएमई एंड टी, पश्चिम बंगाल सरकार के बीच किया गया। इस संदर्भ में, आईआईएफटी कोलकाता ने पश्चिम बंगाल के उद्यमियों के लिए कई उन्नत स्तर के हैंडहोल्डिंग कार्यक्रम पूरे किए हैं। पश्चिम बंगाल के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक निर्यात प्रोत्साहन सेल और प्रमाणन मैट्रिक्स के आयोजन के प्रस्ताव भी प्रस्तुत किए गए। अपने निर्यात को बढ़ावा देने के लिए पश्चिम बंगाल के चार अलग–अलग समूहों के मूल्य श्रृंखला विश्लेषण के अध्ययन के लिए प्रस्ताव भी प्रस्तुत किए।
- आईआईएफटी कोलकाता ने निर्यात पर कार्यकारी विकास कार्यक्रम के आयोजन के लिए एनआई–एमएसएमई, हैदराबाद के साथ 19.12.2019 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। प्रमुख, कोलकाता कैंपस और महानिदेशक, एनआई–एमएसएमई, हैदराबाद के बीच एमओयू का आदान–प्रदान किया गया। इसने एनआई–एमएसएमई की सहायता से, राष्ट्रीय एससी–एसटी हब के लिए तीन 14–दिवसीय ''अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए स्टार्ट–अप और स्केल अप पर उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी)'' एक साथ आयोजित कर शुरूआत की।
- अनुबंध–1 में आयोजित किए गए प्रबंधन विकास कार्यक्रमों (एमडीपीज) की पूरी सूची दी गई है।
- इंडो–अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स ने इंडो–अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स के हितधारकों के लिए निर्यात संवर्धन पर एमडीपीज आयोजित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए परिसर में विचार–विमर्श किया।

अनुसंधान विभाग

- अनुसंधान विभाग ने परिसर से नीति और अन्य शैक्षणिक अनुसंधान दोनों को मजबूत करने के लिए बहुत सारी गतिविधियां शुरू की हैं। इस विभाग को अपनी गुणवत्ता प्रक्रिया के लिए आईएसओ/आईईएस 27001: 2013 और आईएसओ 9001: 2015 के लिए प्रमाणित किया गया है।
- इस विभाग ने बोर्ड के उद्देश्यों और केआरए के साथ समन्वय में गतिविधियों के सतत् विकास के लिए एक परिप्रेक्ष्य योजना विकसित करने हेतु टी बोर्ड के लिए परामर्श सेवाएं शुरू की हैं।
- अनुसंधान विभाग (प्रबंधन), आईआईएफटी कोलकाता ने 6 दिसंबर 2019 को अपना प्रथम प्रबंधन डॉक्टरल वार्तालाप (एमडीसी) आयोजित किया। यह कार्यक्रम एक्जिम बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित किया गया था।
- भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, कोलकाता कैंपस के अनुसंधान विभाग (प्रबंधन) द्वारा प्रथम संकाय बातचीत कार्यक्रम 2 जनवरी 2020 को आयोजित किया गया था। संयुक्त राज्य अमेरिका से संकाय प्रतिनिधिमंडल के एक दल ने हमारे संकाय के सम्मानित समूह के साथ बातचीत करने के लिए आईआईएफटी कोलकाता परिसर का दौरा किया, यह फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी–सेंटर फॉर इंटरनेशनल बिजनेस एंड रिसर्च द्वारा आयोजित किया गया।

संकाय आउट–रीच गतिविधियाँ:

पूर्वी क्षेत्र में आईआईएफटी की उपस्थिति को संकाय द्वारा विभिन्न आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से प्रभावी बनाया गया है। संकाय ने दी गई अवधि में निम्नलिखित आउटरीच गतिविधियों में भाग लिया:–

- डॉ. रणजॉय भट्टाचार्य को 18 जनवरी 2019 को भारत में मानव विकास पर एक राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी: सतत् प्रतिस्पर्धात्मक लाभ की दिशा में एक सड़क, में पूर्ण सत्र की अध्यक्षता करने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
- डॉ. रणजॉय भट्टाचार्य को आर्थिक और राजनीतिक विभाग, विश्व–भारती द्वारा 'प्राकृतिक संसाधन, पर्यावरण और विकास' पर 19–20 जनवरी 2019 के दौरान आयोजित सम्मेलन में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
- डॉ. गौतम दत्ता और डॉ. दीपांकर सिन्हा ने 'ओएफबी उत्पादों के निर्यात' पर 20 मई 2019 (सोमवार) को आयुध निर्माणी संस्थान, ईशापुर में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- डॉ. आर.पी. शर्मा को एफआईईओ द्वारा 7 से 9 मई 2019 के दौरान अंतरराष्ट्रीय व्यापार में व्यापक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
- डॉ. के. रंगराजन ने सीआईआई में 11 जून 2019 को अंतरराष्ट्रीय व्यापार कार्यबल की प्रथम बैठक में भाग लिया।
- डॉ. गौतम दत्ता को उद्योग और वाणिज्य निदेशालय, नगालैंड, कोहिमा में 27 एवं 28 जून 2019 को निर्यात के विकास पर प्रशिक्षण में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
- डॉ. सैकत बनर्जी को 28 जून 2019 को प्रज्ञना भवन, अगरतला, त्रिपुरा में चतुर्थ सीआईआई त्रिपुरा पाइनएप्पल फेस्टिवल 2019 में 'संसाधन व्यक्ति' के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- डॉ. के. रंगराजन ने इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा 12 जुलाई 2019 को आयोजित एमएसएमई सम्मेलन में ''अंतरराष्ट्रीय बाजार

में एमएसएमई की पहुंच'' पर एक सत्र को संबोधित करने के लिए भाग लिया।

- डॉ. के. रंगराजन और डॉ. भरत चिल्लाकुरी ने 3 सितंबर 2019 को आईओसीएल के उच्च प्रदर्शन करने वाले युवा अधिकारियों के लिए नेतृत्व और निर्णय लेने पर सत्र आयोजित किए।
- डॉ. रणजॉय भट्टाचार्य को 21 अक्टूबर 2019 को ''भारत–बांग्लादेश आर्थिक सहयोग के नए प्रतिमान'' पर आईएससीएस और आईसीसीआर सहयोगी गोल मेज बैठक के लिए एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- डॉ. आर.पी. शर्मा को भारतीय निर्यात संगठन के फेडरेशन द्वारा 4–6 नवंबर 2019 को अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रबंधन कार्यक्रम में एक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया गया था
- डॉ. के. रंगराजन को भारतीय निर्यात संगठन के फेडरेशन द्व ारा 6 जनवरी 2020 को रियल टाइम डिसीजन मेकिंग ऑन इंटरनेशनल ट्रेड पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।
- डॉ. रंगराजन को एफआईईओ, कोलकाता द्वारा 30 अप्रैल 2020 को "पोस्ट कोविड– 19 – भारतीय निर्यातकों के लिए अवसर" पर एक व्याख्यान के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- डॉ. रंगराजन को एसएसआईपी और आई–हब द्वारा 24 अप्रैल 2020 को आयोजित स्टार्टअप साथी वेबिनार श्रृंखला में आपका स्वागत है, में एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

छात्र गतिविधियाँ

विशेष क्षेत्रों पर सह–पाठ्यचर्या कार्यशालाएं यथा क्रेडिट विश्लेषण और रेटिंग, डिजाइन थिंकिंग और सिक्स सिग्मा जो नियमित पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं हैं, आयोजित की गईं। लीडरशिप कॉन्क्लेव, बजट प्लस और अनलीश – ई–सेल स्पीकर श्रृंखलाओं का भी आयोजन किया गया।

आईआईएफटी, कोलकाता कैंपस ने अपना प्रथम प्रमुख आयोजन, टेडेक्स जून 2019 में आयोजित किया, एक सम्मेलन जहां एक व्यापक पहुँच से – विज्ञान से व्यापार से वैश्विक मुद्दों पर विचारों को साझा करने के लिए प्रौद्योगिकी, मनोरंजन और डिजाइन का मिलन होता है जिससे दुनिया भर के समुदायों में विचारों को साझा करने में मदद मिलती है। भारत के 17वें मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) के रूप में कार्यरत रहे श्री एस.वाई. कुरैशी ने कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान प्रेरक वार्ताएँ कीं।

कोलकाता कैंपस के पब्लिक पॉलिसी क्लब ने 17–18 अगस्त 2019 के दौरान मॉडल यूनाइटेड नेशन की मेजबानी की जिसने देश के विभिन्न हिस्सों से 180 से अधिक प्रतिनिधियों को आकर्षित किया। इसमें बांग्लादेश, भूटान और नेपाल जैसे देशों से भी प्रतिनिधि शामिल थे। कुल मिलाकर 6 संयुक्त राष्ट्र की समितियों यथा संयुक्त राष्ट्र महासभा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन, महिलाओं की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र आयोग और अंतरराष्ट्रीय प्रेस का आयोजन किया गया।

कैंपस ने आईआईएफटी कोलकाता के प्रमुख वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन, विवान के अपने 5वें संस्करण का भी आयोजन किया। इसमें 9–11 अगस्त 2019 के दौरान नेतृत्व, वित्त, विपणन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, रणनीति, संचालन, सार्वजनिक नीति और आईटी/विश्लेषिकी के क्षेत्र में पैनल चर्चा शामिल थी।

कार्यकारी परिषद की बैठक और कोलकाता एलुमनी मीट का आयोजन 6 जुलाई, 2019 को किया गया, जो एक शानदार सफलता थी। वर्षों की निरंतरता के बाद, यह पहली बार था जब कोलकाता कैंपस को कोलकाता परिसर में ही ईसी बैठक की मेजबानी करने का अवसर मिला।

अन्य पहलें:

1. असम सरकार के उद्योग और वाणिज्य विभाग के साथ सहयोग में असम के निर्यातकों के लिए एक निर्यात सेल तैयार करने की पहलें कीं।
2. असम सरकार के उद्योग और वाणिज्य विभाग की सहायता से असम के 20 जिलों में निर्यातकों के लिए निर्यात जागरूकता पर 1 दिवसीय कार्यशाला आयोजित करने की पहल की।
3. पश्चिम बंगाल के संभावित निर्यातकों एवं उद्यमियों के लिए प्रमाण न मैट्रिक्स और पश्चिम बंगाल के निर्यातकों के लिए निर्यात क्लीनिक तैयार करने हेतु एमएसएमईएंडटी विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार को प्रस्ताव प्रस्तुत किए।
4. मेघालय के लिए राज्य निर्यात प्रोत्साहन नीति तैयार करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

अनुबंध 1: आईआईएफटी कोलकाता की एमडीपीज की सूची						
अप्रैल 2019–मार्च 2020						
क्र.स.	दिनांक	एमडीपी का नाम	प्रतिभागियों की संख्या	प्रायोजित विभाग	दिनों की संख्या	स्थान
1	19.03.2019	निर्यात जागरूकता और प्रशिक्षण पर एक दिवसीय कार्यशाला	33	एआईआरआईए	1	आईआईएफटी कोलकाता
2	18.03.2019–28.03.2019	अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम	30	डीजीसीआई एंड एस, कोलकाता	10 आधा दिन	डीजीसीआई एंड एस, कोलकाता
3	19.06.2019–20.06.2019	आयात का प्रबंधन करना	30	आरआईएल	2 दिन	आरआईएल, मुम्बई
4	11.06.2019–14.06.2019	क्षेत्रीय अध्ययन और रणनीतिक बंदरगाह प्रबंधन	22	इंडियन पोर्ट एसोसिएशन	4	आईपीए, दिल्ली
5	10.06.2019–14.06.2019	व्यक्तिगत और व्यावसायिक प्रभावशीलता के लिए युक्तियां प्रथम बैच	20	श्रम विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार	5 (आवासीय)	आईआईएफटी कोलकाता
6	17.06.2019–21.06.2019	व्यक्तिगत और व्यावसायिक प्रभावशीलता के लिए युक्तियां द्वितीय बैच	23	श्रम विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार	5 (आवासीय)	आईआईएफटी कोलकाता
7	24.06.2019–28.06.2019	व्यक्तिगत और व्यावसायिक प्रभावशीलता के लिए युक्तियां तृतीय बैच	20	श्रम विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार	5 (आवासीय)	आईआईएफटी कोलकाता
8	01.07.2019–05.07.2019	व्यक्तिगत और व्यावसायिक प्रभावशीलता के लिए युक्तियां चतुर्थ बैच	23	श्रम विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार	5 (आवासीय)	आईआईएफटी कोलकाता
9	08.07.2019–12.07.2019	व्यक्तिगत और व्यावसायिक प्रभावशीलता के लिए युक्तियां पांचवां बैच	23	श्रम विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार	5 (आवासीय)	आईआईएफटी कोलकाता
10	24.07.2019	निर्यात जागरूकता पर कार्यशाला	30	नारियल बोर्ड	1	कोयंबटूर
11	26.07.2019	निर्यात जागरूकता पर कार्यशाला	30	नारियल बोर्ड	1	कोच्चि
12	29.08.2019–30.08.2019	सीबीआईसी के समूह ''ए'' अधिकारियों के लिए एमडीपी	25	एनएसीईएन, कोलकाता	2 (आवासीय)	आईआईएफटी कोलकाता
13	12.09.2019	निर्यात प्रबंधन	19	एचपीसीएल	1	एचपीसीएल, मुम्बई
14	19.09.2019	निर्यात जागरूकता पर कार्यशाला	33	फिक्की	1	आईआईएफटी कोलकाता
15	16.09.2019–20.09.2019	सेवा–उन्मुख नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास – प्रथम बैच	27	श्रम विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार	5 (आवासीय)	आईआईएफटी कोलकाता
16	18.09.2019–20.09.2019	पोर्ट्स का रणनीतिक प्रबंधन करना	23	इंडियन पोर्ट एसोसिएशन	2	आईपीए, दिल्ली
17	23.09.2019–27.09.2019	सेवा–उन्मुख नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास – द्वितीय बैच	30	श्रम विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार	5 (आवासीय)	आईआईएफटी कोलकाता
18	28.09.2019–29.09.2019	भारतीय चाय का निर्यात बढ़ानाः बाजार और बाधाएं	26	चाय बोर्ड भारत	2 (गैर–आवासीय)	आईआईएफटी कोलकाता
19ए	22.10.2019–23.10.2019	आयात का प्रबंधन करना	30	आरआईएल	2 दिन	आरआईएल, जामनगर
20	04.11.2019–08.11.2019	डाटा विज्ञान और इसका शासन में अनुप्रयोग	25	श्रम विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार	5 (आवासीय)	आईआईएफटी कोलकाता

21	26.11.2019–29.11.2019	उद्यमियों के लिए निर्यात पर उन्नत स्तर का हैंडहोल्डिंग कार्यक्रम	25	एमएसएमई एंड टी विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार	4 (आवासीय)	आईआईएफटी कोलकाता
22	16.12.2019–17.12.2019	वैश्विक व्यापार परिदृश्य	12	इंडियन पोर्ट एसोसिएशन	2	आईपीए, दिल्ली
23	15.01.2020–13.03.2020	अरुणाचल प्रदेश में निर्यात प्रक्रियाओं और प्रलेखन पर कार्यशाला– सह–प्रशिक्षण कार्यक्रम		उद्योग और वाणिज्य विभाग, अरुणाचल प्रदेश सरकार	7	
24	05.02.2020–06.02.2020	पश्चिम बंगाल के पहाड़ी जिलों के उद्यमियों के लिए निर्यात जागरूकता कार्यक्रम	30	एमएसएमई एंड टी विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार	2	डीआईसी कलिम्पोंग
25	04.03.20–06.03.20	डीआईसी के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	30	एमएसएमई एंड टी विभाग, पश्चिम बंगाल द्वारा	3	आईआईएफटी कोलकाता
26	17.02.20–06.03.20	पहला 'एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन स्टार्ट–अप एंड स्केल–अप ऑन इंटरनेशनल ट्रेड' पर आयोजित किया	30	एनआई–एमएसएमई, हैदराबाद	7	आईआईएफटी कोलकाता
27	13.03.20	अरुणाचल प्रदेश में 13.03.2020 को सेब और कीवी के लिए निर्यात दस्तावेजीकरण और प्रक्रियाओं पर एक कार्यशाला का आयोजन किया	50	व्यापार और वाणिज्य विभाग, अरुणाचल प्रदेश सरकार	1	व्यापार और वाणिज्य विभाग, अरुणाचल प्रदेश सरकार

उत्तर पूर्वी अध्ययन केंद्र (सीईनेस्ट)

उत्तर पूर्वी अध्ययन केंद्र, सीईनेस्ट ने प्रबंधन विकास कार्यक्रम विभाग के तहत, पूर्वोत्तर परिषद द्वारा यथा प्रायोजित पूर्वोत्तर राज्यों के लिए चार आवासीय कार्यक्रमों का आयोजन किया है। यह केंद्र लद्दाख तथा जम्मू–कश्मीर सहित पूर्वोत्तर राज्यों के लिए और अधिक कार्यक्रम आयोजित करेगा। पूर्वोत्तर राज्यों के लिए सीईनेस्ट के तहत आयोजित कार्यक्रमों और आगामी कार्यक्रमों का विवरण निम्नानुसार है:–

प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	दिनांक	एमडीपी का नाम	प्रतिभागियों की संख्या	प्रायोजित विभाग	दिनों की संख्या	स्थान
1	04.02.2019–08.02.2019	उत्तर पूर्वी राज्यों की निर्यात क्षमता और प्रक्रियाएं – प्रथम बैच	18	पूर्वोत्तर परिषद	5 (आवासीय)	आईआईएफटी कोलकाता
3	18.02.2019–22.02.2019	उत्तर पूर्वी राज्यों की निर्यात क्षमता और प्रक्रियाएं – द्वितीय बैच	22	पूर्वोत्तर परिषद	5 (आवासीय)	आईआईएफटी कोलकाता
3	11.03.2019–15.03.2019	उत्तर पूर्वी राज्यों की निर्यात क्षमता और प्रक्रियाएं – तृतीय बैच	15	पूर्वोत्तर परिषद	5 (आवासीय)	आईआईएफटी कोलकाता
4	08.05.2019–12.05.2019	उत्तर पूर्वी राज्यों की निर्यात क्षमता और प्रक्रियाएं – तृतीय बैच	15	पूर्वोत्तर परिषद	5 (आवासीय)	आईआईएफटी कोलकाता

दौरा:

- सीईनेस्ट गतिविधियों की संक्षिप्त प्रस्तुति के लिए त्रिपुरा राज्य का दौरा और बैठक 20 जनवरी 2020 को आयोजित की गई।
- सीईनेस्ट गतिविधियों की संक्षिप्त प्रस्तुति के लिए असम राज्य का दौरा और बैठक 21 जनवरी 2020 को आयोजित की गई।

सीईनेस्ट के तहत आगामी गतिविधियाँ

- त्रिपुरा की निर्यात क्षमता और प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
- निर्यात बढ़ाने के लिए सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम
- डीपीआर की तैयारी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (2 कार्यक्रम)
- सीमा व्यापार के माध्यम से म्यांमार के साथ–साथ दक्षिण एशियाई देशों को निर्यात बढ़ाने के लिए उत्तर पूर्व से निर्यातोन्मुख उद्यमियों के लिए हैंडहोल्डिंग कार्यक्रम (3 कार्यक्रम)
- लद्दाख और जम्मू–कश्मीर में निर्यात बढ़ाने पर 2 क्षमता निर्माण कार्यक्रम
- लद्दाख और जम्मू–कश्मीर में उद्यमित विकास पर 2 क्षमता निर्माण कार्यक्रम
- लद्दाख और जम्मू–कश्मीर में एसएमईज के सतत् विकास और संवर्धन पर 2 क्षमता निर्माण कार्यक्रम
- मेघालय की राज्य निर्यात प्रोत्साहन नीति की तैयारी पर शोध अध्ययन
- विद्यमान सीमा व्यापार बिंदुओं के माध्यम से उत्तर पूर्व भारत और म्यांमार के बीच सीमा पार व्यापार क्षमता में वृद्धि पर शोध अध्ययन।

शिक्षा और प्रशिक्षण

स्नातक अध्ययन प्रबंधन विभाग द्वारा वर्ष 2019–20 के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए/किए जा रहे हैं:

द्वि–वर्षीय पूर्णकालिक एमबीए (अंतरराष्ट्रीय व्यापार)

यह दो वर्षीय पूर्णकालिक एमबीए (अंतरराष्ट्रीय व्यापार) 2019–2021 (34वां बैच) 24 जून 2019 को आरंभ हुआ। अखिल भारतीय चयन प्रक्रिया के आधार पर एक सौ तिहत्तर छात्रों को दिल्ली कैंपस में प्रवेश दिया गया, चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा, समूह चर्चा, लेखन कौशल मूल्यांकन और साक्षात्कार शामिल था।

दो वर्ष छह माह का सप्ताहांत एमबीए (अंतरराष्ट्रीय व्यापार)

दिल्ली कैंपस में कार्यकारी अधिकारियों के लिए दो वर्ष छह माह के सप्ताहांत एमबीए (अंतरराष्ट्रीय व्यापार) 2019–22 का 20वां बैच 4 जुलाई 2019 को आरंभ हुआ। चवालीस छात्रों को निबंध लेखन, समूह चर्चा और साक्षात्कार के आधार पर कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया।

निर्यात–आयात प्रबंधन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीपीईआईएम)

निर्यात–आयात प्रबंधन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीपीईआईएम) (अप्रैल – जुलाई 2019) 13 अप्रैल 2019 को आरंभ हुआ। इस कार्यक्रम में चौबीस प्रतिभागी शामिल हुए।

एक्सपोर्ट–इम्पोर्ट मैनेजमेंट में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीपीईआईएम) (दिसंबर 2019 – मार्च, 2020) 14 दिसंबर 2019 को आरंभ हुआ। इस कार्यक्रम में पैंतालीस प्रतिभागी शामिल हुए।

संस्थान का 53वाँ वार्षिक दीक्षांत समारोह

संस्थान का 53वां वार्षिक दीक्षांत समारोह 8 अगस्त 2019 को आयोजित किया गया था। श्री हरदीप सिंह पुरी, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आवासन और शहरी कार्य तथा नागर विमानन मंत्रालय और वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री, भारत सरकार ने दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने संस्थान द्वारा पिछले एक वर्ष के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को पदक/पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान किए।

डॉ. अनूप वधावन, अध्यक्ष, आईआईएफटी तथा वाणिज्य सचिव, भारत सरकार और डॉ. मनोज पंत, निदेशक, आईआईएफटी ने 604 छात्रों को डिग्री, डिप्लोमा और प्रमाणपत्र प्रदान किए।

वर्ष 2019–20 के दौरान स्नातक अध्ययन प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्यक्रम	स्थान	दिनांक / अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	एमबीए (इंटरनेशनल बिजनेस)	आईआईएफटी दिल्ली	2018.20	169
			2019.21	171
		आईआईएफटी कोलकाता	2018.20	152
			2019.21	162
2	एमबीए (अंतरराष्ट्रीय व्यापार) सप्ताहांत	आईआईएफटी दिल्ली	2017.20	59
			2018.21	47
			2019.22	44
		आईआईएफटी कोलकाता	2017.20	15
			2019.22	12
3	निर्यात–आयात प्रबंधन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	आईआईएफटी दिल्ली	अप्रैल – जुलाई 2019	24
			दिसंबर 2019 – मार्च 2020	45

प्रबंधन विकास कार्यक्रम

वर्ष 2019–2020 के दौरान, प्रबंधन विकास कार्यक्रम विभाग ने प्रबंधकों/अधिकारियों और विभिन्न स्तरों के अधिकारियों के लिए 35 कार्यक्रम आयोजित किए। इनमें से, 7 कार्यक्रम सभी क्षेत्रों/संगठनों, 20 प्रायोजित कार्यक्रम सरकारी अधिकारियों (आईटीएस, आईईएस और आईएसएस अधिकारियों सहित) के लिए और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/निजी क्षेत्र के अधिकारियों के लिए खुले थे। इसके अतिरिक्त, हाइब्रिड मोड के माध्यम से 4 लंबी अवधि के पाठ्यक्रम और 4 ऑनलाइन ईडीपीज/एमडीपीज पाठ्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों से कुल 984 प्रतिभागी लाभान्वित हुए।

श्रेणी–वार कार्यक्रम विवरण :

क्र.सं.	कार्यक्रम	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
क	खुला	7	103
ख	प्रायोजित	20	462
ग	हाइब्रिड/ऑनलाइन लंबी अवधि	4	132
घ	ऑनलाइन ईडीपी	2	138
ड.	ऑनलाइन एमडीपीज (निर्यात बंधु योजना)	1	20
च	ऑनलाइन एमडीपीज (निर्यात बंधु के तहत मूक)	1	129
	कुल	**35**	**984**

(क). खुले कार्यक्रम:

1. वेब और सोशल मीडिया विश्लेषिकी

वेब और सोशल मीडिया विश्लेषिकी पर दो–दिवसीय एमडीपी (प्रबंधन विकास कार्यक्रम) का आयोजन 2–3 मई 2019 के दौरान आईआईएफटी परिसर, नई दिल्ली में किया गया।

कार्यक्रम की सामग्री: डिजिटल मार्केटिंग लैंडस्केप का एक परिचय: सामाजिक, गतिशीलता, विश्लेषिकी और क्लाउड (एसएमएसी) और विश्लेषिकी में कॅरियर, वेब विश्लेषिकी प्राइमर (केपीआईज के रूप में मैट्रिक्स, क्लिकस्ट्रीम विश्लेषण, हीट मैपिंग), एसईआरपी रैंकिंग, खोज इंजन अनुकूलन (ऑन–पेज और ऑफ–पेज ऑप्टिमाइजेशन तकनीक, सफेद/काला/भूरा एसईओ), सर्च इंजन मार्केटिंग (भुगतान प्रति क्लिक विज्ञापन, सर्च इंजन विज्ञापन, प्रदर्शन विज्ञापन), सर्च इंजन मार्केटिंग (गूगल ऐडवर्ड्स), सर्च इंजन मार्केटिंग (गूगल ऐडवर्ड्स), मापन अभियान प्रभावशीलता: गूगल विश्लेषिकी, इनबाउंड और सामग्री विपणन, सोशल मीडिया विश्लेषिकी आदि।

इस कार्यक्रम में सोलह प्रतिभागियों ने भाग लिया।

2. आयात प्रक्रिया और प्रलेखन

आयात प्रक्रियाओं और प्रलेखन पर तीन–दिवसीय एमडीपी का आयोजन 15–17 मई 2019 के दौरान किया गया।

कार्यक्रम की सामग्री: आयात में शुरूआत करना, आईएनसीओ शर्तें 2010, बिक्री अनुबंध को शामिल करना, विदेश व्यापार में वाणिज्यिक दस्तावेज– तैयारी और हैंडलिंग, विदेशी व्यापार में नियामक दस्तावेज– तैयारी और हैंडलिंग, आयात भुगतान प्रक्रिया – साख पत्र और यूसीपी–600 के निहितार्थ।

कार्यक्रम की सामग्रियों में अग्रिम प्राधिकार का लाभ उठाना/डीएफआईए/ईपीसीजी और आयात में निर्यात के मानित लाभ, आयात लेन–देन के लिए मुद्रा जोखिम प्रबंधन, जीएसटी व्यवस्था में आयात के लिए सीमा शुल्क निकासी आदि।

इस कार्यक्रम में सोलह प्रतिभागियों ने भाग लिया।

3. निर्यात–आयात प्रबंधन

निर्यात आयात प्रबंधन पर तीन दिवसीय एमडीपी का आयोजन 17–19 जुलाई 2019 के दौरान किया गया।

कार्यक्रम की सामग्री: निर्यात आयात शुरू करना और प्रोत्साहनों का लाभ उठाना, अंतरराष्ट्रीय भुगतान का प्रबंधन करना – साख पत्र और यूसीपी–600 के निहितार्थ, अंतरराष्ट्रीय व्यापार में मुद्रा जोखिम प्रबंधन, विदेशी व्यापार में वाणिज्यिक दस्तावेज– तैयारी और हैंडलिंग, विदेश व्यापार में विनियामक दस्तावेज– तैयारी और हैंडलिंग, बिक्री

अनुबंध में इनकोटर्म्स का विकास करना, निर्यात में जोखिम प्रबंधन–ईसीजीसी की भूमिका, सीमा–शुल्क निकासी, शुल्क वापसी और दावा प्रक्रिया आदि।

इस कार्यक्रम में इक्कीस प्रतिभागियों ने भाग लिया।

4. निर्यात बाजार के अवसर और खतरा मूल्यांकन

निर्यात बाजार के अवसर और खतरा मूल्यांकन पर दो दिवसीय एमडीपी का आयोजन 29–30 अगस्त 2019 के दौरान किया गया।

कार्यक्रम की सामग्रीः व्यापार डेटाबेस और अनुप्रयोग, व्यापार सूचकांक, बाजार अवसर आकलन, हैंड–ऑन अभ्यास, निर्यात बाजार की बाधाएं, विट्स–स्मार्ट का परिचय, विट्स–स्मार्ट में अनुप्रयोग आदि।

इस कार्यक्रम में तेरह प्रतिभागियों ने भाग लिया।

5. भारत की विदेश व्यापार नीति को समझना

भारत की विदेश व्यापार नीति को समझने पर दो दिवसीय एमडीपी का आयोजन 26–27 सितंबर 2019 के दौरान किया गया।

कार्यक्रम की सामग्रीः भारत में विदेश व्यापार नीति का विकास, शुल्क वापसी योजना के माध्यम से पोस्ट–एक्सपोर्ट ड्यूटी न्यूट्रलाइजेशन, एए/डीएफआईए के माध्यम से प्री–एक्सपोर्ट ड्यूटी का न्यूट्रलाइजेशन, ईपीसीजी के माध्यम से पूंजीगत माल के आयात में ड्यूटी न्यूट्रलाइजेशन, सीमा–शुल्क के माध्यम से प्राधिकार/ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप का प्रसंस्करण, निर्यात संचालन में एमईआईएस योजना का लाभ उठाना, एसईआईएस/एमडीआई/एमएआई/ई–कॉमर्स निर्यात/हैसियत धारकों का लाभ उठाना।

इस कार्यक्रम में तेरह प्रतिभागियों ने भाग लिया।

6. मध्य समुद्र में बिक्री : नीति और प्रक्रिया

मध्य समुद्र में बिक्री पर एक दिवसीय एमडीपी : नीति और प्रक्रिया का आयोजन 18 अक्टूबर 2019 के दौरान किया गया।

कार्यक्रम की सामग्रीः व्यापार लेन–देन–नियामक औपचारिकताओं की अनुपालना, मध्य समुद्र में बिक्री को समझना, मध्य समुद्र में बिक्रीः कदम–दर–कदम, अनुबंध तैयार करना और सीमा–शुल्क निकासी आदि।

इस कार्यक्रम में दस प्रतिभागियों ने भाग लिया।

7. निर्यात प्रक्रिया और प्रलेखन

निर्यात प्रक्रिया और प्रलेखन पर दो दिवसीय एमडीपी का आयोजन 21–22 नवंबर, 2019 के दौरान किया गया।

कार्यक्रम की सामग्रीः निर्यात शुरू करना और प्रोत्साहनों का लाभ उठाना, अंतरराष्ट्रीय भुगतान का प्रबंधन करना – साख पत्र और यूसीपी–600 के निहितार्थ, विदेश व्यापार में वाणिज्यिक दस्तावेज–तैयारी और हैंडलिंग, विदेश व्यापार में विनियामक दस्तावेज– तैयारी और हैंडलिंग, बिक्री अनुबंध में इनकोटर्म्स का विकास करना, अंतरराष्ट्रीय व्यापार में मुद्रा जोखिम प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार में मुद्रा जोखिम प्रबंधन, सीमा–शुल्क निकासी, शुल्क वापसी और दावा प्रक्रिया आदि।

इस कार्यक्रम में चौदह प्रतिभागियों ने भाग लिया।

(ख). प्रायोजित कार्यक्रम

1. आईटीएस प्रोबेशनर्स के लिए ''अंतरराष्ट्रीय व्यापार और व्यवसाय'' पर व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम।

आईआईएफटी, भारतीय व्यापार सेवा प्रोबेशनर्स के लिए पेशेवर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एक नोडल संस्थान है। 4 आईटीएस प्रोबेशनर्स के 2018–19 बैच के लिए प्रशिक्षण दिसंबर 2018 से नवंबर 2019 तक आयोजित किया गया। व्यापक प्रशिक्षण को तीन चरणों में विभाजित किया गया था। प्रथम चरण में अधिकारियों को वैश्विक व्यापार वातावरण एवं व्यापार नीति, नीति निर्माताओं के लिए सांख्यिकी, मैक्रोइकॉनॉमिक्स, अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, व्यापार विश्लेषिकी, अंतरराष्ट्रीय विपणन प्रबंधन, बाजार की पहचान, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, ग्लोबल सोर्सिंग का प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार संचालन, निर्यात–आयात वित्त, विश्व व्यापार संगठन और बातचीत के तहत प्रमुख समझौते, विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) और विदेश व्यापार विकास तथा विनियमन अधिनियम (एफटीडीआर अधिनियम), सीमा शुल्क और जीएसटी व्यवस्था के तहत कराधान (सीमा शुल्क) का गहन ज्ञान प्रदान किया गया।

दूसरे चरण में, इन आईटीएस प्रोबेशनरों को डीजीएफटी कार्यालयों के साथ 3 महीने के लिए व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के लिए लगाया गया।

तीसरे चरण में, सार्वजनिक संगठन में बातचीत कौशल और पारस्परिक संबंध, सार्वजनिक संगठन में प्रबंधकीय व्यवहार, जिंस बाजार, डेरिवेटिव और अनुप्रयोग, अंतरराष्ट्रीय व्यापार लॉजिस्टिक्स, फील्ड असाइनमेंट और अनुभव साझाकरण सत्र जैसे विषयों को शामिल किया गया।

इसके अतिरिक्त, वे विभिन्न उद्योगों, बंदरगाहों, सरकारी विभागों यथा एसईजेड, आरबीआई, ईपीसी, संसद के साथ भी संलग्न रहे थे, जिसमें पीएमआई, डब्ल्यूटीओ, जिनेवा, स्विट्जरलैंड के साथ एक सप्ताह की अंतरराष्ट्रीय संलग्नता भी शामिल थी।

2. डीजीआर के माध्यम से सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए ''वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन'' में प्रमाणपत्र कार्यक्रम

पुनर्वास महानिदेशक, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश पर डीजीआर के माध्यम से भारतीय सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए

''अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रबंधन'' पर चौबीस सप्ताह के व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 11 फरवरी – 3 मई 2019 के दौरान आईआईएफटी, नई दिल्ली में किया गया।

कार्यक्रम की सामग्री: विपणन प्रबंधन, व्यवसाय विश्लेषिकी, व्यवसाय अर्थशास्त्र, वैश्विक व्यापार वातावरण, प्रबंधकों के लिए लेखांकन, प्रबंधन में आईटी अनुप्रयोग, व्यापार बातचीत, डिजाइनिंग और संगठन का प्रबंधन, मैक्रो इकोनॉमिक्स, अंतरराष्ट्रीय व्यापार संचालन और प्रलेखन, अंतरराष्ट्रीय विपणन, वित्तीय प्रबंधन, सप्लाई चेन प्रबंधन, रणनीतिक प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार लॉजिस्टिक्स, व्यापार का कानूनी और नियामक ढांचा, उद्यमिता विकास, वैश्विक सोर्सिंग का प्रबंधन, व्यवसाय नैतिकता और स्थिरता आदि।

इस पाठ्यक्रम की अत्यंत सराहना की गई और अच्छी तरह से ग्रहण किया गया क्योंकि यह सशस्त्र अधिकारियों की अपने कॅरियर की दूसरी पारी शुरू करने में मदद करने के लिए तैयार किया गया था।

इस कार्यक्रम को भारतीय सशस्त्र बलों के चवालीस अधिकारियों ने सफलतापूर्वक पूरा किया।

3. टीवीएस मोटर्स प्रशिक्षण के अधिकारियों के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रबंधन

टीवीएस मोटर्स के अधिकारियों के लिए ''अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रबंधन'' पर 12–13 अप्रैल 2019 के दौरान दो–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बैंगलोर में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की सामग्री: विदेश व्यापार नीतिः प्रोत्साहन, ड्यूटी न्यूट्रेलाइजेशन, सहायता और समर्थन, निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एफटीपी का अनुप्रयोग, भुगतान के तरीके, विभिन्न क्षेत्रों में अवसर और चुनौतियां, साख पत्र – कदम–दर–कदम, साख पत्र से संबंधित समस्याएं, विचाराधीन संभावित चुनौतियां, निर्यात प्रोत्साहन के लिए संस्थागत बुनियादी ढाँचा आदि।

इस कार्यक्रम में टीवीएस मोटर्स के सोलह अधिकारियों ने भाग लिया। 4. भारत से रक्षा निर्यातः भारतीय आयुध कारखानों के अधिकारियों के लिए अवसर और चुनौतियां (एनएडीपी, नागपुर द्वारा प्रायोजित)

भारतीय आयुध कारखाना सेवाओं के नोडल अधिकारियों के लिए ''भारत से रक्षा निर्यातः अवसर और चुनौतियां'' पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 25–28 जून 2019 के दौरान नेशनल एकेडमी ऑफ डिफेंस प्रोडक्शन, नागपुर में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की सामग्री: एल/सी के तहत भुगतान पर ध्यान देने के साथ अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्रणाली, भारतीय रक्षा निर्यात के लिए बाजार की पहचान, रक्षा निर्यात बढ़ाने के लिए निर्यात प्रोत्साहन रणनीतियाँः प्रतिस्पर्धा और प्रतिस्पर्धा की भावना को समझना, अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए प्रभावी मूल्य निर्धारण और पैकेजिंग रणनीति, मुद्रा जोखिम प्रबंधन रणनीतियाँ – भारतीय परिप्रेक्ष्य, एक्जिम संचालन में शुरूआत, प्रि–शिपमेंट और पोस्ट–शिपमेंट के लिए एक्जिम वित्त।

कार्यक्रम की सामग्री में निर्यात अनुपालन के लिए फेमा नियम, रक्षा निर्यात के लिए वाणिज्यिक दस्तावेज, रक्षा निर्यात के लिए विनियामक दस्तावेज और शुल्क वापसी, इनकोटर्म्स, आयात कार्गो की सीमा शुल्क निकासी, विदेश व्यापार नीति, ऑफसेट और मेक इन इंडिया आदि जैसी भारत सरकार की नीतियां शामिल हैं।

इस कार्यक्रम में तीस अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की सफलता के आधार पर, आईआईएफटी को देश भर में स्थित विभिन्न आयुध कारखाना बोर्डों के लिए इस तरह के कई कार्यक्रम आयोजित करने की पेशकश की गई थी।

5. आयुध निर्माणी बोर्ड के अधिकारियों के लिए ''भारत से रक्षा निर्यातः अवसर और चुनौतियां'' (ओएफआईएल, कानपुर द्वारा प्रायोजित)

आयुध निर्माणी बोर्ड, कानपुर के अधिकारियों के लिए ''भारत से रक्षा निर्यातः अवसर और चुनौतियां'' विषय पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम 8–12 जुलाई 2019 को आईआईएफटी, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की सामग्री: रक्षा निर्यात में शुरुआत करना, रक्षा निर्यात आयात नीति को समझना, रक्षा उत्पादों के लिए बाजारों की पहचान, रक्षा निर्यात के लिए उत्पादों की पहचान, रक्षा निर्यात में वाणिज्यिक दस्तावेज, रक्षा निर्यात में नियामक दस्तावेज, एल/सी और यूसीपी धाराएं – मामला अध्ययन, एक्जिम वित्त सुविधाएं, रक्षा व्यापार में भुगतान की शर्तें, एल/सी – कदम–दर–कदम, कार्गो इंश्योरेंस और दावा प्रक्रियाएं।

प्रतिभागियों को रक्षा निर्यातों – ऑफसेट क्लॉज एवं अवसर, रक्षा निर्यातों में एटीए कॉर्नेट, रक्षा निर्यातों में शुल्क वापसी, रक्षा व्यापार के लिए इकोटर्म्स को समझना, रक्षा निर्यात में ईसीजीसी की भूमिका, निर्यात आयात में सीमा शुल्क निकासी, रक्षा सौदे की बातचीत, विदेश व्यापार नीति – प्रोत्साहन और लाभ आदि के बारे में विशिष्ट ज्ञान प्रदान किया गया।

इस कार्यक्रम में चौबीस प्रतिभागियों ने भाग लिया।

6. मुरुगप्पा समूह के अधिकारियों के लिए ''वैश्विक अवसरों की खोज''

मुरुगप्पा समूह के अधिकारियों के लिए वैश्विक अवसरों की खोज पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 23–24 जुलाई 2019 के दौरान नई दिल्ली स्थित आईआईएफटी परिसर में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की सामग्री: मुरुगप्पा समूह के उत्पादों के लिए निर्यात क्षमताः एक वास्तविकता की जाँच, संबंधित उत्पादों के लिए उत्पाद बाजार पहचान प्रक्रिया, सीमा शुल्क प्रोत्साहन योजना के तहत मूल्य प्रतिस्पर्धा बढ़ाना, आरटीए व्यवस्था में अवसरों का पता लगाना, पहचान किए गए बाजारों में मार्केट स्कैनिंग प्रक्रिया, पहचान किए

गए बाजारों में बाजार प्रवेश की रणनीति, निर्यात रणनीति का विकासः हैंड्स ऑन लैब अभ्यास आदि।

इस कार्यक्रम में सत्रह अधिकारियों ने भाग लिया।

7. टीवीएस मोटर्स के अधिकारियों के लिए ''क्रॉस कल्चरल कम्युनिकेशन'' पर दो–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

टीवीएस मोटर्स के अधिकारियों के लिए "क्रॉस कल्चरल कम्युनिकेशन" पर 22–23 अगस्त 2019 के दौरान दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम टीवीएस प्रशिक्षण केंद्र, बैंगलोर में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की सामग्रीः संस्कृति, संचार, संचार प्रक्रिया, सुनने तथा लिखने का कौशल, अफ्रीकी संदर्भ और एमईएनए क्षेत्र में सांस्कृतिक संचार, उत्तरी अमेरिकी तथा यूरोपीय क्षेत्र के लिए अंतर–सांस्कृतिक संचार, आसियान/एशिया क्षेत्र के लिए अंतर–सांस्कृतिक संचार, लैटिन अमेरिकी क्षेत्र के लिए अंतर–सांस्कृतिक संचार, अंतर–सांस्कृतिक वातावरण में संचार और बातचीत, व्यापार शिष्टाचार और क्रॉस–सांस्कृतिक बातचीत आदि।

इस कार्यक्रम में पच्चीस अधिकारी शामिल हुए।

8. सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए ''अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रबंधन'' पर छः माह का व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए ''अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रबंधन'' पर छः माह का पेशेवर प्रशिक्षण कार्यक्रम 26 अगस्त 2019 से 7 फरवरी 2020 के दौरान आईआईएफटी, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम मॉड्यूल/सामग्रीः विपणन प्रबंधन, प्रबंधन में आईटी अनुप्रयोग, बाजार की पहचान, प्रबंधकों के लिए लेखांकन, वित्तीय प्रबंधन, वैश्विक व्यापार वातावरण, सामरिक प्रबंधन, मैक्रो अर्थशास्त्र, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय विपणन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार संचालन और प्रलेखन, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन, ग्लोबल सोर्सिंग का प्रबंधन, व्यवसाय विश्लेषिकी, व्यापार का कानूनी और विनियामक ढांचा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार लॉजिस्टिक्स, डिजाइनिंग और संगठन का प्रबंधन, उद्यमिता विकास, व्यापार नैतिकता और स्थिरता।

प्रतिभागियों को विशाखापट्टनम में एक विशेष बंदरगाह दौरा सहित विभिन्न उद्योगों का दौरा करने का अवसर भी प्रदान किया गया। भारतीय सशस्त्र बलों के बावन अधिकारियों ने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

9. विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय के अधिकारियों के लिए ''कार्यालय कार्यपद्धति, स्थापना नियम, सतर्कता मामले और वित्तीय प्रबंधन''

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय के अधिकारियों के लिए कार्यालय कार्यपद्धति, स्थापना नियम, सतर्कता मामलों और वित्तीय प्रबंधन पर 16–27 सितंबर, 2019 के दौरान दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आईआईएफटी, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की सामग्रीः भारतीय हस्तशिल्प निर्यात की वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाएं, हस्तशिल्प निर्यात की क्षमता बढ़ाने की रणनीतियाँ, कार्यालय कार्यपद्धतिः 1. डाक प्रबंधन 2. फाइल प्रबंधन, टिप्पण और प्रारूपण, स्थापना नियमः भर्ती नियम, परिवीक्षा, वरिष्ठता, डीपीसी प्रक्रिया, अ.जा., अ.ज.जा, अ.पि.व., ईडब्ल्यूएस और पीडब्ल्यूडी के लिए सेवाओं में आरक्षण, वेतन नियम, एमएसीपी आदि, कार्यालय में टकराव और विवाद समाधान का सामना करना।

कार्यक्रम की सामग्री में कार्यालय उत्पादकता के लिए आईटी, जीईएम का संक्षिप्त विवरण, जीएफआर– 2017 नियम–149, नियम और शर्तें, जीईएम के माध्यम से खरीद की विधि, जीईएम एवं एएमपी में भुगतान की प्रक्रिया; भुगतान की स्थिति को अद्यतन करना, संगठन का पंजीकरण/उपयोगकर्ता खाते का निर्माण, माल के लिए आदेश देना और एएमपी; सेवाएं, सीआरएसी, बोली और रिवर्स नीलामी, जीईएम के माध्यम से परिवहन सेवाओं की खरीद, जीएफआर्स 2017 – एक समग्र परिप्रेक्ष्य, सरकारी खरीद में जीएफआर्स की भूमिका, माल और सेवाओं की खरीद पर जीएफआर्स 2017, सहायता अनुदान तथा विभिन्न योजनाओं का कार्यान्वयन और इसका मूल्यांकन, व्यक्तित्व अंतर का रचनात्मक उपयोग, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, तनाव और उसका सामना करना, आरटीआई, कार्यालय प्रबंधन में नेतृत्व आदि।

इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को छुट्टी यात्रा रियायत नियम, छुट्टी यात्रा रियायत नियम जारी, कार्यस्थल पर वार्तालाप, ''अंतरराष्ट्रीय व्यापार का रणनीतिकरण : भारतीय हस्तशिल्प क्षेत्र से मामले के उदाहरण'' पर नीति अनुसंधान की भूमिका, सतर्कता मामले, छुट्टी नियम, प्रभावशीलता के लिए उपकरण, सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली आदि।

इस कार्यक्रम में बत्तीस अधिकारियों ने भाग लिया।

10. आईएसएस अधिकारियों के लिए ''उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम''

आईएसएस अधिकारियों के लिए ''उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम'' (एनएसएसटीए द्वारा प्रायोजित) पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम 23–27 सितंबर 2019 को आईआईएफटी परिसर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की सामग्रीः अंतरराष्ट्रीय व्यापार का भू–राजनीतिक और भू–आर्थिक संदर्भ, पारस्परिक प्रभावशीलता, वैश्विक मैक्रोइकॉनॉमिक्स वातावरणः चुनौतियां और उपचार, सामरिक प्रबंधन, नेतृत्व की अनिवार्यता–1, विश्लेषिकी और विजुअलाइजेशन–1 एवं 2, वित्त में बुनियादी अवधारणा को समझना, परियोजना मूल्यांकन प्रबंधन, टीम गतिशीलता, कार्यस्थल पर प्रभावी ढंग से संवाद करना, अंतरराष्ट्रीय व्यापार कूटनीति आदि।

इस कार्यक्रम में सत्रह आईएसएस अधिकारियों ने भाग लिया।

11. मुरुगप्पा समूह के अधिकारियों के लिए क्रॉस कल्चरल कम्युनिकेशन

मुरुगप्पा समूह के अधिकारियों के लिए क्रॉस कल्चरल कम्युनिकेशन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 11–12 नवंबर, 2019 को आईआईएफटी, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की सामग्री: संचार की अवधारणा और प्रक्रिया, पारस्परिक संचार, संस्कृति की गतिशीलता, वैश्विक परिदृश्यों में सांस्कृतिक विभेदीकरण, संचार और व्यक्तित्व अंतर, रचनात्मक रूप से क्रॉस डिफरेंसेज का उपयोग, ग्लोब में सांस्कृतिक एकीकरण आदि।

इस कार्यक्रम में पंद्रह अधिकारियों ने भाग लिया।

12. आयुध निर्माणी बोर्ड के अधिकारियों के लिए भारत से रक्षा निर्यात: अवसर और चुनौतियां (ओएफआईएल, कानपुर द्वारा प्रायोजित)

आयुध निर्माणी बोर्ड, कोलकाता के अधिकारियों के लिए ''भारत से रक्षा निर्यात: अवसर और चुनौतियां'' पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, 25–29 नवंबर 2019 के दौरान आईआईएफटी, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की सामग्री: रक्षा निर्यात में शुरुआत करना, रक्षा निर्यात आयात नीति को समझना, रक्षा निर्यात में वाणिज्यिक और नियामक दस्तावेज, एल/सी और यूसीपी धाराएं – मामला अध्ययन, एक्जिम वित्त सुविधाएं, रक्षा क्षेत्र के लिए विदेश व्यापार प्रोत्साहन, रक्षा व्यापार में भुगतान की शर्तें, एल/सी – कदम–दर–कदम, रक्षा निर्यात – ऑफसेट धाराएं और अवसर, कार्गो बीमा और दावा प्रक्रिया, रक्षा व्यापार के लिए इनकोटर्म्स को समझना, रक्षा निर्यात में ईसीजीसी की भूमिका, निर्यात और आयात में सीमा शुल्क निकासी, रक्षा सौदों का समझौता आदि।

कार्यक्रम में अट्ठाइस अधिकारियों ने भाग लिया।

13. आयुध निर्माणी बोर्ड के अधिकारियों के लिए निर्यात प्रबंधन प्रक्रिया (ओएफआईएल, अंबरनाथ द्वारा प्रायोजित)

ओएफआईएल, अंबरनाथ के आयुध निर्माणी बोर्ड के अधिकारियों के लिए निर्यात प्रबंधन प्रक्रिया पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 2–4 दिसंबर, 2019 के दौरान नई दिल्ली के आईआईएफटी में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की सामग्री: रक्षा निर्यात में शुरुआत करना, रक्षा निर्यात आयात नीति को समझना, रक्षा निर्यात में वाणिज्यिक और विनियामक दस्तावेज, एल/सी और यूसीपी धाराएं – मामला अध्ययन, एक्जिम वित्त सुविधाएं, रक्षा व्यापार के लिए इनकोटर्म्स को समझना, रक्षा निर्यात में ईसीजीसी की भूमिका, रक्षा क्षेत्र के लिए विदेश व्यापार प्रोत्साहन , के लिए समझदारी, रक्षा निर्यात में ईसीजीसी की भूमिका, एक्जिम वित्त सुविधाएं, प्रि एवं पोस्ट–शिपमेंट वित्त, रक्षा क्षेत्र के लिए विदेश व्यापार प्रोत्साहन आदि।

इस कार्यक्रम में बाईस अधिकारियों ने भाग लिया।

14. सार्क विकास निधि, भूटान के अधिकारियों के लिए ईआरपी, संचार और कार्यालय प्रबंधन

सार्क विकास निधि के अधिकारियों के लिए ईआरपी, संचार और कार्यालय प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 27–31 दिसंबर 2019 के दौरान नई दिल्ली के आईआईएफटी में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की सामग्री: ईआरपी के लिए व्यवसाय मामला, ईआरपी कार्यान्वयन पद्धति–1 और 2, ईआरपी कार्यक्रम शासन और प्रबंधन, ईआरपी परिनियोजन मुद्दे, महत्वपूर्ण सफलता कारक और ईआरपी कार्यान्वयन के सर्वोत्तम व्यवहार, ईआरपी और व्यापार खुफिया, डेटा विश्लेषण और विजुअलाइजेशन के सर्वोत्तम व्यवहार, प्रभावी व्यवसाय लेखन – शक्तिशाली ईमेल का मामला, टीमों में संचार और व्यावसायिक प्रस्तुतियाँ बनाना, पारस्परिक संबंध और इसकी प्रभावशीलता, बेहतर प्रदर्शन के लिए लेनदेन विश्लेषण, मीडिया और जन संपर्कों का परिचय आदि।

कार्यक्रम की सामग्री में कार्यालय प्रबंधन, कंपनी के उद्देश्य, नीतियां, प्रक्रियाएं और प्रोटोकॉल, लिपिकीय सहायता और सुविधाएं प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, बजट निर्माण और आवंटन, सार्वजनिक खरीद, जोखिम प्रबंधन, डिजिटल बनाम पारंपरिक मीडिया में संचार सामग्री डिजाइन आदि भी शामिल थे।

इस कार्यक्रम में एसडीएफ के पांच अधिकारियों ने भाग लिया।

15. सार्क विकास निधि, भूटान के अधिकारियों के लिए वित्तीय और क्रॉस बॉर्डर क्षेत्रीय परियोजना प्रबंधन प्रशिक्षण

सार्क विकास निधि, भूटान के अधिकारियों के लिए वित्तीय और क्रॉस बॉर्डर क्षेत्रीय परियोजना प्रबंधन प्रशिक्षण पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 30 दिसंबर 2019 से 03 जनवरी 2020 के दौरान आईआईएफटी, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की सामग्री: वित्तीय विवरणों को समझना, परियोजना मूल्यांकन, वित्तीय विवरणों का विश्लेषण, मौलिक लेखापरीक्षा, परियोजनाओं का वित्तपोषण, परियोजना जोखिम विश्लेषण, सामाजिक लागत–लाभ विश्लेषण, परियोजना वित्त का कानूनी पहलू, मामला अध्ययन आदि।

इस कार्यक्रम में ग्यारह अधिकारियों ने भाग लिया।

16. भारतीय आर्थिक सेवा (2018 बैच) के अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए विश्व व्यापार संगठन और बौद्धिक संपदा अधिकार

भारतीय आर्थिक सेवा (2018 बैच) के प्रशिक्षुओं के लिए डब्ल्यूटीओ और बौद्धिक संपदा अधिकारों पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 6–10 जनवरी 2020 के दौरान आईआईएफटी, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की सामग्रीः विश्व व्यापार प्रणाली की नींव, वैश्विक राजनीतिक अर्थव्यवस्था में विकास और बदलाव, उरुग्वे दौर समझौता और विश्व व्यापार संगठन की संरचना, क्षेत्रीय व्यापार ब्लॉक संपत्ति के अधिकार की राजनीतिक अर्थव्यवस्था, बौद्धिक संपदा अधिकारों की राजनीतिक अर्थव्यवस्था, व्यापार से संबंधित बौद्धिक संपदा अधिकारों (ट्रिप्स) पर समझौते का परिचय, ट्रिप्स और सस्ती दवाओं पर पहुंच, कृषि पर समझौता (एओए): प्रमुख प्रावधान और भारत की प्रतिबद्ध ताएं, खाद्य सुरक्षा और भारत द्वारा एओए के तहत सामना की गई चुनौतियां आदि।

प्रतिभागियों को डब्ल्यूटीओ और भारत : नई चुनौतियों का सामना, वार्ता के दोहा दौर का विकास, जीएटीएसः कानूनी वास्तुकला और भारत की प्रतिबद्धताएं, एफटीए में ट्रिप्स–प्लस प्रावधान, डब्ल्यूटीओ के तहत व्यापार समाधान उपाय, डब्ल्यूटीओ में विवाद समाधान तंत्र, व्यापार कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय वार्ता, अंतरराष्ट्रीय व्यापार रणनीति और प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग आदि के बारे में भी अवगत कराया गया।

इस कार्यक्रम में भारतीय आर्थिक सेवा (2018 बैच) के दस अधिकारी प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

17. डीजीएफटी के अधिकारियों के लिए "अंतरराष्ट्रीय व्यापार और प्रबंधन" पर मध्य–कॅरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम

डीजीएफटी के अधिकारियों के लिए ''अंतरराष्ट्रीय व्यापार और प्रबंधन'' पर तीन–सप्ताह के मध्य कॅरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 20 जनवरी – 06 फरवरी 2020 के दौरान आईआईएफटी, नई दिल्ली में किया गया।

कार्यक्रम की सामग्रीः व्यापार और निवेशः प्रशंसा या विकल्प, भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ानाः एफटीडीओ की भूमिका, हाल के वैश्विक व्यापार पैटर्न और भारत के अवसर, भारत में निर्यात आयात का प्रावधान, विदेश व्यापार नीति के लिए विशेष संदर्भ के साथ निर्यात के लिए प्रोत्साहन, व्यापार डेटाबेसः व्यावहारिक अनुभव, डेटा अंतर्दृष्टि और निर्णय लेने के लिए आईटी उपकरण, पारस्परिक संबंधों के मूल सिद्धांतों का अनावरण, प्रभावी संचार, अनुबंध प्रबंधन, माल और सेवाओं की कुशल सोर्सिंग आदि।

प्रतिभागियों को नेतृत्व शैली के लिए अनिवार्य, अंतरराष्ट्रीय व्यापार में क्रॉस कल्चरल प्रबंधन, क्रॉस कल्चरल संचार, निर्यात आयात के लिए निकासी प्रक्रिया, लेन–देन संबंधी विश्लेषण, कार्यस्थल पर प्रेरणा, अंतरराष्ट्रीय विपणन 1 और 2, वित्तीय प्रबंधन की सामान्य प्रणाली, जीईएम जीएफआर, फाइलिंग सिस्टम, नोटिंग और प्रारूपण आदि पर भी ज्ञान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम की सामग्री में भारत के व्यापार संवर्धन में आरटीए की भूमिका, निर्यात के लिए शुल्क बाधाएं, आयात और निर्यात के लिए लागू जीएसटी प्रावधान, भारत की एसईजेड नीति, ई–बिजनेस मॉडल, उद्यमी चुनौतियां और नीतिगत मुद्दे–1 और 2, निर्यात के लिए गैर–प्रशुल्क बाधाएं, सीमा शुल्क मुद्दे जैसे विषय भी शामिल थे।

इस कार्यक्रम में डीजीएफटी के छब्बीस अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें अनुभाग प्रमुख, एफटीडीओज आदि शामिल थे।

18. एमएमटीसी के अधिकारियों के लिए निर्यात आयात प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

एमएमटीसी के अधिकारियों के लिए निर्यात आयात प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 27–31 जनवरी 2020 के दौरान आईआईएफटी, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की सामग्रीः व्यवहार में लचीलापन, विदेश व्यापार पर वाणिज्यिक दस्तावेजों को समझना, संघर्ष प्रबंधनः व्यक्तिगत संघर्ष और पारस्परिक संघर्ष, टीम और समूह स्तर पर सहयोग के लिए समूह संघर्ष, वस्तु जोखिम प्रबंधन और डेरिवेटिव्स–1 और 2, प्रि तथा पोस्ट–शिपमेंट वित्त, जीएसटी के निहितार्थ, मुद्रा जोखिम प्रबंधन, इनकोटर्म 2020 आदि।

इस कार्यक्रम में तेईस अधिकारियों ने भाग लिया।

19. मुरुगप्पा समूह के अधिकारियों के लिए ''एक्सपोर्ट बिजनेस लीडरशिप एंड मैनेजमेंट'' पर त्रिदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

मुरुगप्पा समूह के अधिकारियों के लिए ''एक्सपोर्ट बिजनेस लीडरशिप एंड मैनेजमेंट'' पर त्रिदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 20–22 फरवरी, 2020 को आईआईएफटी, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की सामग्रीः अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की पहचान – कदम–दर–कदम, विदेशी व्यापार में भुगतान का प्रबंधन– एल/सी कदम–दर–कदम, मुद्रा जोखिम प्रबंधन– साधन और रणनीति, व्यवसाय का विस्तार और विविधीकरण – विज्ञापनों में, विदेशी व्यापार लेन–देन को निष्पादित करना – नियामक अनुपालन और प्रलेखन, ईसीजीसी द्वारा क्रेडिट जोखिम प्रबंधन, व्यापार मेला प्रबंधन, विदेशी व्यापार लेन–देन निष्पादित करना, – विनियामक अनुपालन और प्रलेखन, ड्यूटी ड्राबैक और दावा प्रक्रिया आदि।

इस कार्यक्रम में मुरुगप्पा समूह के सत्रह अधिकारियों ने भाग लिया।

20. एसबीआई के अधिकारियों अधिकारियों के लिए ''इंटरनेशनल बैंकिंग'' पर त्रिदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

एसबीआई के अधिकारियों के लिए ''इंटरनेशनल बैंकिंग'' पर त्रिदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, 4–6 मार्च 2020 के दौरान एसबीआई कोलकाता में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की सामग्रीः वैश्विक व्यापार का वातावरण – घरेलू एवं विदेशी और आईबी का अवलोकन, आईबी और साइबर सुरक्षा में डिजिटल उत्पाद, विश्व व्यापार संगठनः निर्यात सब्सिडी – मुद्दे एवं रास्ते और विदेश व्यापार नीति – अनुपालन और प्रोत्साहन, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला वित्तः नए रुझान और फिनटेक के साथ साझेदारी करना, व्यापार, एनआरआई व्यवसाय और प्रेषण, बाहरी वाणिज्यिक उधार/सिंडिकेशन के लिए फेमा नियम – दिशानिर्देश आदि।

कार्यक्रम की सामग्री में प्रतिबंध और वैश्विक अनुपालन, बाह्य वित्त पोषण के विकल्प, निवेश के अवसरः ओडीआई/एफडीआई, केवाईसी, एंटी मनी लॉन्ड्रिंग के उपाय और टीबीएमएल, अंतरराष्ट्रीय फैक्टरिंग/ रिवर्स फैक्टरिंग/फोरफेटिंग, मुद्रा जोखिम प्रबंधन और भूमिका, डेरिवेटिव के प्रकार और उपयोग, मध्य समुद्र के कारोबार में बिक्री और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के भविष्य के दृष्टिकोण आदि भी शामिल थे।

कार्यक्रम में एसबीआई के उन्नीस अधिकारियों ने भाग लिया।

(ग). हाइब्रिड/ऑनलाइन लंबी अवधि के कार्यक्रम

प्रबंधन विकास कार्यक्रम विभाग ने निम्नलिखित लंबी अवधि के हाइब्रिड/ऑनलाइन कार्यक्रमों का आयोजन किया।

निर्यात आयात प्रबंधन में चार माह का प्रमाणपत्र कार्यक्रम (अगस्त–नवम्बर 2018)

निर्यात आयात प्रबंधन में हाइब्रिड मोड के माध्यम से चार माह के प्रमाणपत्र कार्यक्रम (2 बैच) आयोजित किए गए।

क्र.सं.	अवधि	प्रतिभागी
1.	अप्रैल–जुलाई 2019	22
2.	अक्टूबर 2019 – जनवरी 2020	33

ये कार्यक्रम चार दिवसीय ऑन–कैंपस मॉड्यूल के साथ प्रारंभ हुए, तत्पश्चात ऑनलाइन मोड के माध्यम से सप्ताहांत कक्षाओं का आयोजन किया गया। ये ऑनलाइन कक्षाएं आईआईएफटी के कंप्यूटर सेल द्वारा आयोजित की गईं, जिसमें छात्रों ने अपने डेस्कटॉप/लैपटॉप के माध्यम से ऑनलाइन मोड द्वारा कक्षाओं में भाग लिया।

इन कार्यक्रमों में अंतरराष्ट्रीय विपणन प्रबंधन, भारत का विदेश व्यापार और नीति, अंतरराष्ट्रीय व्यापार लॉजिस्टिक्स, व्यापार प्रलेखन, व्यापार वित्त, सीमा शुल्क विनियम और भारत की एक्जिम प्रक्रियाओं को पाठ्यक्रमों में शामिल किया गया।

3. अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं वित्त में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम 2018–19

अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं वित्त में एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम 2018–19 का सितंबर 2018 – सितंबर 2019 के दौरान आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत तीन दिवसीय ऑन–कैंपस मॉड्यूल के साथ हुई, तत्पश्चात एजुकेशन लेन, टेक महिंद्रा, टेक्नोलॉजी पार्टनर द्वारा प्रदान किए गए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से रविवार को कक्षाएं आयोजित की गईं। आईआईएफटी स्थित टेक महिंद्रा के स्टूडियो से ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित की जाती हैं, जिसमें छात्र सीधे डेस्कटॉप मोड पर कक्षाओं में भाग लेते हैं।

कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय आर्थिक और व्यावसायिक वातावरण, वैश्विक वित्तीय प्रबंधन, व्यापार लॉजिस्टिक्स और प्रलेखन, परियोजना वित्त, अंतरराष्ट्रीय व्यापार का वित्तपोषण (मुद्रा और विदेशी मुद्रा प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय जिंस व्युत्पन्न बाजार, विलय और अधिग्रहण आदि) शामिल हैं।

इस कार्यक्रम को पचास प्रतिभागियों ने सफलतापूर्वक पूरा किया।

4. बीईएल के अधिकारियों के लिए निर्यात और आयात प्रबंधन में छः माह का प्रमाणपत्र कार्यक्रम (अक्टूबर 2019 – मार्च 2020)

बीईएल के अधिकारियों के लिए निर्यात और आयात प्रबंधन में छः माह का प्रमाणपत्र कार्यक्रम अक्टूबर 2019 – मार्च 2020 के दौरान ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में वैश्विक व्यापार वातावरण, विदेश नीति, अंतरराष्ट्रीय व्यापार संचालन, एक्जिम वित्त, अंतरराष्ट्रीय व्यापार लॉजिस्टिक्स, अंतरराष्ट्रीय विपणन, जीएसटी व्यवस्था में सीमा शुल्क प्रक्रिया आदि पर मॉड्यूल शामिल हैं।

इस कार्यक्रम में बीईएल के सत्ताईस अधिकारियों ने भाग लिया।

(3). ऑनलाइन ईडीपी

1. अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए रणनीतियों में ऑनलाइन कार्यकारी विकास कार्यक्रम – टैलेंटेज के साथ सहयोग

अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए रणनीतियों में छः माह का ऑनलाइन कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच–3 का आयोजन जनवरी – जून 2019 के दौरान किया गया।

कार्यक्रम की सामग्रीः रणनीतिक प्रबंधन प्रक्रिया का परिचय, बाहरी और उद्योग पर्यावरण, आंतरिक संसाधन और क्षमताएं, व्यवसाय स्तर की रणनीतियाँ, कॉर्पोरेट और प्रतिस्पर्धी रणनीतियाँ, अंतरराष्ट्रीय व्यापार रणनीति, देश का मूल्यांकन और चयन, रणनीति निष्पादन, परिवर्तन प्रबंधन, वैश्विक व्यापार वातावरणः ''एक अवलोकन'', सांस्कृतिक राजनीतिक तथा कानूनी वातावरण और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए उनके निहितार्थ, वैश्विक मूल्य श्रृंखला, विश्व व्यापार संगठन वार्ता–

मुद्दे, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय रणनीति, विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन के लिए रणनीति, मौद्रिक और राजकोषीय नीति के संदर्भ में मैक्रो–आर्थिक परिदृश्य, उभरता व्यापार और वैश्विक कारोबारी माहौल को प्रभावित करने वाले एफडीआई मुद्दे, अंतरराष्ट्रीय व्यापार विकास आदि।

कार्यक्रम की सामग्री में अंतरराष्ट्रीय विपणन वातावरण, अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए मूल्य निर्धारण निर्णय, अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए उत्पाद और ब्रांडिंग निर्णय, अंतरराष्ट्रीय वितरण निर्णय, अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ता, अंतरराष्ट्रीय जिंस व्युत्पन्न बाजार और मूल्य जोखिम प्रबंधन, एक्जिम पॉलिसी फ्रेमवर्क, एक्जिम ऑपरेशन और प्रलेखन, निर्यात और आयात कार्गो की सीमा शुल्क निकासी, डब्ल्यूटीओ बनाम अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक मध्यस्थता, एफडीआई और व्यापार आदि शामिल हैं।

इस कार्यक्रम में छप्पन प्रतिभागियों ने भाग लिया।

2. वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में ऑनलाइन कार्यकारी विकास कार्यक्रम– टैलेंटेज के साथ सहयोग

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में छः माह का ऑनलाइन कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच–3 का आयोजन फरवरी–जुलाई 2019 के दौरान किया गया।

कार्यक्रम की सामग्रीः वैश्विक व्यापार और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अंतर्दृष्टि, वैश्विक संचालन रणनीति; बाजार में प्रवेश के तरीके और वैश्विक बाजार विकास, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला वित्त; आपूर्ति श्रृंखला प्रबधन में श्रेष्ठ प्रथाएं, नेटवर्क प्रवाह मॉडल, आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क डिजाइन और अनुकूलन, आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क का उन्नत मॉडलिंग, मांग अनुमान उपकरण और तकनीकें; वैश्विक संदर्भ में निर्माण या खरीद रणनीतिक निर्णय, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला क्रय रणनीतियां, आपूर्तिकर्ता का चयन, वैश्विक सोर्सिंग और खरीद अनुकूलन, आपूर्तिकर्ता जोखिम प्रबंधन, लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचा, वैश्विक व्यापार लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग नेटवर्क आदि।

कार्यक्रम की सामग्री में पैकेजिंग और सामग्री हैंडलिंग में वैश्विक रुझान, कंटेनरीकरण; इंटरमॉडल परिवहन; आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा मुद्दे, अंतरराष्ट्रीय व्यापार अनुबंध, वैश्विक व्यापार और बीमा मुद्दों का वित्तपोषण; वाणिज्यिक दस्तावेज, साख पत्र, सीमा शुल्क निकासी और ईडीआई, अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रथाएं, आपूर्ति श्रृंखला विश्लेषण और इसके अनुप्रयोग, आपूर्ति श्रृंखला का डिजिटल बदलाव, वैश्विक उत्पादन नेटवर्क, आपूर्ति श्रृंखला स्थिरता, प्रतिस्पर्धी लाभ के लिए प्रदर्शन बेंचमार्क।

इस कार्यक्रम में छप्पन प्रतिभागियों ने भाग लिया।

(5). ऑनलाइन एमडीपी

देश भर के निर्यातकों और उद्यमियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए, भारत सरकार ने निर्यात बंधु योजना का शुभारंभ किया। इस योजना के एक भाग के रूप में, आईआईएफटी को निर्यात–आयात व्यापार पर ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। वर्ष 2019–20 के दौरान, आईआईएफटी ने 9 मई–4 जून 2019 के दौरान कार्यक्रम के 30वें बैच का आयोजन किया।

कार्यक्रम की सामग्रीः सपनों को वास्तविकता में बदलनाः कार्यक्रम और व्यवसाय योजना का परिचय, निर्यात, आयात शुरू करना और प्रोत्साहनों का लाभ लेना (भाग–1), निर्यात के लिए उत्पादों की पहचान कैसे करें, निर्यात/आयात के लिए बाजार की पहचान, व्यापार डेटाबेस और व्यापार अवसरों को समझना, विदेश व्यापार में वाणिज्यिक नियामक दस्तावेज, निर्यात और आयात के लिए सीमा शुल्क निकासी, एक प्रभावी बिक्री अनुबंध की तैयारी, शुल्क वापसी और दावा प्रक्रिया, बिक्री अनुबंध में इनकोटर्म्स का विकास, अंतरराष्ट्रीय उत्पाद विकास और अनुकूलन, आरटीए बाजारों में व्यापार के अवसर आदि।

कार्यक्रम की सामग्री में अंतरराष्ट्रीय व्यापार भुगतान का प्रबंधन – पूर्ण और अंतिम भुगतान सुनिश्चित करना, व्यापार लॉजिस्टिक्स को कैसे व्यवस्थित किया जाए?, खरीदारों की साख की जांच करना और भुगतान चूक को रोकनाः ईसीजीसी कवर, मैकेनिज्म को समझना और साख पत्र की भूमिका – यूसीपी–600 का निहितार्थ, माल और सेवा कर तथा निर्यात में तटस्थता, निर्यात व्यापार आपूर्ति श्रृंखला वित्त को समझना– अपने कम धन के साथ अधिक व्यापार करना, विश्व व्यापार संगठन की शिकायत विदेश व्यापार नीति के माध्यम से निर्यात को बढ़ावा देना, निर्यात के लिए गैर–प्रशुल्क बाधाओं के निहितार्थ, निर्यात, आयात शुरू करना और प्रोत्साहनों का लाभ लेना (भाग –2), निर्यात व्यापार वित्त योजनाओं की रूपरेखा – लागत में कमी का दृष्टिकोण आदि भी शामिल थे।

इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम में फेमा और एफईडीएआई के तहत आरबीआई के विनियमों को समझना, सफल निर्यात लेनदेन के लिए नियम, मुद्रा जोखिम प्रबंधन का परिचय – निर्यात व्यापार के लाभ मार्जिन को सुरक्षित करना आदि विषयों को शामिल किया गया। प्रत्येक कार्यक्रम के अंत में, एक विशिष्ट सत्र था जिसे पैनल चर्चा कहा जाता है जिसमें प्रतिभागियों के दिन प्रतिदिन के व्यवसाय के मुद्दों से संबंधित उनके प्रश्नों का निराकरण/समाधान किया गया।

इस कार्यक्रम में बीस प्रतिभागियों ने भाग लिया।

(6). ऑनलाइन एमडीपी (निर्यात बंधु मूक के तहत)

आईआईएफटी द्वारा डीजीएफटी, भारत सरकार के सहयोग से मैसिव ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम (मूक) के माध्यम से ''बेसिक्स ऑफ एक्सपोर्ट–इम्पोर्ट'' पर ऑनलाइन ''कभी भी – कहीं भी'' निर्यात जागरूकता कार्यक्रम देश भर में नए निर्यातकों और उद्यमियों को प्रशिक्षित करने के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में कोई भी बिना किसी लागत के भाग ले सकता है।

वर्ष 2019–20 में, इस कार्यक्रम के माध्यम से निर्यात आयात व्यवसाय में कुल 129 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया।

Management Development Programme on "Export Import Management" for the Officers of MMTC, 27-31 January 2020

Management Development Programme on "Export Business Leadership Management for the Executives of Murugappa Group, 20-22 February 2020.

Export Management Procedure for the Officers of Ordnance Factory Board, 2-4 Dec. 2019.

प्रबंधन विकास कार्यक्रम विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की सूची (2019–20)

क. खुले कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	स्थान	दिनांक	कार्यक्रम निदेशक	प्रतिभागी
1	वेब और सोशल मीडिया विश्लेषिकी	आईआईएफटी, नई दिल्ली	2.3 मई 2019	डॉ. अंकित केसरवानी	16
2	आयात नीति प्रक्रिया एवं प्रलेखीकरण	आईआईएफटी, नई दिल्ली	15.17 मई 2019	डॉ. अरीज आफताब सिद्दीकी	16
3	निर्यात–आयात प्रबंधन	आईआईएफटी, नई दिल्ली	17.19 जुलाई 2019	डॉ. अरीज आफताब सिद्दीकी	21
4	निर्यात बाजार के अवसर और खतरे का मूल्यांकन	आईआईएफटी, नई दिल्ली	29.30 अगस्त 2019	डॉ. देबाशीष चक्रवर्ती	13
5	विदेश व्यापार नीति को समझना	आईआईएफटी, नई दिल्ली	26.27 सितंबर 2019	डॉ. राम सिंह	13
6	मध्य समुद्र में बिक्री	आईआईएफटी, नई दिल्ली	18 अक्टूबर 2019	डॉ. राम सिंह	10
7	निर्यात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण	आईआईएफटी, नई दिल्ली	21.22 नवम्बर 2019	डॉ. अरीज आफताब सिद्दीकी	14
					103

ख. प्रायोजित कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	स्थान	प्रायोजक संगठन	दिनांक	कार्यक्रम निदेशक	प्रतिभागी
1	आईटीएस प्रोबेशनर्स के लिए ''अंतरराष्ट्रीय व्यापार और व्यवसाय'' पर व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	आईआईएफटी, नई दिल्ली	डीजीएफटी, भारत सरकार	दिसंबर 2018– नवंबर 2019	डॉ. राम सिंह	4
2	डीजीआर के माध्यम से सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	आईआईएफटी, नई दिल्ली	डीजीआर (3 माह)	11 फरवरी– 3 मई 2019	डॉ. आरिज ए सिद्दीकी	44
3	टीवीएस मोटर्स के अधिकारियों के लिए ''अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रबंधन'' पर 2 दिन का प्रबंधन विकास कार्यक्रम	टीवीएस मोटर्स, बंगलौर	टीवीएस मोटर्स	12–13 अप्रैल 2019	डॉ. राम सिंह	16
4	ओएफबी के अधिकारियों के लिए ''निर्यात के लिए रणनीतियां'' पर 4 दिन का प्रबंधन विकास कार्यक्रम	आईआईएफटी, नई दिल्ली	एनएडीपी, नागपुर	25–28 जून 2019	डॉ. आशीष गुप्ता	30
5	आयुध निर्माणी बोर्ड – भारत से रक्षा निर्यात – अवसर और चुनौतियां	आईआईएफटी, नई दिल्ली	ओएफआईएल, कानपुर	08–12 जुलाई 2019	डॉ. राम सिंह	24
6	मुरुगप्पा समूह के अधिकारियों के लिए ''वैश्विक अवसरों की खोज'' पर 2 दिन का प्रबंधन विकास कार्यक्रम	आईआईएफटी, नई दिल्ली	मुरूगप्पा समूह	23–24 जुलाई 2019	डॉ. तमन्ना चतुर्वेदी	17

7	टीवीएस मोटर्स के अधिकारियों के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार में क्रॉस कल्चरल कम्युनिकेशन	टीवीएस मोटर्स, बंगलौर	टीवीएस मोटर्स	22–23 अगस्त 2019	डॉ. गिन्नी चावला	25
8ण	सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रबंधन पर छः माह का व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	आईआईएफटी, नई दिल्ली	डीजीआर, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	अगस्त 2019– फरवरी 2020	डॉ. एम वेंकटेशन	52
9ण	कार्यालय कार्यपद्धति और स्थापना नियम, सतर्कता मामले, सहायता अनुदान और जीएफआर पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम	आईआईएफटी, नई दिल्ली	कपड़ा मंत्रालय (कार्यालय, विकास आयुक्त, हस्तशिल्प)	16 सितंबर से 27 सितंबर 2019	डॉ. ओ.पी. वल्ली	32
10ण	सेवारत आईएसएस अधिकारियों के लिए उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम पर मध्य– कॅरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम	आईआईएफटी, नई दिल्ली	एनएसएसटीए, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार	23 से 27 सितंबर 2019	डॉ. श्वेता एस मल्ला	17
11ण	मुरुगप्पा समूह के अधिकारियों के लिए क्रॉस कल्चरल कम्युनिकेशन	आईआईएफटी, नई दिल्ली	मुरूगप्पा समूह	11–12 नवंबर 2019	डॉ. तुहिना मुखर्जी	15
12ण	भारत से रक्षा निर्यातः आयुध निर्माणी बोर्ड के अधिकारियों के लिए अवसर और चुनौतियां	आईआईएफटी, नई दिल्ली	ओएफआईएल, कानपुर	25–29 नवंबर 2019	डॉ. राम सिंह	28
13ण	आयुध निर्माणी बोर्ड के अधिकारियों के लिए निर्यात प्रबंधन प्रक्रिया	आईआईएफटी, नई दिल्ली	ओएफआईएल अम्बरनाथ (महाराष्ट्र)	2–4 दिसंबर 2019	डॉ. राम सिंह	22
14ण	सार्क विकास निधि के अधिकारियों के लिए ईआरपी, संचार और कार्यालय प्रबंधन	आईआईएफटी, नई दिल्ली	सार्क विकास निधि, भूटान	27–31 दिसंबर 2019	डॉ. ओ.पी. वल्ली	5
15ण	सार्क विकास निधि के अधिकारियों के लिए वित्तीय और क्रॉस बॉर्डर क्षेत्रीय परियोजना प्रबंधन प्रशिक्षण	आईआईएफटी, नई दिल्ली	सार्क विकास निधि, भूटान	30 दिसंबर 2019 से 03 जनवरी 2020	डॉ. वी. रविन्द्रा सारथी	11
16ण	भारतीय आर्थिक सेवाओं (2018 बैच) के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए डब्ल्यूटीओ और बौद्धिक संपदा अधिकार	आईआईएफटी, नई दिल्ली	आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार	06–10 जनवरी 2020	डॉ. रोहित मेहतानी	10
17ण	डीजीएफटी के अधिकारियों के लिए मध्य–कॅरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम	आईआईएफटी, नई दिल्ली	डीजीएफटी, भारत सरकार	20 जनवरी से 06 फरवरी 2020	डॉ. अंकित केसरवानी	26
18ण	एमएमटीसी के अधिकारियों के लिए निर्यात आयात में प्रबंधन	आईआईएफटी, नई दिल्ली	एमएमटीसी	27–31 जनवरी 2020	डॉ. प्रियंका जयसवाल	23
19ण	मुरुगप्पा समूह के अधिकारियों के लिए ''एक्सपोर्ट बिजनेस लीडरशिप एंड मैनेजमेंट''	आईआईएफटी, नई दिल्ली	मुरुगप्पा समूह	20–22 फरवरी, 2020	डॉ. राम सिंह	17
20ण	एसबीआई के अधिकारियों के लिए ''इंटरनेशनल बैंकिंग''	एसबीआई कोलकाता	एसबीआई	4–6 मार्च 2020	डॉ. राम सिंह	19
					कुल	**426**

ग. हाइब्रिड/ऑनलाइन लंबी अवधि

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	कार्यक्रम निदेशक	प्रतिभागियों की संख्या
1	निर्यात–आयात प्रबंधन में प्रमाणपत्र कार्यक्रम (हाइब्रिड)	अप्रैल–जुलाई 2019	डॉ. तमन्ना चतुर्वेदी	22
2	निर्यात–आयात प्रबंधन में प्रमाणपत्र कार्यक्रम (हाइब्रिड)	अक्टूबर 2019 से जनवरी 2020	डॉ. तमन्ना चतुर्वेदी	33
3	अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्त में स्नातकोत्तर प्रमाणन कार्यक्रम	सितंबर 2018 . सितंबर 2019	डॉ. शीबा कपिल	50
4	बीईएल के लिए निर्यात–आयात प्रबंधन पर प्रमाणपत्र कार्यक्रम	अक्टूबर 2019 से मार्च 2020	डॉ. अरूणिमा राणा	27
			कुल	**132**

घ. ऑनलाइन ईडीपी

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	कार्यक्रम निदेशक	प्रतिभागियों की संख्या
1	अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए रणनीतियों में कार्यकारी विकास कार्यक्रम (बैच 3)	मार्च–जुलाई 2019	डॉ. प्रतीक माहेश्वरी	56
2	वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम – बैच 3	मई–अक्टूबर 2019	सुश्री सोनू वर्मा	82
			कुल	138

ङ.. ऑनलाइन एमडीपी (निर्यात बंधु)

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	कार्यक्रम निदेशक	प्रतिभागियों की संख्या
1	निर्यात आयात प्रबंधन	9 मई–4 जून 2019	डॉ. राम सिंह	20

च. ऑनलाइन एमडीपी (निर्यात बंधु मूक के तहत)

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	कार्यक्रम निदेशक	प्रतिभागियों की संख्या
1	निर्यात आयात प्रबंधन	कभी भी – कहीं भी	डॉ. राम सिंह	129

आईआईएफटी में अनुसंधान

अनुसंधान विभाग की गतिविधियों का उद्देश्य आईआईएफटी के लिए दृश्यता में वृद्धि करना और मजबूत अनुसंधान आउटपुट के साथ व्यापार नीति विश्लेषण के लिए एक थिंक टैंक के रूप में उभरना है। अनुसंधान और इस विभाग की अन्य गतिविधियों का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में दीर्घकालिक और अल्पकालिक शैक्षिक कार्यक्रमों का समर्थन करना है। इस प्रकार, प्रबंधन के विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में अनुसंधान गतिविधियों को भी व्यापक आधार देने का प्रयास किया जा रहा है। अनुसंधान गतिविधि संस्थान के विकास में बहुत महत्व रखती है क्योंकि यह अनुसंधान और प्रशिक्षण के बीच एक मजबूत व्यापक इंटरफेस प्रदान करता है। सरकार और अन्य राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा प्रायोजित अध्ययनों के अतिरिक्त, संस्थान द्वारा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी परियोजनाओं के लिए सफलतापूर्वक बोली लगाई गई है।

1. अनुसंधान अध्ययन पूरे किए

• निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसीज) को युक्तिसंगत बनाना

प्रायोजकः वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

अध्ययन की लागतः ₹24.98 लाख

अध्ययन भारत में 27 ईपीसी की भूमिका, उद्देश्यों और सेवाओं का आकलन करता है। कई निर्यात संवर्धन परिषदों के अस्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है और निर्यात प्रदर्शन में उनके योगदान का मूल्यांकन किया जाता है। यह वाणिज्य विभाग से ईपीसी द्वारा प्राप्त एमएआई/एमडीए अनुदान के उपयोग का भी अध्ययन करता है; निर्यात जागरूकता पैदा करने के लिए ईपीसी द्वारा उपयोग किया जा रहा तंत्र; राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ईपीसी की गतिविधियां; और सदस्यता के संबंध में शुल्क ढांचे में एकरूपता; आरसीएमसी और मूल प्रमाणपत्र का जारी करना।

• अगरबत्ती के लिए घरेलू आपूर्ति बनाम आयातित कच्चे बांस की छड़ का विश्लेषण

प्रायोजकः कृषि मंत्रालय

अध्ययन की लागतः ₹10.00 लाख

भारत, बांस के अपने विशाल संसाधनों के साथ, अंतरराष्ट्रीय बांस निर्यात में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनने की क्षमता रखता है। लेकिन भले ही भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बांस उत्पादक है, लेकिन इसके बांस के उत्पाद वैश्विक बाजार में सिर्फ 4.5 प्रतिशत पर काबिज हैं। इसके अतिरिक्त, भारत बांस का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक होने के बावजूद; आश्चर्यजनक रूप से मुख्यतः बांस की छड़ों और कच्चे अगरबत्ती के इसके उत्पाद के दूसरे सबसे बड़े आयातक के रूप में खड़ा है। इन बांस संसाधनों की सीमा स्पष्ट रूप से दिखाती है कि संसाधन एक जीवंत घरेलू उद्योग के लिए उपलब्ध हैं और सवाल उठाते हैं कि क्यों फर्मों को अपने उत्पादों के लिए बांस का आयात नहीं करना चाहिए? उक्त के आलोक में, इस अध्ययन का उद्देश्य निर्यात प्रोत्साहन और आयात प्रतिस्थापन व्यवहार्यता की संभावना का पता लगाना है।

• संगठित डेयरी क्षेत्र के लिए डेयरी उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए रोडमैप और रणनीति

प्रायोजकः राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी)

अध्ययन की लागतः ₹68.49 लाख

अध्ययन का उद्देश्य डेयरी उद्योग विशेषकर संगठित डेयरी क्षेत्र का घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों दृष्टिकोण से सामना की जा रही चुनौतियों की जांच–पड़ताल करना है। इस अध्ययन का उद्देश्य डेयरी उत्पादों के लिए निर्यात प्रोत्साहन रणनीतियों का सुझाव देना है और इस प्रकार बुनियादी सुविधाओं की आवश्यकता, मूल्य निर्धारण रणनीतियों और विपणन योग्य अधिशेष और उत्पादों की गुणवत्ता की उपलब्धता में सुधार आदि के संदर्भ में डेयरी उद्योग के लिए एक रोडमैप का प्रस्ताव करना है।

• वर्ष 2018–19 के लिए सीएसआर परियोजनाओं के मूल्यांकन के लिए अध्ययन

प्रायोजकः सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल)

अध्ययन की लागतः ₹4.72 लाख

अध्ययन के उद्देश्य सीएसआर पहलों (यथा निविदा दस्तावेज के तकनीकी विशिष्टताओं के खंड सात में वर्णित है) का उनकी मौजूदा स्थिति में मूल्यांकन करना और सत्यापित करना कि उद्देश्य डीपीई द्वारा बनाई गई नीति के अनुरूप हैं और परियोजना की प्रभावशीलता का इसके परिणामों तथा विभिन्न हितधारकों पर प्रभाव के संदर्भ में आकलन करना है।

• वर्ष 2020–2025 की अवधि के लिए नई वित्तीय सहायता योजना के गठन पर अध्ययन

प्रायोजकः एपीईडीए

अध्ययन की लागतः ₹20.00 लाख

इस अध्ययन का प्राथमिक उद्देश्य एपीडा के लिए निर्यात प्रोत्साहन योजनाओं की एक व्यापक रूपरेखा तैयार करना है। इसमें मौजूदा प्रोत्साहनों को चरणबद्ध ढंग से बाहर करना और डब्ल्यूटीओ की आवश्यकताओं के अनुरूप निर्यात प्रोत्साहन के लिए समकालीन, नए प्रोत्साहनों को पेश करने के लिए एक पूर्ण रूपरेखा भी शामिल होगी।

2. अनुसंधान अध्ययन प्रगति पर

- **समकालीन प्रबंधन में भागवत गीता के निहितार्थ पर अध्ययनः एक अनुभवजन्य अध्ययन**

प्रायोजकः आईसीएसएसआर

अध्ययन की लागतः ₹15.00 लाख

अनुसंधान परियोजना समकालीन प्रबंधन शैलियों के संबंध में सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान करने के लिए व्यापक क्षेत्र अनुसंधान पर आधारित एक व्यापक अध्ययन करने के लिए विचार करती है जो प्राचीन भारतीय शास्त्र, भागवत गीता की अवधारणाओं द्व ारा समर्थित हैं। शोध कार्य में समकालीन प्रबंधन प्रथाओं के साथ प्राचीन पाठ से संबंधित एक वैचारिक ढांचे को विकसित करने के लिए गुणात्मक डेटा विषयगत विश्लेषण और अन्य सांख्यिकीय उपकरणों का उपयोग शामिल होगा।

- **मार्केट एक्सेस इनिशिएटिव (एमएआई) योजना का तृतीय पक्ष मूल्यांकन**

प्रायोजकः वाणिज्य मंत्रालय

अध्ययन की लागतः ₹10.0 लाख

अध्ययन का उद्देश्य एमएआई योजना की समग्र समीक्षा करना, निर्यात प्रोत्साहन पर एमएआई योजना के प्रभाव का आकलन करना, योजना के परिणाम/उत्पादन को मापने के लिए सुझाव देना और एमएआई के तहत प्राप्त सहायता के साथ उत्पाद और देश के साथ निर्यात का मानचित्रण करना है।

- **निर्यात प्रोत्साहन नीति और दिल्ली के लिए रणनीतिक कार्य योजना**

प्रायोजकः दिल्ली की एनसीटी सरकार

अध्ययन की लागतः ₹12.0 लाख रुपये

इस अध्ययन का प्राथमिक उद्देश्य दिल्ली के लिए निर्यात को बढ़ावा देने के लिए स्थायी आधार पर एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने के लिए एक निर्यात संवर्धन नीति और रणनीतिक कार्य योजना विकसित करना है। अध्ययन का उद्देश्य निर्यात के लिए उत्पाद/सेवा समूह की पहचान करना और ऐसे उत्पादों और सेवाओं के निर्यात को बढ़ाने के लिए एक समग्र रणनीति तैयार करना है। इसका उद्देश्य नए बाजारों की पहचान करना और मौजूदा बाजारों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना भी है

- **परिधान और मेड–अप के निर्यात पर विशेष पैकेज के प्रभाव पर अध्ययन**

प्रायोजकः कपड़ा मंत्रालय

अध्ययन की लागतः ₹15.63 लाख

अध्ययन का उद्देश्य परिधान/मेड–अप क्षेत्र में निर्यात, रोजगार और निवेश पर विशेष पैकेज के प्रभाव का मूल्यांकन करना, आरओएसएल, पीएमपीआरपीवाई और एटीयूएफएस के तहत सब्सिडी, योजनाओं के परिणामों का आकलन करना है ताकि कारणों का पता लगाना कि विशेष पैकेज के लक्ष्य क्यों हासिल नहीं किए जा सकते हैं, यदि ऐसा है, तो विशेष पैकेज के तहत लाभ लेने वाले निर्यातकों द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों का पता लगाना, परिधान/मेड–अप निर्यात प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले घरेलू और बाहरी चुनौतियों की पहचान करना, और विशेष पैकेज की निगरानी और कार्यान्वयन में सुधार के लिए सुझाव देना।

3. पीएच.डी कार्यक्रम

पीएच.डी. कार्यक्रम (प्रबंधन) 2019, 2 अगस्त 2019 से शुरू किया गया है। 39 छात्रों (11 पूर्णकालिक और 28 अंशकालिक) ने इस कार्यक्रम में भाग लिया हैं। सेमेस्टर–2 पाठ्यक्रम की पढ़ाई प्रगति पर है।

- **अब तक संस्थान ने 44 छात्रों को पीएच.डी. डिग्री से सम्मानित किया है।**

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

अंतरराष्ट्रीय सहयोग और क्षमता विकास (आईसीसीडी) विभाग द्वारा निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईः–

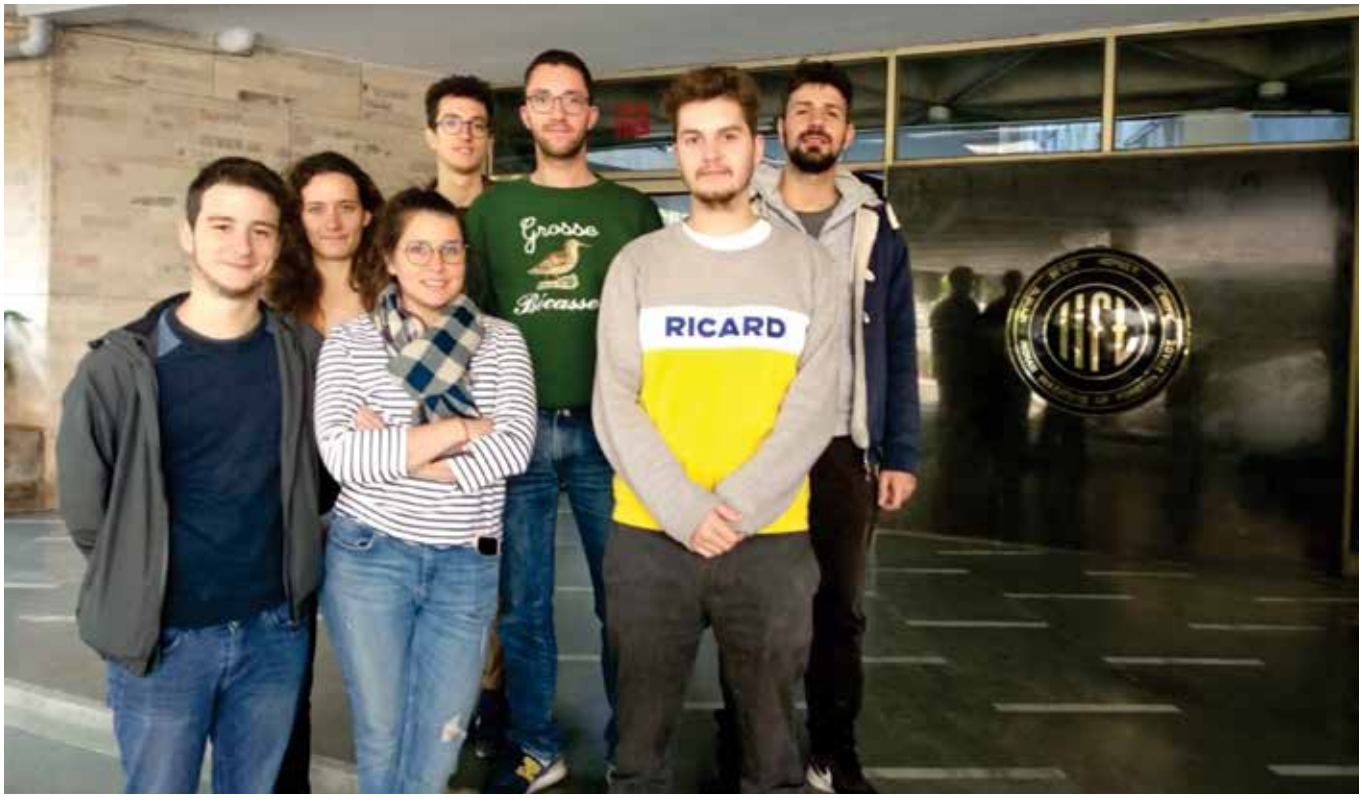

अंतरराष्ट्रीय छात्र आदान–प्रदान कार्यक्रम एमबीए (आईबी) जनवरी–मार्च 2020

छात्र आदान–प्रदान कार्यक्रम

प्दइवनदकै जनकमदजे

छात्र आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों से अक्टूबर 2019–मार्च 2020 के दौरान दस छात्र आईआईएफटी आए।

क्र.सं.	देश	विश्वविद्यालय	छात्रों की संख्या
1	इटली	बोकोनी विश्वविद्यालय	1
2		इंसुब्रिया विश्वविद्यालय	2
3	फ्रांस	ग्रेनोबल स्कूल ऑफ मैनेजमेंट	4
4		रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस	2
5	दक्षिण कोरिया	हनुक विश्वविद्यालय	1
कुल छात्र			**10**

विदेश जाने वाले छात्र

छात्र आ कार्यक्रम के तहत, कुल 21 छात्रों (दिल्ली कैंपस से 9 छात्र और कोलकाता कैंपस से 12 छात्र) ने जनवरी – मार्च 2020 तक विभिन्न अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों का दौरा किया।

क्र.सं.	देश	विश्वविद्यालय	छात्रों की संख्या
1	फ्रांस	ईएम स्ट्रासबर्ग विश्वविद्यालय	6
		ग्रेनोबल स्कूल ऑफ मैनेजमेंट	2
		आईईएसईजी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट लिली कैथोलिक विश्वविद्यालय	5
		रेन्नेस स्कूल ऑफ बिजनेस	1
2	फिनलैंड	हेंकेन–स्वीडिश स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स	4
3	जर्मनी	सारलैंड विश्वविद्यालय	2
4	स्पेन	यूएबी–यूनिवर्सिटैट ऑटोनोमा डे बार्सिलोना	1
		कुल छात्र	**21**

संकाय विकास कार्यक्रम

संकाय विकास कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए अप्रैल 2019–मार्च 2020 की अवधि के दौरान अनुमोदित आईआईएफटी संकाय की भागीदारी नीचे दी गई है:–

सम्मेलन		प्रशिक्षण कार्यक्रम
राष्ट्रीय	5	3
अंतरराष्ट्रीय	10	4

आईआईएफटी में विदेशी प्रतिनिधि दौरा

आईसीसीडी नियमित रूप से पूरे साल भर विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों/कॉर्पोरेट्स आदि से प्रतिनिधिमंडलों की अगवानी करता है। ये दौरे आईआईएफटी को नए सहयोगों को करने के लिए नेटवर्क को सक्षम बनाते हैं।

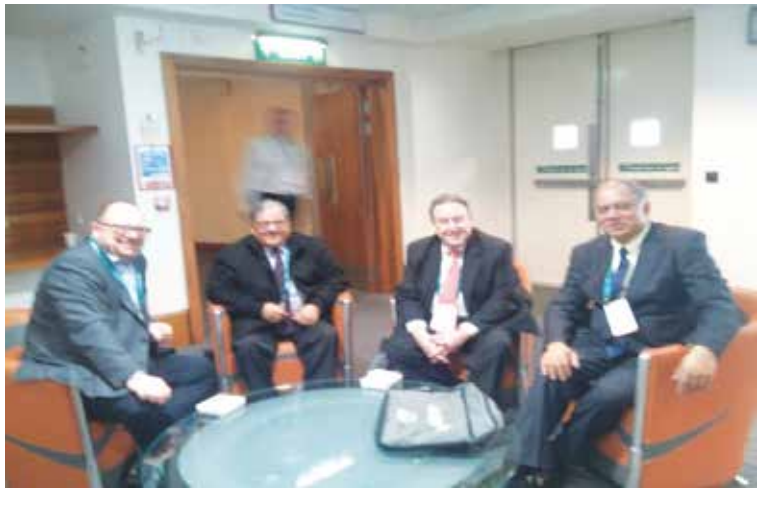

आईसीसीडी में प्रतिनिधिमंडल का दौरा

दौरे की तिथि	संगठन	दौरा करने वाले व्यक्ति	दौरे का प्रयोजन	आईआईएफटी संकाय
15 अप्रैल 2019	तुलाने यूनिवर्सिटी, यूएसए	प्रो. रॉबिन फॉरमैन, सीनियर वाइस प्रेसीडेंट अकादमिक मामले और गणित के प्रोवास्ट प्रोफेसर सत्यजीत दत्तागुप्ता, उपाध्यक्ष, एनरोल मैनेजमेंट डीन ऑफ एडमिशन एनरोल मैनेजमेंट डीन ऑफ एडमिशन	छात्र आदान–प्रदान के बारे में और कार्यकारी तथा स्नातकाधीन छात्रों का लघु अवधि दौरा एडिनबर्ग (यूके) में अनुवर्ती बैठक	डॉ. मनोज पंत, निदेशक डॉ. रवि शंकर, अध्यक्ष (आईसीसीडी)
25 जुलाई 2019	आईपीएजी, ढाका, बांग्लादेश	डॉ. सैयद मुनीर खुसरू	विदेश व्यापार और निवेश पर आपसी सहयोग स्थापित करना	डॉ. मनोज पंत, निदेशक डॉ. विजया कट्टी, डीन डॉ. जे. सिम्स, एसोसिएट प्रोफेसर

डॉ. टॉम रॉबिन्सन, एएसीएसबी, अध्यक्ष एवं सीईओ आईआईएफटी संकाय के मध्य व्याख्यान देते हुए

01 अगस्त 2019	एएसीएसबी, अध्यक्ष एवं सीईओ	डॉ. टॉम रॉबिन्सन	आईआईएफटी संकाय को ''विश्व स्तर पर व्यवसाय शिक्षा में रुझान और एएसीएसबी प्रत्यायन के लाभ'' पर व्याख्यान देने के लिए	आईआईएफटी संकाय
07 फरवरी 2020	मास्ट्रिच स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, नीदरलैंड्स	श्री डेविड कैस, शिक्षा निदेशक, मास्ट्रिच स्कूल ऑफ मैनेजमेंट	मास्ट्रिच स्कूल ऑफ मैनेजमेंट संस्थानों के बीच संभावित सहयोग के बारे में चर्चा करने और भारतीय प्रबंधन शिक्षा प्रणाली से संबंधित मुद्दों के बारे में जानने के लिए।	डॉ. विजया कट्टी, डीन डॉ. जे. सिम्स, एसोसिएट प्रोफेसर

समझौता ज्ञापन

प्आईआईएफटी ने छात्र/संकाय आदान–प्रदानों के साथ संयुक्त प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रमों जैसी गतिविधियों को आयोजित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ शैक्षणिक संबंध स्थापित किए हैं। आईआईएफटी का दुनिया भर के 29 विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ सहयोग है। इन विश्वविद्यालयों/संस्थानों में से 12 यूरोप में, 05 एशिया में और 12 दुनिया के अन्य भागों में हैं।

वर्ष 2019–2020 में हस्ताक्षर किए गए नए एमओयू

संस्थान ने अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ निम्नानुसार समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं:–

- संस्थान ने केंट स्टेट यूनिवर्सिटी, ओहियो, यूएसए के साथ 9 अप्रैल, 2019 को छात्र/संकाय आदान–प्रदान और अन्य गतिविधियों के लिए पांच साल की अवधि हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- संस्थान ने डीकिन विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के साथ 6 जून, 2019 को सामान्य हित के क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षण और सीखने में अकादमिक स्टाफ सहयोग के लिए पांच साल की अवधि हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- संस्थान ने सोलब्रिज इंटरनेशनल स्कूल ऑफ बिजनेस, वूसॉन्ग यूनिवर्सिटी, साउथ कोरिया के साथ 26 अगस्त, 2019 को छात्र/संकाय आदान–प्रदान और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए पांच साल की अवधि हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

चर्चा के तहत नए सहयोग

- तुलाने यूनिवर्सिटी यूएसए के साथ सहयोग पर चर्चा चल रही है।
- बांग्लादेश विदेश व्यापार संस्थान, ढाका के साथ सहयोग अपने अंतिम चरण में है। संस्थान ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं लेकिन इसे बीएफटीआई द्वारा हस्ताक्षरित किया जाना शेष है।
- इंस्टीट्यूट फॉर पॉलिसी, एडवोकेसी एंड गवर्नेंस (आईपीएजी), ढाका, बांग्लादेश के साथ सहयोग पर चर्चा चल रही है।

कार्यकारी छात्र अध्ययन दौरा

इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल, अमेरिका जिसके साथ आईआईएफटी का शैक्षणिक सहयोग है, ''यूरोप 2019 में शॉर्ट टर्म एक्जीक्यूटिव प्रोग्राम'' का आयोजन कर रहा है। आईआईएफटी के ईपीजीडीआईबी 2018–20, एमबीए (आईबी) 2019–21 और पीएच.डी. (प्रबंधन) 2019 कार्यक्रमों के सात छात्रों ने गर्मियों या सर्दियों के अवकाश के दौरान ''यूरोप 2019 में शॉर्ट टर्म एक्जीक्यूटिव प्रोग्राम'' में भाग लेने के लिए आवेदन किया है।

एएसीएसबी प्रत्यायन पर प्रगति

डॉ. रवि शंकर ने सम्बद्ध करने, नवाचार और प्रभाव पर एम्स्टर्डम में एएसीएसबी की बैठक में 4 अक्टूबर 2019 को भाग लिया।

आईआईएफटी, एएसीएसबी मान्यता के अग्रिम चरण में है। संस्थान ने जून 2019 में, तीसरी प्रारंभिक स्व–मूल्यांकन रिपोर्ट (आईएसईआर) प्रस्तुत की, जिसे अगस्त, 2019 में स्वीकार किया गया। इसके बाद, प्रारंभिक प्रत्यायन आवेदन 15 अक्टूबर 2019 को प्रस्तुत किया गया और पीयर रिव्यू टीम को नियुक्त किया गया है।

एएसीएसबी की पीयर रिव्यू टीम के अध्यक्ष डॉ. जोल्टन (जर्मनी) के साथ दो दिवसीय आभासी बैठक 19 से 20 मार्च 2020 के दौरान हुई। समीक्षा बैठक को 90 मिनट के प्रत्येक लगभग 7 सत्रों में संरचित किया गया। निदेशक, आईआईएफटी प्रो. मनोज पंत ने बातचीत की अध्यक्षता की और अन्य जिन्होंने आईआईएफटी का प्रतिनिधित्व किया, उनमें प्रोफेसर रवि शंकर, अध्यक्ष (आईसीसीडी), डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता (कुलसचिव), डॉ. जे. सिम्स (एसोसिएट प्रोफेसर), डॉ. आशीष गुप्ता (सहायक प्रोफेसर), डॉ. तुहिना मुखर्जी (सहायक प्रोफेसर) और डॉ. खुशहाल एस. लगध्यान (मैनेजर एएसीएसबी) थे। बैठक के दौरान, आईआईएफटी ने सभी 15 मानकों पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और डॉ. जोल्टन ने अपनी टिप्पणियां दीं।

अंतरराष्ट्रीय सदस्यता

संस्थान निम्नलिखित अंतरराष्ट्रीय संस्थानों का सदस्य है:

- यूरोपीय फाउंडेशन फॉर मैनेजमेंट डेवलपमेंट (ईएफएमडी)।
- एसोसिएशन ऑफ एमबीए (एएमबीए)।
- एकेडमी ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस (एआईबी)।
- द एसोसिएशन ऑफ एडवांस कॉलेजिएट स्कूल्स ऑफ बिजनेस (एएसीएसबी)

राष्ट्रीय सदस्यता

संस्थान के पास निम्नलिखित राष्ट्रीय संस्थानों की सदस्यता है:

- भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू)।
- अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए)।
- एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैनेजमेंट स्कूल्स (एआईएमएस)।
- ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क, भारत।

अंतरराष्ट्रीय परियोजनाएँ

1. अंतरराष्ट्रीय व्यापार में कार्यकारी स्नातकोत्तर डिप्लोमा (ऑन–कैंपस)

यह कार्यक्रम विशेष रूप से कार्यरत अधिकारियों के लिए बनाया गया है और यह एक व्यापक संरचना पर आधारित है जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय व्यापार और इससे संबंधित पहलुओं में शिक्षा प्रदान करना है। पाठ्यक्रम और पाठ्यचर्या को वर्तमान व्यापार विकास और प्रथाओं को एकीकृत करने के लिए नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है। यह 15–माह का कार्यक्रम व्यापार प्रथाओं, अंतरराष्ट्रीय व्यापार रणनीति अनुसंधान, संयुक्त उद्यमों में निर्यातकों, निवेशकों, सहयोगियों के अनुभव के मामले का अध्ययन, तथा सीमा–पार मूल्य श्रृंखलाओं, वैल्यू ग्रिड और नक्षत्रों में अवसरों को लक्षित करने वाले व्यापार साझीदारों से अत्याधुनिक अंतर–दृष्टि लेता है। ईपीजीडीआईबी 2019–2020 बैच की शुरुआत 7 अगस्त 2019 को पूरे भारत से 95 प्रतिभागियों के साथ हुई। एक सप्ताह की अवधि का अंतरराष्ट्रीय अध्ययन दौरा फरवरी, 2020 में बेल्जियम के एंटवर्प में आयोजित किया गया।

2. अंतरराष्ट्रीय व्यापार में कार्यकारी स्नातकोत्तर डिप्लोमा (हाइब्रिड)

ईपीजीडीआईबी का हाइब्रिड बैच भी 15 माह का कार्यक्रम है जिसमें भारत और उसके बाहर काम करने वाले अधिकारियों को प्रवेश दिया जाता है। ईपीजीडीआईबी (हाइब्रिड) 2019–2020 बैच 7 अगस्त 2019 को शुरू हुआ, जिसमें पूरे भारत के 35 प्रतिभागियों ने डायरेक्ट टू डेस्कटॉप तकनीक का उपयोग किया। एक सप्ताह की अवधि का अंतरराष्ट्रीय अध्ययन दौरा फरवरी, 2020 में जर्मनी के हैम्बर्ग में आयोजित किया गया था।

3. तंजानिया में एमबीए (अंतरराष्ट्रीय व्यापार)

संस्थान ने वर्ष 2000 में दार–एस–सलाम स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ फाइनेंस मैनेजमेंट (आईएफएम) के सहयोग से तंजानिया में एमबीए (अंतरराष्ट्रीय व्यापार) डिग्री कार्यक्रम का शुभारंभ किया था। पिछले कुछ वर्षों में, यह कार्यक्रम तंजानिया के साथ–साथ पूरे अफ्रीका में व्यापार और वाणिज्य के लिए अत्यधिक आकर्षक बन गया है। कार्यक्रम के तेरहवें बैच को अक्टूबर 2020 से शुरू करने की आशा है।

4. अफ्रीकी देशों के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर क्षमता विकास कार्यक्रम

वर्ष 2008 में भारत–अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन (आईएएफएस–1) में लिए गए निर्णयों के एक भाग के रूप में, संस्थान को भारत सरकार द्वारा अफ्रीकी देशों के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित करने के लिए चुना गया था। वर्ष 2009–2015 के दौरान, आईआईएफटी ने आईएएफएस–3 के तहत 36 अफ्रीकी देशों में 40 कार्यकारी विकास कार्यक्रम (ईडीपीज) आयोजित किए। आईआईएफटी ने वर्ष 2018 में मेडागास्कर, ट्यूनीशिया, अंगोला और इजिप्ट में ईडीपीज का आयोजन किया है।

आईआईएफटी के प्रतिष्ठित केंद्र

डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र

संस्थान में डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र एक शोध इकाई है जो सामान्य रूप से व्यापार और विषेष रूप से डब्ल्यूटीओ में रूचि रखता है, इसके अलावा यह डब्ल्यूटीओ वार्ता–संबंधित ज्ञान और दस्तावेजीकरण के स्थायी भंडार के रूप में कार्य करता है। इसे नियमित रूप से भारत सरकार द्वारा शोध कार्य करने और विश्व व्यापार संगठन व अन्य मंचों यथा मुक्त एवं बेहतर व्यापार समझौतों (एफटीएज/पीटीएज) दोनों में तथा व्यापक आर्थिक सहयोग समझौतों (सीईसीए) में एक स्वतंत्र विश्लेषणात्मक जानकारी प्रदान करने के लिए कहा जाता है ताकि उसे विभिन्न व्यापार वार्ताओं में अपनी स्थिति में वृद्धि करने में मदद मिले। इसके अतिरिक्त, केंद्र विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करके अपने आउटरीच और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से उद्योग तथा सरकारी इकाइयों सहित अन्य साझीदारों के साथ सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है, इस प्रकार यह साझीदारों और नीति निर्माताओं के बीच सर्वसम्मति बनाने के लिए एक मंच के तौर पर कार्य कर रहा है।

डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित कार्यकलापों के पीछे तीन मुख्य उद्देश्य प्राप्त करना है: (1) डब्ल्यूटीओ में सक्रियतापूर्वक भागीदारी में भारत के व्यापार वार्ताकारों और नीति निर्माताओं की सहायता करना तथा सम्बद्ध बहुपक्षीय व्यापार बातचीत में सहायता प्रदान करना, (2) साझीदारों के बीच आउटरीच तथा प्रसार कार्यकलापों के माध्यम से प्रमुख व्यापार मुद्दों की समझबूझ में वृद्धि करना, और (3) प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से डब्ल्यूटीओ व अन्य व्यापार–सम्बद्ध मुद्दों का विश्लेषण करने के लिए भारत तथा अन्य विकासशील देशों में क्षमताओं का विकास करना।

डब्ल्यूटीओ कार्य संबंधी कार्यक्रमों में प्रभावी ढंग से भाग लेने के लिए वाणिज्य विभाग की क्षमता को मजबूत करने हेतु केंद्र द्वारा विस्तृत अनुसंधान किया गया। केंद्र ने डब्ल्यूटीओ के कुछ विवादों जिनमें भारत शामिल रहा, में वाणिज्य विभाग की सहायता की। केंद्र के कुछ संकाय सदस्यों ने आरसीईपी वार्ताओं के साथ–साथ डब्ल्यूटीओ के ब्यूनस आयर्स मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भी भाग लिया।

विदेश मंत्रालय के इंडियन टेक्नीकल एंड इकोनॉमिक कॉआपरेशन कार्यक्रम के अंतर्गत, केंद्र ने डब्ल्यूटीओ समझौतों के विभिन्न पहलुओं पर चार अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

केंद्र की तकनीकी विशेषज्ञता की अंतरराष्ट्रीय मान्यता इस तथ्य से स्पष्ट है कि वर्ष 2019–20 की अवधि के दौरान श्रीलंका और जिम्बाब्वे की सरकारों ने डब्ल्यूटीओ के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए केंद्र से संपर्क किया।

वर्ल्ड ट्रेड इंस्टीट्यूट बर्न के साथ साझेदारी में, केंद्र ने कानून के छात्रों और युवा कानूनी पेशेवरों के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार कानून एवं नीति पर एक माह की संयुक्त अकादमी का आयोजन किया।

डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र ने डब्ल्यूटीओ एवं दक्षिण केंद्र सहित विभिन्न अंतर–सरकारी संगठनों के साथ भागीदारी की और डब्ल्यूटीओ तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित अन्य मुद्दों पर सम्मेलनों, संगोष्ठियों एवं कार्यषालाओं का आयोजन किया। केंद्र में अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने व्यापार वार्ताएं कीं।

केंद्र को अवसरों को आगे बढ़ाने, चुनौतियों का सामना करने और समकालीन वैश्विक व्यापार परिदृश्य में उभरते मुद्दों के मध्य आगे बढ़ने का मार्ग ढूंढने के लिए सिफारिशें करने हेतु वाणिज्य विभाग द्व ारा गठित उच्च स्तरीय सलाहकार समूह के लिए सचिवालय के रूप में नामित किया गया था। उच्च स्तरीय सलाहकार समूह ने अपनी सिफारिशें 30 अक्टूबर 2019 को प्रस्तुत कीं।

क्षेत्रीय व्यापार केंद्र (सीआरटी)

क्षेत्रीय व्यापार केंद्र (सीआरटी), नई दिल्ली स्थित एक स्वायत्त थिंक–टैंक है, जिसे वाणिज्य विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भारतीय विदेश व्यापार संस्थान में अंतरराष्ट्रीय व्यापार अनुसंधान केंद्र (सीआरआईटी) के तहत स्थापित किया गया है। क्षेत्रीय व्यापार केंद्र (सीआरटी) ने 24 अप्रैल 2017 को कार्य करना आरंभ किया।

एक क्षेत्रीय लेंस के माध्यम से वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ भारत के आर्थिक जुड़ाव को देखते हुए, सीआरटी को नीति–उन्मुख अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए आदेश दिया गया है। सीआरटी के काम के व्यापक क्षेत्र में क्षेत्र–उन्मुख और विषय–विशिष्ट दोनों अनुसंधान शामिल हैं:

- भारत और अन्य विकासशील देशों निहितार्थों के परिप्रेक्ष्य से अफ्रीका, आसियान, चीन, यूरोपीय संघ, यूरेशिया, जापान, कोरिया, लैटिन अमेरिका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण एशिया आदि सहित विशिष्ट क्षेत्रों/देशों के लिए प्रासंगिक व्यापार और निवेश के मुद्दों पर शोध करना और जागरूकता बढ़ाना।
- अनुसंधान, क्षमता निर्माण और आउटरीच कार्यक्रमों के व्यापक विषयों में, माल में व्यापार, सेवाओं में व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और व्यापार एवं विकासात्मक मुद्दों के बीच अंतर–संबंधों को कवर करते हैं।
- फोकस के कुछ विशिष्ट विषयगत क्षेत्र प्रशुल्क विश्लेषण, सामानों में व्यापार की क्षमता, उत्पत्ति के नियम, गैर–प्रशुल्क उपाय, एसपीएस/टीबीटी, देशों के निवेश शासन, व्यापार और निवेश पूरक आदि हैं।
- भारत के लिए विशिष्ट क्षेत्रों/देशों के लिए प्रासंगिक व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने के अवसरों पर शोध करना।

व्यापार एवं निवेश कानून केन्द्र (सीटीआईएल)

इस केंद्र का प्राथमिक ध्यान भारत सरकार को मूल्यवान इनपुट प्रदान करने पर केंद्रित रहा है और इस प्रकार यह अपने अधिकारियों को अच्छी जानकारी के साथ निर्णय लेने में सक्षम बनाता है। अपने मिशन और जनादेश के अनुसरण में, सीटीआईएल ने भारत की चल रही व्यापार वार्ता, भारत की विदेश व्यापार नीति (विभिन्न व्यापार संवर्धन और समर्थन योजनाओं सहित) की योजना एवं कार्यान्वयन और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक कानून के मुद्दों से संबंधित अन्य मामलों से उत्पन्न जटिल कानूनी मुद्दों पर कठोर तकनीकी इनपुट प्रदान किए हैं। कुल मिलाकर, केंद्र अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं निवेश कानून के मुद्दों पर भारत सरकार और अन्य सरकारी एजेंसियों को लगातार तकनीकी जानकारी प्रदान करता आ रहा है। वास्तव में, केंद्र द्वारा वाणिज्य विभाग को महत्वपूर्ण व्यापार मुद्दों पर 180 से अधिक सलाहकार राय प्रदान की गई हैं, जिसमें अन्य बातों के साथ–साथ भारत की विदेश व्यापार नीति के तहत व्यापार संवर्धन योजनाओं की आयोजना और कार्यान्वयन, बहुपक्षीय और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों की व्याख्या और विश्लेषण, भारत की चल रही व्यापार वार्ताओं, ई–कॉमर्स नीति, व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक, अंतरराष्ट्रीय और घरेलू कराधान के मामलों, रॉयल्टी लगाने, रसायन और पेट्रो–रसायन मंत्रालय के परामर्श से प्रस्तावित रासायनिक विनियमों आदि के बारे में वार्ता पाठ का विश्लेषण शामिल हैं। इन रायों में वस्तुओं, सेवाओं, ई–कॉमर्स, निर्यात सब्सिडी और दोहरे कराधान से बचाव में व्यापार से संबंधित बारीक कानूनी प्रक्रियाओं की व्याख्या करने की मांग की गई है।

व्यापार और निवेश कानून केंद्र द्वारा अप्रैल 2019–मार्च 2020 के दौरान किए गए शोध

क्र.सं.	शीर्षक
1	डब्ल्यूटीओ–संशोधित एमएनआरई कार्यालय ज्ञापन संख्या 283/54/2018–ग्रिड सोलर दिनांक 02 जनवरी 2019 और शीर्षक ''स्वीकृत फोटो और सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल के निर्माता (अनिवार्य पंजीकरण के लिए आवश्यकताएं) आदेश, 2019'' की सुसंगति।
2	विकासशील देश के हितों और प्रभावी अनुपालन पर डब्ल्यूटीओ डीएसयू में संशोधन करने के प्रस्तावों के सह–प्रस्तावक के रूप में भारत के समक्ष रखे गए प्रश्नों के उत्तर प्रारूपित
3	कृषि समिति पर भारत द्वारा मसौदा विवरण पर टिप्पणियाँ
4	डब्ल्यूटीओ सचिवालय को प्रदान की गई सूचना की कानूनी वैधता/महत्व
5	खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक स्टॉकहोलिंग पर बाली मंत्रिस्तरीय निर्णय में ''पारंपरिक प्रधान खाद्य फसलें'' शब्द की व्याख्या
6	डीएस 495 का विश्लेषण – कोरिया – रेडियोन्यूक्लिाइड्स (जापान)
7	टेम्पलेट (आई) खरीद लक्ष्य निर्धारित करने के लिए
8	डब्ल्यूटीओ–पांच फार्मा सेंट्रल पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइजेज (सीपीएसईज) और उनकी सहायक कंपनियों से सरकारी खरीद के माध्यम से खरीदी गई 102 दवाओं के लिए खरीद वरीयता नीति (पीपीपी) की सुसंगति।
9	ट्रेड नोटिस दिनांक 29 जनवरी, 2019. डब्ल्यूटीओ के डंपिंग–रोधी समझौते के तहत भारत के दायित्व के उल्लंघन के लिए न्यू शिपर रिव्यू इनवेस्टिगेशन के लिए सुव्यवस्थित करने की प्रक्रिया।
10	नौवें सम्मेलन की पार्टियों (सीओपी–9) के रॉटरडैम कन्वेंशन के पाठ के अनुच्छेद 16 और 22 में संशोधन के प्रस्ताव पर राय
11	सीमा शुल्क (सुरक्षा शुल्क की पहचान और आकलन) नियम, 1997 की अंतिम समीक्षा
12	संशोधित राय– एओए के अनुच्छेद 6.2 में ''आम तौर पर उपलब्ध'' शब्द की व्याख्या
13	कतिपय भारतीय एच1बी वीजा धारकों के बारे में डब्ल्यूटीओ में अमेरिकी कार्रवाई को चुनौती देने के लिए उचित कानूनी आधार है या नहीं, इस पर राय।
14	'घरेलू रूप से निर्मित लौह और इस्पात उत्पाद को वरीयता प्रदान करने के लिए नीति' की डब्ल्यूटीओ संगतता का विश्लेषण करना।
15	संयुक्त राज्य अमेरिका का कृषि क्षेत्र के लिए विश्व व्यापार संगठन की संगतता पर अध्ययन
16	अपीलीय निकाय और डब्ल्यूटीओ डीएसयू के सुधार की प्रक्रिया के भाग के रूप में सभी सदस्यों के समक्ष रखे गए प्रश्नों के प्रारूपण प्रतिक्रियाएं
17	अपीलीय निकाय को नियुक्तियों से संबंधित गतिरोध पर ब्राजील और ऑस्ट्रेलिया और जापान द्वारा दिए गए सुझावों का विश्लेषण
18	नई दिल्ली लघु मंत्रिस्तरीय 2019 के लिए विवाद निपटान और बात करने से संबंधित मुद्दों पर पृष्ठभूमि नोट तैयार करना
19	पब्लिक प्रोक्योरमेंट (मेक इन इंडिया को प्राथमिकता), आदेश 2017 क्लॉज 10 (डी) की डब्ल्यूटीओ–संगति का विश्लेषण करना

व्यापार और निवेश कानून केंद्र द्वारा अप्रैल 2019–मार्च 2020 के दौरान किए गए शोध

क्र.सं.	शीर्षक
20	सेवाओं में व्यापार पर एपीटीए समझौते की प्रस्तावित संरचना
21	कनाडा की व्यापार नीति समीक्षा 2019 पर डब्ल्यूटीओ सचिवालय की रिपोर्ट पर प्रश्न।
22	23 मई 2019 को आयोजित होने वाले खाद्य सुरक्षा उद्देश्यों के लिए सार्वजनिक स्टॉकहोलिंग पर कार्य समूह की बैठक के लिए इनपुट
23	अपीलीय निकाय को नियुक्तियों से संबंधित गतिरोध को हल करने के लिए ताइवान द्वारा रखे गए सुझावों का विश्लेषण
24	प्रतिकारी शुल्क कार्यवाही में 'लाभ' और 'विशिष्टता' पर संयुक्त राज्य अमेरिका के नियमों में प्रस्तावित संशोधनों पर टिप्पणियाँ।
25	ईंधन कर छूट और एससीएम समझौते के अनुबंध–1 पर राय
26	प्रतिकारी शुल्क कार्यवाही में विनियमों को संशोधित करने के अमेरिकी वाणिज्य मंत्रालय के प्रस्ताव पर टिप्पणी
27	'धारा 301' के भारतीय संस्करण के प्रस्तावित तत्वों पर सीटीआईएल की टिप्पणियां
28	प्रतिकारी शुल्क कार्यवाही में लाभ और विशिष्टता के बारे में विनियमों के प्रस्तावित संशोधन पर टिप्पणियाँ।
29	वर्तमान में वार्ता किए गए आरसीईपी समझौते में संक्रमणकालीन सुरक्षा उपाय की परिभाषा के बारे में प्रश्न।
30	भारतीय आरटीए और अन्य आरटीए में संक्रमणकालीन सुरक्षा उपायों का सार
31	चीनी के निर्यात से संबंधित प्रस्तावित नीतियों का डब्ल्यूटीओ विश्लेषण – एओए का आरई अनुच्छेद 9 (डी) और (ई)
32	(1) अप्रत्यक्ष कर के रूप में बिजली अधिभार की स्वीकार्यता औरय (2) एससीएम समझौते के तहत उदाहरणात्मक सूची की मद (जी) में ''उत्पादन'' शब्द की व्याख्या पर राय
33	यूरोपीय संघ के जीडीपीआर के प्रमुख तत्वों तथा पीडीपी बिल का मसौदा और उसका एक तुलनात्मक विश्लेषण की जांच करने वाला विश्लेषण।
34	उपयुक्त विदेशों के खिलाफ एकपक्षीय व्यापार प्रतिबंधों की सिफारिश करने के लिए एक प्राधिकरण बनाने वाले मसौदा कानून के लिए परिचयात्मक नोट।
35	एंटी–डंपिंग और एंटी–सब्सिडी नियमों में प्रस्तावित संशोधनों पर टिप्पणियों से संबंधित प्रश्न।
36	कराधान उपायों के संबंध में भारत और अन्य वैश्विक एफटीए द्वारा एफटीए/आरटीए का विश्लेषण
37	मिंक, लोमड़ी और चिनचिला के कच्चे फरस्किन के आयात पर प्रतिबंध के विश्व व्यापार संगठन समझौते का अनुपालन
38	भारत पर आरसीईपी में कराधान से संबंधित सामान्य प्रावधान अध्याय के अनुच्छेद 7 के निहितार्थ पर प्रश्न का पालन करना
39	विद्युत 2018 के आयात/निर्यात (क्रॉस बॉर्डर) के दिशानिर्देशों की डब्ल्यूटीओ संगतता पर टिप्पणियाँ।
40	एकाधिकार और सेवा आपूर्तिकर्ता के पाठ पर पेरू के प्रति–प्रस्ताव और सेवाओं में व्यापार पर अध्याय में भुगतान और स्थानांतरण पर राय।
41	सेवाओं की आपूर्ति के लिए प्राकृतिक व्यक्तियों के आवागमन पर अनुलग्नक और मोड 4 की परिभाषा से उत्पन्न प्रश्न पर राय।
42	दालों की खरीद, निपटान और निर्यात/आयात पर ऑस्ट्रेलिया और कनाडा के प्रश्नों का उत्तर
43	भारत सरकार द्वारा अर्जेंटीना और ब्राजील के साथ क्रमशः 1966 और 1968 में हस्ताक्षरित व्यापार समझौतों की स्थिति की समीक्षा।
44	कपास के लिए खरीद लक्ष्य निर्धारित करने के लिए खाका
45	यूरोपीय संघ द्वारा पेश पशु चिकित्सा औषधीय उत्पाद विनियमन (2019/6) के अनुच्छेद 118 की जांच–पड़ताल।
46	क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते में सेवाओं में व्यापार अध्याय और प्राकृतिक व्यक्तियों के आवागमन अध्याय में कतिपय प्रावधानों के प्रस्तावित पाठ के बारे में कानूनी मुद्दों पर राय।
47	आरसीईपी समझौते के तहत सामानों के व्यापार पर समिति की संस्थागत संरचना के लिए प्रस्तावित पाठ से उत्पन्न प्रश्न।
48	सेवाओं में व्यापार पर अध्याय में संक्रमण पर लेख में विभिन्न नए प्रस्तावों से उत्पन्न मुद्दों पर राय

व्यापार और निवेश कानून केंद्र द्वारा अप्रैल 2019–मार्च 2020 के दौरान किए गए शोध

क्र.सं.	शीर्षक
49	फिलीपींस के प्रस्तावित फुटनोट पर विमान परिवहन (विशेष हवाई सेवाएं, ग्राउंड हैंडलिंग सेवाएं और हवाई संचालन सेवाएं) से संबंधित सहायक सेवाओं पर दायित्वों के दायरे को सीमित करने पर राय
50	सेवा चैप्टर में व्यापार में प्रस्तावित अनुच्छेद 13 (अनुसूचियों का संशोधन) से संबंधित कानूनी मुद्दों पर राय
51	एकाधिकार और सेवा आपूर्तिकर्ता के पाठ पर पेरू के प्रति–प्रस्ताव और सेवाओं में व्यापार पर अध्याय में भुगतान और स्थानांतरण पर राय।
52	प्राकृतिक व्यक्तियों के आवागमन से संबंधित प्रतिबद्धताओं के लिए घरेलू विनियमों का महत्व
53	क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते में प्राकृतिक व्यक्तियों के आवागमन पर अध्याय में कतिपय प्रावधानों का पुनर्निर्माण
54	चीनी पर निर्यात सब्सिडी नीति पर राय
55	एसीसी और बैटरी निर्माण उद्योग को प्रस्तावित प्रोत्साहनों की डब्ल्यूटीओ संगतता पर संशोधित राय
56	सेवाओं के व्यापार पर अध्याय में एकाधिकार एवं सेवा आपूर्तिकर्ताओं तथा भुगतान और स्थानांतरण के पाठ पर पेरू के प्रति–प्रस्ताव पर राय
57	ब्लू बॉक्स घरेलू समर्थन उपायों पर राय
58	चीनी के निर्यात से संबंधित प्रस्तावित नीतियों का डब्ल्यूटीओ विश्लेषण
59	डब्ल्यूटीओ में ब्राजील (डीएस579) ऑस्ट्रेलिया (डीएस580) और ग्वाटेमाला (डीएस581) के साथ चीनी और गन्ने से संबंधित उपायों पर भारत के विवाद के लिए एक एकल पैनल या अलग पैनलों के गठन पर कानूनी राय
60	भारत और चिली व्यापार वार्ता के लिए कानूनी रणनीति दस्तावेज और रोडमैप
61	डब्ल्यूटीओ में मत्स्य पालन सब्सिडी वार्ता पर भारत के मसौदा प्रस्तावों का कानूनी दृष्टिकोण से विश्लेषण।
62	क्षमता से अधिक और अति मछली पकड़ने में योगदान करने वाले कतिपय मत्स्य पालन सब्सिडी का समाधान
63	सामान्य प्रावधान और अपवाद
64	कराधान प्रावधान पर राजधानी की टीम के लिए टॉकिंग पॉइंट
65	क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते में सेवाओं में व्यापार अध्याय और प्राकृतिक व्यक्तियों के आवागमन अध्याय में कतिपय प्रावधानों के प्रस्तावित पाठ के बारे में कानूनी मुद्दों पर राय।
66	सेवाओं में व्यापार पर अध्याय में संक्रमण पर अनुच्छेद में विभिन्न नए प्रस्तावों से उत्पन्न मुद्दों पर राय
67	सेवा चैप्टर में व्यापार में प्रस्तावित अनुच्छेद 13 (अनुसूचियों का संशोधन) से संबंधित कानूनी मुद्दों पर राय
68	यूरोपीय संघ द्वारा पेश पशु चिकित्सा औषधीय उत्पाद विनियमन (2019/6) के अनुच्छेद 118 की जांच–पड़ताल।
69	आरसीईपी समझौते के तहत सामान में व्यापार पर समिति की संस्थागत संरचना के लिए प्रस्तावित पाठ का विश्लेषण
70	फिलीपींस के प्रस्तावित फुटनोट पर विमान परिवहन (विशेष हवाई सेवाएं, ग्राउंड हैंडलिंग सेवाएं और हवाई संचालन सेवाएं) से संबंधित सहायक सेवाओं पर दायित्वों के दायरे को सीमित करने पर राय
71	भारत की आईटीए प्रतिबद्धताओं से विद्युत उत्पादन की सीमा तक सोलर सेल के अपवर्जन पर राय
72	अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यकारी आदेश – हुवाई के निहितार्थ पर नोट' पर टिप्पणियाँ
73	एचईसीआई विधेयक के मसौदे से कानूनी शिक्षा संस्थानों के अपवर्जन पर बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा पत्र का विश्लेषण
74	एओए के अनुच्छेद 9.1(डी) और (ई) के तहत डब्ल्यूटीओ को भारत की निर्यात सब्सिडी अधिसूचनाएं
75	अन्य डब्ल्यूटीओ समझौतों के साथ क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरईसीपी) के ई–कॉमर्स अध्याय में लिंकेज प्रदान करने वाले खंड पर राय
76	गेट्स में एक अतिरिक्त प्रतिबद्धता के रूप में घरेलू विनियमों पर मसौदा संदर्भ पत्र के समावेश और पाठ की प्रक्रिया पर राय

व्यापार और निवेश कानून केंद्र द्वारा अप्रैल 2019–मार्च 2020 के दौरान किए गए शोध

क्र.सं.	शीर्षक
77	आरसीईपी में ऑस्ट्रेलिया के प्रस्तावों का विश्लेषण
78	क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी व्यापार में जापान के प्रस्तावों के विश्लेषण का सारांश
79	थाईलैंड के आरसीईपी प्रस्तावों के सेवा विश्लेषण में क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी व्यापार
80	मलेशिया भारत सीईसीए के तहत मलेशिया की प्रतिबद्धताओं के साथ आरसीईपी में मलेशिया के प्रस्तावों का तुलनात्मक विश्लेषण
81	टैरिफ डिफरेंशियल पर अनुच्छेद के पैराग्राफ 2 के तहत भारत के प्रस्तावित सम्मिलन का विश्लेषण।
82	भारत की आईटीए प्रतिबद्धताओं से विद्युत उत्पादन की सीमा तक सोलर सेल के अपवर्जन पर राय
83	टीआरक्यूज और कृषि पर आयात लाइसेंसिंग
84	वाणिज्य विभाग, भारत सरकार और एनएसडीएल डाटाबेस मैनेजमेंट लिमिटेड के बीच समझौते का नवीनीकरण
85	गैर–लिट्टीजियस सेवाओं के सुधार पर हितधारक विचारों का निमंत्रण
86	गेट के अनुच्छेद प्2(ए) के तहत लगाए जाने वाले सीमा करों की व्याख्या पर राय
87	डब्ल्यूटीओ की बांग्लादेश को प्याज निर्यात प्रतिबंध से मुक्त करने के प्रस्ताव की संगति पर राय
88	गेट के अनुच्छेद प्2(ए) के तहत सीमा कर लगाने पर प्रश्न
89	भारत–निर्यात संबंधित उपायों में अंतरिम रिपोर्ट पर सीटीआईएल की टिप्पणियाँ (डीएस541)
90	राष्ट्रीय सुरक्षा के नजरिए से निवेश की स्क्रीनिंग के लिए मसौदा कानून
91	आरसीईपी में कराधान के उपायों पर नोट
92	अमेरिका में भारतीय निर्यातकों के सामने आने वाले मुद्दों जिनमें एनटीबीज और नीतिगत मुद्दे शामिल हैं, पर नोट
93	ड्राफ्ट रसायन (सुरक्षा) नियम, 20गग भाग 1: भारत में रसायनों की सुरक्षा पर विनियमन के लिए नियमों की अधिसूचना हेतु प्रस्तावना
94	'सुरक्षा अपवाद' पर गेट के अनुच्छेद 21 पर नोट
95	ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान और कोरिया ने ई–कॉमर्स अध्याय और सेवाओं पर अध्याय से उत्पन्न कतिपय दायित्वों के बीच संबंध स्थापित करने वाली भाषा का प्रस्ताव दिया है
96	गेट और ट्रिम समझौते के अनुच्छेद प्प्4, अनुच्छेद ग्ए के बीच संबंध
97	प्रस्तावित भारत–पेरू मुक्त व्यापार समझौते के विवाद निपटान अध्याय के कुछ लेखों का विश्लेषण
98	मॉरीशस गणराज्य और भारत गणराज्य ने देशों को मजबूत करने और बढ़ाने के उद्देश्य से एक व्यापक आर्थिक सहयोग एवं भागीदारी समझौते (''सीईसीपीए'') पर बातचीत की है
99	भारत में पारा उत्सर्जन और रिलीज – स्तर 1 मूल्यांकन की सूची पर मसौदा रिपोर्ट के बारे में टिप्पणियाँ
100	मॉरीशस गणराज्य और भारत गणराज्य के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग और साझेदारी समझौता (सीईसीपीए)
101	प्राकृतिक व्यक्तियों के आवागमन पर अध्याय के तहत लिंकेज मुद्दे
102	आरसीईपी के तहत कराधान उपायों पर नोट – अनुच्छेद 7 पोस्ट–वियतनाम दौर
103	ऑटो ट्रिगर सेफगार्ड – चीनी आयातित सामानों के विरूद्ध भारत के लिए आरईसीपी के लिए एकपक्षीय तंत्र
104	सीईसीपीए में स्टैंडस्टिल क्लॉज का विश्लेषण
105	जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 पर वाणिज्य विभाग के लिए प्रस्ताव
106	एचईसीआई विधेयक के मसौदे से कानूनी शिक्षा संस्थानों के बहिष्कार पर बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा पत्र का विश्लेषण
107	वाणिज्य विभाग, भारत सरकार और एनएसडीएल डाटाबेस मैनेजमेंट लिमिटेड के बीच समझौते का नवीनीकरण

व्यापार और निवेश कानून केंद्र द्वारा अप्रैल 2019–मार्च 2020 के दौरान किए गए शोध

क्र.सं.	शीर्षक
108	भारत–निर्यात संबंधित उपाय (डीएस–541): अंतरिम रिपोर्ट पर पैनल को प्रस्तुतियाँ देने की सलाह दी, पैनल रिपोर्ट से अपीलीय निकाय को अपील पर मसौदा प्रस्तुत किया और सूचीबद्ध कानूनी फर्म द्वारा ड्राफ्ट की गई प्रस्तुतियों पर व्यापक टिप्पणियां प्रदान कीं।
109	भारत–संयुक्त राज्य अमेरिका से कुछ उत्पादों पर अतिरिक्त शुल्क (डीएस–585): विवाद के लिए पैनलिस्ट और अध्यक्ष के लिए संभावित उम्मीदवारों के दो स्लेट पर सलाह दी
110	भारत – चीनी और गन्ने के संबंध में उपायः विवाद के लिए संभावित पैनलिस्ट/अध्यक्ष पर सलाह दी
111	क्या भारत को अनुच्छेद 25, डीएसयू के तहत मध्यस्थता पर यूरोपीय संघ के प्रस्ताव को स्वीकार करना चाहिए, पर ज्ञापन
112	''डब्ल्यूटीओ कानूनी प्रणाली में विषयों को शामिल करने के लिए संभावित विकल्पों को तलाशने की दिशा में'' के जवाब में मत्स्य पालन विषयों को कानूनी निश्चितता प्रदान करने के लिए उपयुक्त तंत्र पर सलाहः चर्चा कागज, नियमों पर वार्ता दल, आरडी/टीएन/आरएल/92, दिनांक 28 जून 2019
113	अंतिम प्रावधान अध्याय से उत्पन्न आरसीईपी समझौते और अन्य अंतरराष्ट्रीय समझौतों के बीच असंगतता के मुद्दे पर व्यापक कानूनी सलाह।
114	आरसीईपी अध्याय की परिभाषाओं पर कानूनी सलाह और सामान्य प्रावधान तथा अपवाद अध्याय में निहित कराधान प्रावधान से संबंधित अपवादय
115	इस पर सलाह कि क्या भारत को अन्य अध्यायों के लिए ई–कॉमर्स अध्याय की प्रयोज्यता और ई–कॉमर्स अध्याय और आरसीईपी के अन्य अध्यायों के बीच टकराव पर ऑस्ट्रेलिया के प्रस्ताव को स्वीकार करना चाहिए
116	सुरक्षा उपायों पर ऑटो–ट्रिगर पर संकल्पना पत्र का मसौदा तैयार किया
117	आरसीईपी के विवाद समाधान अध्याय में संलग्न पैनलिस्टों के लिए प्रक्रिया नियमावली और आचार संहिता का विश्लेषण किया
118	गेट्स के अनुच्छेद 18 के तहत एक अतिरिक्त प्रतिबद्धता के रूप में घरेलू विनियमों पर जेएमएस विषयों के समावेश पर राय
119	गेट्स के अनुच्छेद 5 और एपीटीए पर भारत की अधिसूचना पर उठाए गए प्रश्नों के जवाबों के मसौदे पर राय।
120	यूएससीआईएस के वीजा शुल्क वृद्धि के प्रस्ताव से संबंधित मुद्दों का प्रारंभिक विश्लेषण
121	आरसीईपी में कतिपय शिक्षा सेवाओं का निर्धारण करने पर टिप्पणियाँ
122	व्यापक क्षेत्रीय आर्थिक साझेदारी के तहत प्राकृतिक व्यक्तियों के आवागमन पर अध्याय के अनुच्छेद 1.3 के पाठ से संबंधित प्रश्न
123	आरसीईपी के तहत कराधान संबंधी अनुच्छेद पर नोट – पोस्ट–वियतनाम मसौदा
124	टैरिफ डिफरेंशियल पर अनुच्छेद के पैराग्राफ 2 के तहत भारत के प्रस्तावित सम्मिलन का विश्लेषण।
125	यूरोपीय सामान्य डेटा संरक्षण विनियमन के साथ प्रस्तावित व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक, 2019 के प्रमुख प्रावधानों की तुलना
126	क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी के तहत 'अस्वीकार के लाभ' पर प्रावधान के प्रस्तावित पाठ पर राय
127	बहुपक्षीय जनादेश और गेट्स प्रावधानों के लिए सेवा घरेलू विनियमन निहितार्थों पर संयुक्त पहल
128	ई–कॉमर्स चैप्टर ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान और कोरिया ने ई–कॉमर्स अध्याय से उत्पन्न कतिपय दायित्वों के बीच संबंध स्थापित करने वाली भाषा का प्रस्ताव दिया है
129	दूरसंचार पर संदर्भ पत्र की बातचीत के तौर–तरीकों और घरेलू सेवा विनियमन पर संयुक्त पहल के साथ तुलना का विश्लेषण
130	समापन वक्तव्य डब्ल्यूपीडीआर, 3 दिसंबर 2019
131	प्राकृतिक व्यक्तियों के आवागमन पर अध्याय के तहत लिंकेज मुद्दे
132	संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और चीन में रासायनिक विनियमों की प्रमुख विशेषताओं का तुलनात्मक अध्ययन

व्यापार और निवेश कानून केंद्र द्वारा अप्रैल 2019–मार्च 2020 के दौरान किए गए शोध

क्र.सं.	शीर्षक
133	पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चायना के ई–कॉमर्स कानून एवं साइबर सुरक्षा कानून और भारत के व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक, 2019 का तुलनात्मक विश्लेषण
134	मार्केट एक्सेस कमेटी में दालों पर मात्रात्मक प्रतिबंध संबंधी चर्चाओं पर सीटीआईएल की टिप्पणी
135	भारत–जापान सीईपीए के तहत सेवाओं के अध्याय में व्यापार के साथ ब्रांड उपयोग और रॉयल्टी भुगतान में संशोधित सेबी मानदंडों की संगतता पर राय।
136	दवाओं और उपभोज्य सामग्रियों के लिए विदेश व्यापार नीति 2015–20 के तहत एसईआईएस योजना की पात्रता पर राय।
137	राष्ट्रपति की घोषणा 9902 दिनांक 31 मई 2019 के माध्यम से सुरक्षा उपायों की छूट से भारत के अपवर्जन पर विवाद की पहल
138	निर्यात साख पर आईडब्ल्यूजी व्यवस्था के दायरे से कृषि क्षेत्र के स्पष्ट अपवर्जन से संबंधित प्रश्न
139	यूरोपीय संघ अंतरिम पंचाट प्रस्ताव के कृषि 2020 संस्करण का स्पष्ट अपवर्जन अंतर
140	विश्व व्यापार संगठन कानून पर सलाहकार केंद्र के लिए विचारार्थ विषय
141	अपीलीय समीक्षा डब्ल्यूटीओ के लिए कार्य प्रक्रिया
142	इलेक्ट्रॉनिक भुगतान सेवाओं के संबंध में भारत की गेट्स प्रतिबद्धताओं पर राय।
143	व्यापार और स्थिरता, भारत–यूरोपीय संघ व्यापार और निवेश वार्ताओं के संदर्भ में एक अध्ययन।
144	ड्राफ्ट रिपोर्ट भारत–यूरोपीय द्विपक्षीय व्यापार और निवेश वार्ताओं के विशिष्ट संदर्भ के साथ व्यापार स्थिरता के मुद्दों पर भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) की स्थितियों की एक विस्तृत जांच–पड़ताल प्रदान करती है।
145	भारत की गेट्स प्रतिबद्धताओं के साथ एनसीएमसी पारिस्थितिकी तंत्र में भाग लेने से वीजा को प्रतिबंधित करने की संगतता पर राय।
146	बहु–दलीय अंतरिम अपील पंचाट व्यवस्था पर भारत के बयान का प्रायोजन
147	यूरोपीय संघ के मुक्त व्यापार समझौते के टीएसडी अध्याय के तहत प्रावधानों से संबंधित कतिपय प्रश्नों पर नोट
148	भारत में सौर सेल्स और मॉड्यूल की विनिर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए एमएनआरई द्वारा प्रस्तावित योजना की डब्ल्यूटीओ संगतता पर संशोधित राय
149	निर्यात ऋण, जो आधिकारिक तौर पर समर्थित निर्यात ऋण पर ओईसीडी की मौजूदा व्यवस्था हेतु एक उत्तराधिकारी के लिए बातचीत कर रहा है
150	बैठक की रिपोर्ट – रीच पर चर्चा के लिए हेलसिंकी के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का दौरा
151	15 और 17 सितंबर 2020 को विश्व व्यापार संगठन में 7वीं व्यापार नीति की समीक्षा के लिए भारत सरकार की रिपोर्ट पर इनपुट
152	यूपीआई क्यूआर–कोड उपयोगकर्ताओं के लिए जीएसटी प्रोत्साहन की गेट्स संगतता पर राय
153	विश्व व्यापार संगठन में सूचना प्रौद्योगिकी–1 समझौते से बाहर निकलने पर संशोधित राय।
154	व्यापार में सेवाओं पर अध्याय में स्कोप पर अनुच्छेद में वित्तीय सेवाओं के बारे में पेरू के प्रस्तावित सम्मिलन पर राय
155	प्रस्तावित मीटीवाई योजनाओं की विश्व व्यापार संगठन की संगतता का विश्लेषण
156	जलीय पशु रोग और स्वास्थ्य प्रबंधन विधेयक, 2019 को एक अलग विधेयक के रूप में या मौजूदा विधानों में संशोधन के रूप में शामिल किया जाना
157	सुरक्षा उपायों के रूप में टीआरक्यू/क्यूआर से संबंधित सीमा शुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 में संशोधनों के संचालन पर प्रश्न
158	हार्मोनाइज्ड सिस्टम नोमेंक्लेचर (एचएस2022) के तहत संशोधनों के अनुसार स्मार्टफोन के वर्गीकरण पर राय
159	निरविक योजना की डब्ल्यूटीओ की स्थिरता

व्यापार और निवेश कानून केंद्र द्वारा अप्रैल 2019–मार्च 2020 के दौरान किए गए शोध

क्र.सं.	शीर्षक
160	एमएसएमई को निर्यात समता मूल्यों पर इनपुट स्टील उत्पाद प्रदान करने वाली योजना की विश्व व्यापार संगठन की संगतता का विश्लेषण करने वाली कानूनी राय
161	डब्ल्यूटीओ की संगत निर्यात सब्सिडी योजना पर कानूनी राय
162	अस्थायी कौशल अल्पता वीजा (उपवर्ग 482) के हकदार ऑस्ट्रेलिया की नई वीजा श्रेणी से संबंधित स्पष्टीकरण और चिंताएं
163	बांग्लादेश और भारत में माल भाड़ा ढुलाई क्षेत्र में एफडीआई पर ज्ञापन
164	कोविड–19 महामारी के दौरान खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता पर नोट
165	ऑडियो–विजुअल क्षेत्र में सुधार के लिए कार्रवाई बिंदु
166	दूरसंचार क्षेत्र में में सुधार के लिए कार्रवाई बिंदु
167	भारत और बांग्लादेश के एफडीआई शासन में माल भाड़ा ढुलाई सेवाओं पर स्पष्टीकरण
168	भारत–कनाडा सेवाएं व्यापार संवर्धन कार्य दल की स्थापना पर कार्य कार्यक्रम
169	डब्ल्यूटीओ ने विकास सुव्यवस्थित पाठ के लिए निवेश सुविधा पर संरचित चर्चा की
170	भारत के एफटीए के लिए मॉडल पाठ पर टिप्पणियाँ – व्यापार और स्वच्छता के लिए तकनीकी बाधाओं पर अध्याय और फाइटो–सेनेटरी उपाय।
171	निर्यात प्रतिस्पर्धा पर नैरोबी मंत्रिस्तरीय निर्णय के पैराग्राफ 9 से 11 के साथ परिवहन और विपणन सहायता समर्थन उपाय की संगति
172	आएसईएम योजना के तहत प्रस्तावित अतिरिक्त वरीयता के विश्व व्यापार संगठन की संगतता का विश्लेषण
173	कोविड–19 के आर्थिक पतन पर रिपोर्ट के लिए इनपुट– भारत के लिए सबक।
174	आर्किटेक्चर सेवाओं, अकाउंटेंसी सेवाओं, ऑडियो–विजुअल सेवाओं, दूरसंचार सेवाओं और कानूनी सेवाओं के लिए व्यावसायिक सुधार कार्य योजना।
175	गैट्स के अनुच्छेद 3 के तहत भारत द्वारा 2 अधिसूचनाओं का मसौदा {दूरसंचार सेवाएं और एलडीसीज के लिए वीजा शुल्क की छूट}
176	भारत की लाल रेखाओं के आधार पर भारत द्वारा प्रस्तावित डीआर पाठ का मसौदा
177	भारत–पेरू की चल रही व्यापार वार्ता के सेवा अध्याय में व्यापार में लैंडिंग जोन पर राय
178	भारत–कनाडा सेवा व्यापार संवर्धन कार्य दल की स्थापना पर कार्य कार्यक्रम का मसौदा
179	पेरू के एफटीए में पेरू की प्रतिबद्धताओं की मैपिंग
180	कोविड–19 महामारी के आलोक में भारत के खाद्य, कृषि और समुद्री निर्यात के प्रमाणन पर नोट
181	सेवा घरेलू विनियमन धारा 1 पर संदर्भ पत्र
182	डीएस585 के लिए भारत की प्रथम लिखित प्रस्तुति पर टिप्पणियाँ
183	सेवा अध्याय में व्यापार में पेरू द्वारा प्रस्तावित कतिपय लैंडिंग जोन पर राय
184	भारत–इंडोनेशिया वार्ता पर अनुवर्ती कानूनी राय {सुश्री इंदु नायर (निदेशक, एफटी (आसियान)) को भेजी गई} {यह राय श्री सुधांशु पांडे (सं.स.) को फरवरी में भेजी गई पिछली कानूनी राय पर अनुवर्ती प्रश्न पर यह राय भेजी गई थी।}
185	पेरू की अपने व्यापार समझौतों में प्रतिबद्धता का क्षेत्रवार विश्लेषण।
186	डीएस 547 के लिए भारत की द्वितीय लिखित प्रस्तुति पर टिप्पणियाँ

वर्ष 2019–2020 के दौरान व्यापार एवं निवेश कानून केंद्र (सीटीआईएल) द्वारा प्रायोजित/आयोजित कार्यक्रम

क्र.सं.	तिथि	कार्यक्रम का नाम	सहयोगी संस्थान
1	10 अप्रैल 2019	पांच सेवाओं; विधिक सेवाएं, विमान परिवहन और कूरियर सेवाओं में ''रेगुलेशन/रिस्ट्रेक्शन्स दैट इंपीड सर्विसेस ट्रेड इन एनी फार्म'' पर गोलमेज चर्चा	आईआईएफटी
2	11–13 जून 2019	''इंटरनेशनल ट्रेड लॉ, इंटरनेशनल इनवेस्टमेंट लॉ और ट्रीटी नेगोशिएशन्स'' पर प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम	वर्ल्ड ट्रेड इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूटीआई), बर्न
3	14 जून 2019	''इंटरनेशनल ट्रीटी नेगोशिएशन्स'' पर कार्यशाला	वाणिज्य विभाग
4	21 अगस्त 2019	रेगुलेटरी बैरियर्स एंड ट्रेड इन सर्विसेस – ए ग्लोबल पर्सपेक्टिव इन लीगल, एकांटिंग/ऑडिटिंग एंड आर्किटेचरल सर्विसेस पर गोलमेज चर्चा	आईआईएफटी
5	31 अगस्त 2019	दक्षिण एशिया, पटियाला में एफडीआई पर आरजीएनयूएल–सीटीआईएल मल्टीडिसप्लेनरी कांग्रेस	आरजीएनयूएल
6	06 सितम्बर 2019	''पैराडाइज लॉस्ट ऑर फाउंड?– द पोस्ट डब्ल्यूटीओ इंटरनेशनल लीगल आर्डर (उटोपियन एंड डाईस्टोपियन पासिबिलिटीज)'' पर चर्चा सत्र	साउथ एशिया इंटरनेशनल इकोनॉमिक लॉ नेटवर्क (सेल्न)
7	16 अक्टूबर 2019	रेगुलेटरी बैरियर्स एंड ट्रेड इन सर्विसेस – ए ग्लोबल पर्सपेक्टिव इन हैल्थ एंड एजुकेशन सर्विसेस पर गोलमेज चर्चा	आईआईएफटी
8	08 नवंबर 2019	रेगुलेटरी बैरियर्स एंड ट्रेड इन सर्विसेस – ए ग्लोबल पर्सपेक्टिव इन कंप्यूटर, टेलीकम्युनिकेशन, एंड इंजीनियरिंग सर्विसेस पर गोलमेज चर्चा	आईआईएफटी
9	15 नवंबर 2019	ग्लोबल ट्रेड एंड कस्टम्स जर्नल के इंडिया स्पेशल अंक का विमोचन और ''इंडिया इन द इंटरनेशनल इकोनॉमिक आर्डरः इश्यूज एंड पर्सपेक्टिव पर पैनल चर्चा	–
10	25 नवंबर 2019	मानचेस्टर जर्नल ऑफ द इंटरनेशनल इकोनॉमिक लॉ के विशेष अंक का विमोचन	यूनिवर्सिटी ऑफ पोर्ट्समाउथ एंड सेल्न
11	26 नवंबर 2019	सीटीआईएल ने आईएनबीए की 8वीं वार्षिक अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस प्रायोजित की	भारतीय राष्ट्रीय बार संघ
12	07 दिसंबर 2019	सीटीआईएल ने इंटरनेशनल ट्रेड एंड इनवेस्टमेंट लॉ पर दो पैनल चर्चाएं आयोजित कीं	इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ
13	09 जनवरी 2020	5 ईयर्स ऑफ मेक इन इंडियाः फाइनेंसियल इम्पलीकेशन्स एंड द रोड अहेड पर पैनल चर्चा	एनयूजेएस कोलकाता
14	13 जनवरी 2020	द फ्यूचर ऑफ ट्रेड डिसप्यूट सेटलमेंटः डब्ल्यूटीओ पैनल्स एंड द न्यू प्लूरिलेटरलिज्म पर चर्चा सत्र	यूनिवर्सिटी ऑफ वोलोनगोंग, आस्ट्रेलिया और सेल्न
15	15–16 जनवरी 2020	छठा अंतरराष्ट्रीय मानक शिखर सम्मेलन	सीआईआई
16	17 जनवरी 2020	सीटीआईएल ने इंटरनेशनल इनवेस्टमेंट आर्बिट्रेशन पर एक मास्टरक्लास का आयोजन किया	मुंबई अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र

17	18 जनवरी 2020	सीटीआईएल ने ''इंटरनेशनल इनवेस्टमेंट आर्बिट्रेशनः सेटिंग द स्टेज'' पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की	मुंबई अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र
18	05 फरवरी 2020	अंतरराष्ट्रीय व्यापार कानून पर सम्मेलन	डॉ राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी
19	12–16 फरवरी 2020	सीटीआईएल ने जीएनयूएल के साथ भागीदारी में गॉधीनगर, गुजरात में 12वां जीएनयूएल इंटरनेशनल मूट कोर्ट कंपीटीशन 2020 का आयोजन किया	जीएनयूएल
20	24 फरवरी 2020	''कैपेसिटी बिल्डिंग इन एक्सपोर्ट प्रमोशन'' पर प्रशिक्षण कार्यशाला	उ.प्र. निर्यात संवर्धन परिषद, उ.प्र. शासन और द पॉलिसी टाइम्स

वर्ष 2019–2020 के दौरान व्यापार एवं निवेश कानून केंद्र द्वारा किए गए प्रमुख अध्ययन

क्र.सं.	शीर्षक	विवरण
1	रासायनिक विनियम	सीटीआईएल ने रसायन और पेट्रो रसायन मंत्रालय के परामर्श से भारत के लिए रासायनिक सुरक्षा और प्रबंधन नियमों का मसौदा तैयार करने का कार्य किया।
2	ब्लू बॉक्स अध्ययन	सीटीआईएल चीनी क्षेत्र में एक ब्लू बॉक्स कार्यक्रम को अपनाने और अन्य विकल्पों को तलाशने पर खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग, उपभोक्ता कार्य मंत्रालय द्वारा गठित कार्यदल का हिस्सा था। सीटीआईएल ने ब्लू बॉक्स नीति उपायों की कानूनी व्याख्या में योगदान करके कार्यदल की रिपोर्ट तैयार करने में सहायता की।
3	घरेलू विनियम (सेवाएं)	सीटीआईएल को प्रस्तावित विषयों के साथ भारत की घरेलू व्यवस्था के अनुपालन की जांच का काम सौंपा गया था।
4	ई–कॉमर्स	सीटीआईएल ने उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा 23 फरवरी 2019 को जारी ड्राफ्ट नेशनल ई–कॉमर्स पॉलिसी के प्रारूपण के लिए डीपीआईआईटी के साथ सक्रिय रूप से काम किया।

वर्ष 2019–2020 के दौरान सीटीआईएल द्वारा आयोजित कार्यशाला/प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम

क्र.स.	विवरण	तिथि
1	''अंतरराष्ट्रीय व्यापार कानून, अंतरराष्ट्रीय निवेश कानून और संधि वार्ता'' पर प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम'	11–13 जून 2019
2	''अंतरराष्ट्रीय संधि वार्ता'' पर कार्यशाला	14 जून 2019
3	''निर्यात प्रोत्साहन में क्षमता निर्माण'' पर प्रशिक्षण कार्यशाला	24 फरवरी 2020

वर्ष 2019–2020 के दौरान किए गए स्टेकहोल्डर परामर्श

क्र.स.	कार्यक्रम	तिथि	स्थान
1	डब्ल्यूटीओ की लघु–मंत्रिस्तरीय बैठक	14 मई 2019	ओबेरॉय होटल, नई दिल्ली
2	सीआईआई की दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक	20 दिसंबर 2019	कोवालम, तिरूवनंतापुरम

MEETING ORGANIZED BY INSTITUTIONS OUTSIDE IIFT AND DOC, WHERE CTIL MEMBERS WERE INVITED TO SPEAK

(a) Dr. James J. Nedumpara, Professor & Head of CTIL

S. No	Topic and Organizing Institution	Date
1.	Paper presentation in the Law and Society Association conference in Washington DC.	29 May – 1 June 2019
2.	Paper Presentation at G-2 Conference in Geneva organized by the Georgetown University Law Centre and Graduate Institute of Geneva.	6-8 June 2019
3.	SAIELN's Second Biennial Conference on Law of the Blue Economy, in Thiruvananthapuram, Kerala.	28 July 2019
4.	International Conference on "Rethinking Global Governance in Trade and Investment: A Global Perspective" organized by Global Governance Studies in Brussels, Belgium.	30 Aug. 2019
5.	Conference on "The World Without the WTO" at the Kings College, London.	18-19 Oct. 2019
6.	Participation in 5th Global Exhibition on Services in Bangalore, Karnataka.	26-28 Nov. 2019
7.	8th Annual International Conference titled "70th Constitution Day" at The Shangri-La, Eros Hotel, New Delhi.	26 Nov. 2019

(b) Ms. Shiny Pradeep, Assistant Professor

S. No	Topic and Organizing Institution	Date
1.	SAIELN's Second Biennial Conference on Law of the Blue Economy, in Thiruvananthapuram, Kerala.	28 July 2019

(c) Mr. Satwik Shekhar, Assistant Professor/Consultant (Legal)

S. No	Topic and Organizing Institution	Date
1.	Conference on Legal Challenges to new business frontier on E-Commerce and Trade at NLSIU, Bangalore	7 May 2019
2.	Lecture on E-Commerce during Summer Course on International Law at ISIL	21 June 2019
3.	SAIELN's Second Biennial Conference on Law of the Blue Economy, in Thiruvananthapuram, Kerala	28 July 2019
4.	Lecture at International Workshop on International Commercial Law organised by Panjab University Regional Centre, Ludhiana	30 Aug. 2019

(d) Research Team

S. No	Topic and Organizing Institution	Participant(s)	Date
1.	Paper Presentation on Adjudicating Cryptocurrencies at the WTO: Potential Threshold, Substantive and Compliance Issues' at the Workshop on 'International Economic Law in the Era of Distributed Ledger Technology in Turin, Italy	Mr. Prakhar Bhardwaj, Senior Research Fellow & Mr. Sandeep Thomas Chandy (Former Research Fellow)	9-10 April 2019

2.	SAIELN's Second Biennial Conference on Law of the Blue Economy, in Thiruvananthapuram, Kerala	Ms. Aparna Bhattacharya, Senior Research Fellow & Mr. Anupal Dasgupta (Former Research Fellow)	28 July 2019
3.	Conference on Public Health and Global Governance of Alcohol in Melbourne, Australia	Ms. Sparsha Janardhan, Senior Research Fellow	30 Sept. – 3 Oct. 2019

निगमित संबंध एवं नियोजन विभाग

अंतिम नियुक्तियां

आईआईएफटी ने परिसर में 125 से अधिक कंपनियों की रिकॉर्ड मेजवानी के साथ अपने सबसे बड़े बैच के अंतिम प्लेसमेंट को देखा। प्रति वर्ष 75 लाख की चौंका देने वाली उच्चतम पेशकश के साथ, औसत पैकेज बढ़कर वार्षिक तौर पर ₹20.48 एलपीए हो गया और औसत ₹18.2 एलपीए तक बढ़ गया। इस वर्ष बैच आकार में 14 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद औसत पैकेज में मामूली वृद्धि देखी गई। समर इंटर्नशिप के बाद नए और पुराने दोनों प्रतिष्ठित भर्तीकर्ताओं से बैच के 28 प्रतिशत उम्मीदवारों को सम्मानित प्रि–प्लेसमेंट ऑफर मिले।

इस साल आईआईएफटी से जुड़ी 41 नई कंपनियों में मैकिन्से एंड कंपनी, रेकिट बेंकिजर, स्टार ग्लोबल, वेस्टर्न डिजिटल, मीडिया.नेट, एक्सिस बैंक, बोस्टन साइंटिफिक, टाटा इंटरनेशनल, बीईएमएल, वर्चुसा, पोलस्टार सॉल्यूशंस, एचएमएस बर्गबाऊ एजी, आरबीएल बैंक, टेक महिंद्रा, बीओडी कंसल्टिंग, निन्जाकार्ट, न्यूजेन सॉफ्टवेयर, आईजीटी सॉल्यूशंस, जेमिनी सॉल्यूशंस, क्रेमिका और मल्टिक्स जैसे कुछ सबसे बड़े संगठन शामिल थे।

बीएफएसआई क्षेत्र में, पहली बार भर्ती करने वालों में से एचडीएफसी बैंक और फेडरल बैंक थे। मार्की भर्तीकर्ता जैसे गोल्डमैन सॉक्स, जेपी मॉर्गन और चेस, डी.ई. शॉ, यस बैंक, सिटी बैंक, एचएसबीसी ग्लोबल बैंकिंग और मार्केट्स, एपिकइन्डीफी, एलएंडटी, इंडस वैली पार्टनर्स और समुन्नति फाइनेंस ने आईआईएफटी के टैलेंट पूल में अपना विश्वास बनाए रखा।

बिक्री और विपणन क्षेत्र में, हमारे विरासत भर्तीकर्ताओं में डाबर, आईटीसी, लोरियल, बजाज ऑटो, शेल, पिडिलाइट, फ्लिपकार्ट, अमेजन, वेस्टर्न डिजिटल, टाटा ग्लोबल बेवरेजेज लिमिटेड, फिलिप्स, सिग्नलाइज, टाटा स्टील, आदित्य बिड़ला फैशन रिटेल लिमिटेड मारूति सुजुकी, क्रेमिका, डेल, एपिकइंडिफी, गेम्स 24ग7, गूगल, हीरो इलेक्ट्रॉनिक्स, हीरो माटोकॉर्प, एचटी मीडिया, एलएंडी, रेमंड, टाटा स्काई, टाटा कंसल्टेंसी सर्विस, टीवीएस और राम ग्रुप शामिल हैं।

रणनीति और परामर्श में शीर्ष भर्तीकर्ताओं में मैकिन्से एंड कंपनी, रोलैंड बर्जर, बैन एंड कंपनी, कॉग्निजेंट बिजनेस कंसल्टिंग, माइकल पेज और इंफोसिस मैनेजमेंट कंसल्टिंग शामिल थे।

आईआईएफटी ने पुनः व्यापार में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की जब एपिकल ग्रुप, ईटीजी, ओलम, तोलाराम, ट्रैफिगुरा, एन्हांस ग्रुप, आर्चर डेनियल्स मिडलैंड, टाटा इंटरनेशनल और लुइस ड्रेफस कंपनी जैसे प्रतिष्ठित भर्तीकर्ताओं ने एक बार फिर से परिसर का दौरा किया और विदेशों में सम्मानित भूमिकाएं पेश कीं।

शेल, निन्जाकार्ट, मर्सक लाइन, टाटा स्टील, जेनपैक्ट और विक्रम सोलर शीर्ष भर्तीकर्ताओं या उनकी मुख्य आपूर्ति श्रृंखला और संचालन भूमिकाओं में से एक थे। एयरटेल, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, महिन्द्रा, फ्लिपकार्ट और रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सामान्य प्रबंधन क्षेत्र में अपने प्रतिष्ठित प्रबंधन प्रशिक्षार्थी की भूमिका के लिए आईआईएफटी में अपना विश्वास बनाए रखा। लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में दिल्लीवेरी और क्विकराइड पहली बार जुड़े।

आईटी, उत्पाद प्रबंधन और व्यवसाय विकास के लिए, आईआईएफटी ने माइक्रोसॉफ्ट, गो एमएमटी, एपिकइंडिफी, मीडिया.नेट, कॉग्निजेंट बिजनेस कंसल्टिंग, जेनपेक्ट, ऑफबिजनेस, पोलस्टार, एक्सिट्रया, हेक्सावेयर, एचसीएल, टेक महिंद्रा, आईबीएम, जेस्टमनी, विप्रो और कैपजेमिनी जैसे उद्योग दिग्गजों के साथ अपना जुड़ाव जारी रखा।

कॉर्पोरेट संबंध तथा नियोजन विभाग के प्रमुख डॉ. रोहित मेहतानी ने एक बयान में कहा, "वर्ष 2018–20 के अब तक के सबसे बड़े बैच का विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों में नियोजन किया गया है। यह सफल प्लेसमेंट आईआईएफटी के लिए अपने छात्रों की कठोर शैक्षणिक भागीदारी और पेशेवर प्रदर्शन का एक वसीयतनामा है।"

आईआईएफटी के निदेशक डॉ. मनोज पंत ने पुराने और नए भर्तीकताओं का आईआईएफटी और इसके छात्रों में उनके निरंतर समर्थन और विश्वास के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने आईआईएफटी का अपनी छात्र गुणवत्ता में गौरव की पुष्टि की जो एक कठोर पाठ्यक्रम पाठ्यचर्या, विश्व स्तरीय संकाय और निरंतर उद्योग प्रदर्शन के माध्यम से समग्र रूप से पोषित है।

आईआईएफटी इस अवसर पर अपने पूर्व छात्रों का प्लेसमेंट दौर के दौरान उनके अथक समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता है और आगामी दौर में इसे लगातार बनाए रखने की आशा करता है।

ग्रीष्मकालीन नियोजन

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) ने वर्ष 2019–21 के बैच के लिए अपने ग्रीष्मकालीन नियोजन को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। आईआईएफटी में अब तक के सबसे बड़े बैच का 96 कंपनियों में नियोजन किया गया। इस वर्ष, औसत पारिश्रमिक 13.5 प्रतिशत बढ़ा। जबकि उच्चतम पारिश्रमिक की पेशकश ₹3,20,000 थी। संस्थान के एक बयान के अनुसार, बैच के शीर्ष 50 प्रतिशत का पूरे 2 महीने की अवधि के लिए औसत पारिश्रमिक ₹2,42,000 था।

इस साल ₹2,00,000 से अधिक के औसत पारिश्रमिक वाली कंपनियों की संख्या में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इस नियोजन के अन्य मुख्य आकर्षण में पहली बार आईआईएफटी पर आने वाले 42 नए ब्रांड शामिल हैं। एक बड़ी उपलब्धि में, 27 प्रतिशत बैच को बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा क्षेत्र में नियोजित किया गया है। समर इंटर्नशिप प्लेसमेंट प्रक्रिया के लिए हमारे परिसर का दौरा करने वाले अग्रणी ब्रांड की संख्या में काफी वृद्धि हुई है।

आईआईएफटी के निदेशक प्रो. मनोज पंत ने कहा, ''हम अपने पुराने और नए भर्तीकर्ताओं के आईआईएफटी और उसके छात्रों में उनके निरंतर समर्थन और विश्वास के लिए आभारी हैं। आईआईएफटी अपनी छात्र गुणवत्ता पर गर्व करता रहेगा जो जो एक कठोर पाठ्यक्रम पाठ्यचर्या, विश्व स्तरीय संकाय और निरंतर उद्योग प्रदर्शन के माध्यम से समग्र रूप से पोषित है।

आदित्य बिड़ला समूह का लीडरशिप एसोसिएट प्रोग्राम (एलईएपी), हिंदुस्तान कोका–कोला बेवरेजेस का गोल्डन थ्रेशहोल्ड प्रोग्राम, एचयूएल का यूनीलीवर लीडरशिप इंटर्नशिप प्रोग्राम (यूएलआईपी) और डीई शॉ का वित्तीय संचालन कार्यक्रम जैसे प्रतिष्ठित नेतृत्व कार्यक्रम और नई भूमिकाएं पहली बार परिसर में शुरू किए गए।

बिक्री और विपणन क्षेत्र में, डॉबर, जीआईएलएसी, गूगल, हल्दीराम, हिंदुस्तान कोका कोला बेवरेजेस, एचयूएल, आईटीसी, लोरियल, टाटा ग्लोबल बेवरेजेस लिमिटेड जैसे एफएमसीजी ने भर्ती का नेतृत्व करते हुए बैच को कई ऑफर दिए।

एक बयान में कहा गया है कि आदित्य बिड़ला फैशन रिटेल लिमिटेड, अक्ज्नोबेल, एमवे, बजाज ऑटो, बीएमडब्ल्यू, ब्रिलियो, कैपजेमिनी, सीयूएमआई, डीसीएम, श्रीराम, डेकाथलॉन, इपिकइंडीफी, हल्दीराम, हीरो इलेक्ट्रॉनिक्स, हीरो मोटरकॉर्प, एचटी मीडिया, एलएंडटी, ऑफबिजनेस, रेमंड्स, आरपीजी, शिंडलर, शैल, सिगनिफाई, टाटा मेटालिक्स, टाटा स्काई, टाटा कंसल्टेंसी सर्विस, टाइटन, यूनाइटेड फॉस्फोरस लिमिटेड, वैल्यूलैब्स, वीआईपी इंडस्ट्रीज, वेलस्पन और विप्रो ने भी बिक्री तथा विपणन क्षेत्र में कई तरह की भूमिकाएँ पेश की हैं।

बीएफएसआई क्षेत्र में, आईआईएफटी छात्रों के लिए निवेश बैंकिंग, खुदरा बैंकिंग, व्यापार वित्त, फिनटेक, वित्तीय परामर्श और कॉर्पोरेट वित्त में भूमिकाएं शुरू की गईं। भर्तीकर्ताओं में एडक्वेस्ट कैपिटल, अपोलो टायर्स, बीरा91, बीएमडब्ल्यू, सिटी बैंक, क्रिसिल, डीसीएम श्रीराम, डीई शॉ, डिस्कवर फाइनेंशियल सर्विसेज, डफ एंड फेल्प्स, जनरल इलेक्ट्रिक, गोल्डमैन सॉक्स, एचएसबीसी, आईसीआईसीआई बैंक, जेपी मॉर्गन चेस, लोन अड्डा, सिल्वरडेल, एसआरईआई, सिनर्जी कंसल्टिंग, टॉफी इंश्योरेंस, ट्रेसविस्टा और स्विगी में भूमिका मिली।

आदित्य बिड़ला समूह, एयरटेल, एक्सिस बैंक, महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आरपीजी आदि ने अपने प्रतिष्ठित सामान्य प्रबंधन कार्यक्रमों के लिए छात्रों की भर्ती की।

आईटी में, आईआईएफटी ने ब्रिलियो, ड्रूम, फोरब्रिक टेक्नोलॉजी, जेनपैक्ट, गूगल, हेक्सावेयर, लेजरकेन, माइक्रोसॉफ्ट, विप्रो और कैपजेमिनी जैसे उद्योग के अग्रणियों के साथ अपना जुड़ाव जारी रखा।

आईआईएफटी ने फार्मा और हेल्थकेयर क्षेत्र की कई कंपनियों जैसे एमवे, सिपला, एली लिली, जीएसके कंज्यूमर हेल्थकेयर, मेडट्रॉनिक, ओमनीएक्टिव्स, फिलिप्स हेल्थकेयर और सनोफी के साथ भी जुड़ाव देखा जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में पेशकश की।

व्यापार और संचालन आधारित कंपनियों की भागीदारी भी प्लेसमेंट के लिए परिसर का दौरा करने वाले बेक्टन डिकिंसन, कॉगोपोर्ट, ड्रूम, फील्ड फ्रेश, जेमिनीकॉर्प, लुइस ड्रेफस कंपनी, मर्सक लाइन, निन्जाकार्ट, ऑफ बिजनेस, वीआईपी इंडस्ट्रीज, टाटा इंटरनेशनल और यूनाइटेड फॉस्फोरस लिमिटेड जैसी कंपनियों के साथ मजबूत रही।

सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम

वर्ष 2005 में, सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया गया था। संस्थान के पूर्णकालिक कार्यक्रम एमबीए (आईबी) के छात्रों को सामाजिक रूप से प्रासंगिक मुद्दों में पहल करने और उन्हें समाज के वंचित वर्गों द्वारा सामना की गई चुनौतियों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए यह प्रमुख कार्यक्रम है। चूंकि कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के विनियामक प्रावधानों के तहत कॉर्पोरेट क्षेत्र के लिए दायित्व हैं, अतः वे इस कार्यक्रम के तहत हमारे छात्रों को दिए गए कार्य को महत्व देते हैं। इस कार्यक्रम के तहत हमारे पास लगभग 47 एनजीओ/कॉर्पोरेट घराने हैं।

पाठ्यचर्या में इस कार्यक्रम के महत्व पर जोर देने के लिए, 3–क्रेडिट का भार सौंपा गया है। इस कार्यक्रम के तहत छात्रों को एनजीओ/कॉर्पोरेट घरानों द्वारा उन्हें सौंपे गए एक वास्तविक जीवन परियोजना पर काम करना आवश्यक है जिसके लिए उनका बाद में मूल्यांकन किया जाता है।

इसकी शुरूआत के बाद से 3100 से अधिक छात्रों को कार्यक्रम से लाभ हुआ है। छात्रों को संबंधित एनजीओ/संगठन द्वारा सौंपे गए लाइव प्रोजेक्ट कार्य पर काम करने का अवसर मिलता है। कुछ प्रमुख सामाजिक क्षेत्र जहां हमारे छात्रों ने कार्य किया है, वे हैं पर्यावरण और सामुदायिक विकास, जल प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन और पुनर्चक्रण, साक्षरता, स्वच्छता, एचआईवी/एड्स जागरूकता, बच्चों की शिक्षा, वंचित बुजुर्गों का कल्याण, स्वास्थ्य, बेघरों के लिए आश्रय, सामुदायिक विकास, विकलांगता, महिला सशक्तीकरण, कन्या भ्रूण हत्या को रोकना, बच्चा गोद लेना आदि।

इस वर्ष छात्रों को दिल्ली और कोलकाता में लगभग 36 एनजीओ और 9 कॉर्पोरेट घरानों में संबद्ध किया गया था। आईआईएफटी अपनी पाठ्यचर्या के अभिन्न अंग के रूप में सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम के लिए प्रतिबद्ध है।

छात्र गतिविधियाँ 2019–20

आईआईएफटी दिल्ली में 2019–20 की गतिविधियाँ

ट्रेड विंड्स 2019

विषयः निजीकरण युगः ग्राहक केंद्रित व्यवसायों का उदय

ट्रेड विंड्स के बारे में:

ट्रेड विंड्स आईआईएफटी का वार्षिक व्यवसाय शिखर सम्मेलन है जो आईआईएफटी के छात्रों को उद्योग के साथ–साथ विभिन्न सम्मानित अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिष्ठित पेशेवरों के साथ बातचीत करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। ट्रेड विंड्स के माध्यम से, छात्र और उद्योग विशेषज्ञ बाजार की प्रवृत्तियों से लेकर जटिल उद्योग समस्याओं के प्रबंधन तक की पैनल चर्चाओं में व्यस्त रहते हैं। ये सत्र हमारे छात्रों को अपने विस्टा को व्यापक बनाने तथा अंतरराष्ट्रीय व्यवसायों के बहुआयामी डोमेन के संपर्क में आने का मौका प्रदान करते हैं और साथ ही, शीर्ष नेताओं के लिए देश के आगामी युवाओं और 21वीं सदी की शुरूआत के युवा वयस्कों के साथ जुड़ने के लिए एक द्वार के रूप में कार्य करते हैं।

उद्घाटन सत्र

श्री वी.एस. कृष्णन, राष्ट्रीय नेता, कर और आर्थिक नीति समूह, ईवाई ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र की शोभा बढ़ाई।

अपने उद्घाटन भाषण की शुरुआत करते हुए, श्री वी.एस. कृष्णन ने भारत की प्रारंभिक कठोर कर व्यवस्था के बारे में स्मरण कराया और उपभोक्तावाद के उदय पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि उपभोक्ता क्षेत्र में नई प्रगतिशील कर व्यवस्था का नियत समय में नए सिरे से विकास कैसे होगा और कैसे मात्र उपभोक्तावाद का युग तेजी से निजीकरण के युग की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कर विभाग के भीतर अधिक समन्वय के प्रभाव और आधार का उपयोग भारतीय अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों में दिलचस्प प्रभाव पैदा करेगा।

राष्ट्रीय डिजिटल शिखर सम्मेलनः

जविषयः मशीन लर्निंग और एआई के युग में निजीकरण

1. श्री डेल वाज, हेड ऑफ इंजीनियरिंग एंड एआई, स्विगी
2. श्री मधुर अरोड़ा, बिजनेस यूनिट लीड, गूगल
3. श्री अभिषेक गुप्ता, सहायक वीपी – एआई और एमएल, एक्सिस बैंक
4. श्री हिमांशु दत्त, वीपी और ग्राहक सफलता के प्रमुख – डिजिटल लेंडिंग, डीएमआई कंज्यूमर क्रेडिट प्रा. लिमिटेड
5. सुश्री अलका डागर, लीड डेटा वैज्ञानिक, एसएंडपी ग्लोबल

टेक्टोनिक्स, सिस्टेमिक्स की वार्षिक पत्रिकाः द सिस्टम्स कंसल्टिंग, ई–कॉमर्स और आईआईएफटी में एसएमएसी क्लब, ट्रेड विंड्स 2019 का राष्ट्रीय डिजिटल शिखर सम्मेलन के दौरान अनावरण किया गया। इस पत्रिका के माध्यम से, क्लब के सदस्य और आईआईएफटी के छात्र प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवीनतम व्यवधान पर अपनी राय रखते हैं।

- श्री अभिषेक गुप्ता, सहायक वीपी – व्यापार वित्त, ट्रेड विंड्स 2019 में डिजिटल शिखर सम्मेलन के एक भाग के रूप में एक्सिस बैंक, श्री गुप्ता ने बैंकिंग क्षेत्र में निजीकरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की।
- श्री गुप्ता ने बताया कि किस प्रकार प्रौद्योगिकी ने भौतिक शाखाओं को प्रतिस्थापित किया है और भविष्य में ग्राहकों की संतुष्टि को सुनिश्चित करने के लिए एआई कैसे निर्धारित कारक होगा। श्री गुप्ता ने नवाचार नेताओं गूगल और अमेजॅन का उदाहरण देते हुए कहा कि वे उपभोक्ता मांगों को पूरा करने के लिए एआई का उपयोग कर रहे हैं और कैसे वह उपभोक्ता के खरीदने के स्वरूपों को बदल रहा है। श्री गुप्ता ने संगठनों द्वारा पूरे किए जा रहे खरीद स्वरूपों के इरादे के साथ ''वैयक्तिकरण 2.0'' और हाइपर–वैयक्तिकरण के साथ–साथ निजीकरण के भविष्य पर भी प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय संचालन शिखर सम्मेलनः

विषयः निजीकृत युग में आपूर्ति श्रृंखला पुनर्विचार

1. श्री ध्रुव अग्रवाल, सह–संस्थापक, शिप्सी
2. श्री अभय चिदड़ी, निदेशक, डिस्कवर इंडिया पैकेजिंग
3. श्री शिव शैलेन्द्रन, प्रमुख – संचालन, उबर

श्री ध्रुव अग्रवाल, सह–संस्थापक, शिप्सी ने इस बारे में बात की कि कैसे शिप्सी निजीकरण के लिए आपूर्ति श्रृंखला तैयार कर रही है और कैसे प्रमुख डिलिवरेबल्स के अनुसार संगठन अपनी आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ कर रहे हैं। "आपूर्ति श्रृंखला में बहुत सारे बदलाव हो रहे हैं क्योंकि यह अधिक मांग–चालित एवं ग्राहक–केंद्रित हो गई है और नवाचार के लिए कोई सीमा नहीं है। प्रौद्योगिकी आधुनिक आपूर्ति श्रृंखला को वास्तविक दुनिया के परिदृश्य में त्वरित और बेहतर निर्णय लेने में मदद करने के लिए एआई के साथ अधिक डेटा–चालित होने में सहायता कर सकती है", यह उन्होंने भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी), नई दिल्ली और कोलकाता में ट्रेड विंड्स के हिस्से के रूप में आयोजित राष्ट्रीय संचालन शिखर सम्मेलन के दौरान कहा।

श्री अभय चिदड़ी, निदेशक, डिस्कवर इंडिया पैकेजिंग ट्रेड विंड्स 2019 के प्रथम दिवस पर राष्ट्रीय संचालन शिखर सम्मेलन में। श्री चिदड़ी ने यह स्मरण कराते हुए शुरूआत की कि हम उस समय से कितनी दूर आ गए हैं जब एक वाहन की खरीद के लिए लंबी प्रतीक्षा अवधि की आवश्यकता होती थी और निजीकरण मौजूद नहीं था। हालांकि, आज, आपूर्ति श्रृंखला और उत्पादन प्रणाली तेजी से अधिक कुशल हो गए हैं। उन्होंने यह कई व्यावहारिक उदाहरणों के साथ स्पष्ट किया कि कैसे आईओटी ने उच्च निजीकरण के लिए इन मौजूदा प्रणालियों में मूल्य जोड़ा है।

राष्ट्रीय वित्त शिखर सम्मेलनः

विषयः वित्तीय सेवाओं में निजीकरण को प्रोत्साहित करने वाला नवाचार

1. श्री संजय खन्ना, वरिष्ठ नेता, फॉर्च्यून 100 कंपनी
2. श्री राजीव पी पवार, समूह प्रमुख – बैलेंस शीट प्रबंधन और निवेश, एडलवाइस फाइनेंशियल सर्विसेज
3. सुश्री रुचिता तनेजा अग्रवाल, प्रमुख – व्यवसाय विकास और रणनीति, क्लिक्स कैपिटल
4. श्री गोपाल मेनन, सीओओ और सीएफओ, एक्सिस एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड
5. श्री अमितेश सिन्हा, वित्त प्रमुख, लिंक्डइन
6. श्री समीर सेकसरिया, वीपी और भारत संचालन प्रमुख, फ्रैंकलिन टेम्पलटन इनवेस्टमेंट्स

- श्री गोपाल मेनन, सीओओ और सीएफओ, एक्सिस एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने वित्तीय सेवाओं की सभी श्रेणियों में उत्पाद नवाचार और निजीकरण के बारे में बात की।
- उन्होंने कई विषयों जिनमें व्यक्तिगत ट्रिगर (यथा ग्राहकों के साथ उनके जन्मदिन पर संचार), व्यवस्थित निकासी, चैटबॉट्स तथा रोबोट प्रक्रिया स्वचालन शामिल हैं, जो रोबोट सलाहकार प्लेटफॉर्म तक सीमित नहीं थे, पर बात की। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत केंद्रीकृत ई–केवाईसी करने वाला पहला देश है और इसने वित्तीय सेवाओं में नए ग्राहकों को जोड़ने की आसानी को बढ़ा दिया है। ''आखिरकार यह सरल उत्पादों को बनाने के बारे में है जो लोगों की जरूरतों के आधार पर लोगों को समझ आता है।''

राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलनः

विषयः अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अनुकूलनः जोखिम और अवसर

1. श्री अनुज अग्रवाल, कॉफी – हेड, भारत, लुइस ड्रेफस कंपनी
2. श्री माहिम शर्मा, शिपिंग और लॉजिस्टिक हेड, ग्लेनकोर एग्रीकल्चर
3. श्री हितेश जैन, निदेशक, फर्स्ट मेटल कॉर्प
4. श्री जगज्योत सिंह, सीईओ, ग्रेट वॉल ग्रुप

मॉडरेटरः डॉ. राम सिंह, आईआईएफटी संकाय

- श्री अनुज अग्रवाल, कॉफी – प्रमुख, भारत, लुई ड्रेफस, श्री अनुज अग्रवाल ने इस बात से शुरुआत की कि कैसे अनुकूलन हमेशा अंतरराष्ट्रीय व्यापार का एक महत्वपूर्ण कारक रहा है और इसने व्यापार प्रवाह को कैसे प्रभावित किया है।
- उन्होंने बड़े पैमाने पर अनुकूलन में भाग लिया और अनुकूलित व्यापार के संबंध में कॉफी और चीनी व्यापार के रोचक उदाहरण दिए। उन्होंने गहन चिंतन करते हुए कहा कि ''कॉफी कच्चे माल तथा एक निर्मित माल के बीच की वस्तु है और नए व्यापार प्रवाह एवं बाजार में अस्थिरता जैसे कॉफी व्यापार से जुड़े बहुत सारे अवसर और चुनौतियां हैं।''
- उन्होंने बहाव के अवसरों, उद्योग में नवाचार, स्थिरता और उपभोक्ता जागरूकता पर कंपनियों के फोकस के बारे में भी बात की। उन्होंने अनुकूलन और उपभोक्ता अंतर्दृष्टि में प्रौद्योगिकी की भूमिका और ब्लॉकचेन का महत्व काफी हद तक नवजात होने के बावजूद आगे बढ़ रहा है, पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय विपणन शिखर सम्मेलनः

विषयः अत्यंत निजीकरण के युग में ब्रांड लॉयल्टी का निर्माण – ई–कॉमर्स से मी– कॉमर्स में बदलाव

1. सुश्री श्रेया दासगुप्ता, प्रबंधक, उपभोक्ता और विपणन अंतदृ ष्टि, यूनिलीवर
2. श्री समीर यादव, मार्केटिंग मैनेजर, चॉकलेट्स डिविजन, मोंडेलेज
3. श्री रजत माथुर, प्रमुख, ग्रुप लॉयल्टी मार्केटिंग एंड कस्टमर एनालिटिक्स, फ्यूचर ग्रुप
4. श्री बिक्रमजीत सिंह, लीड, डिजिटल मार्केटिंग और ई–कॉमर्स, गुडरिक ग्रुप

मॉडरेटरः श्री आदित्य गोयल, सह–संस्थापक, लव इन स्टोर (आईआईएफटी पूर्व छात्र)

- श्री समीर यादव, मार्केटिंग मैनेजर, चॉकलेट्स डिविजन, मोंडेलेज। श्री यादव ने अपना संबोधन शुरू करते हुए कहा कि निजीकरण वास्तव में कैसे एक नई अवधारणा नहीं है, लेकिन यह काफी समय से है।
- ''उपभोक्ताओं के दृष्टिकोण से निजीकरण की जरूरत ही नहीं है, वरन् यह व्यापारियों और खुदरा विक्रेताओं के लिए ही आवश्यक है। क्या करना है तथा क्या नहीं करना है, के संबंध में निजीकरण की समझ विकसित और उभर रही है। उन्होंने कहा कि एक आकार सभी के लिए फिट नहीं होता है, अतः विशेष रूप से डिजिटल प्लेटफॉर्म में बेहतर आरओआई और रूपांतरण के लिए हमें विशिष्ट समूहों को संदेश भेजने के लिए विशेष रूप से अनुरूप संदेश की जरूरत है''।
- उन्होंने बड़े पैमाने पर निजीकरण की आवश्यकता एवं इसे मापने और अनुकूलित करने के महत्व के बारे में विचार रखकर अपना संबोधन संपन्न किया।

राष्ट्रीय नेतृत्व शिखर सम्मेलनः

विषयः कॉर्पोरेट रणनीति के साथ बड़े पैमाने पर अनुकूलन करना

1. श्री करण बहल, वरिष्ठ सलाहकार, ईवाई
2. श्री कृष्ण कौशल, वरिष्ठ प्रबंधक, कोलेबेरा
3. श्री सायांतन चटर्जी, निदेशक, पीडब्लूसी

4. श्री अरिंदम मुखोपाध्याय, वीपी, गार्टनर
5. सुश्री इरा गिलानी, निदेशक, गोल्डरेट
6. श्री दीपक भारद्वाज, वीपी, सैमसंग

- श्री अरिंदम मुखोपाध्याय, वीपी, गार्टनर। श्री मुखोपाध्याय ने अपने संबोधन की शुरुआत यह परिभाषित कर की कि उत्पाद निजीकरण व्यक्ति विशेष ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि कंपनी को बाजार में प्रतिस्पध र्ात्मक लाभ हो और साथ ही कंपनी अपने ग्राहकों के साथ व्यक्तिगत रूप से जुड़ सके।
- उन्होंने कहा कि ''उत्पाद को मॉड्यूलर कैसे बनाया जाए, यह ध्यान में रखते हुए इसे अनुकूलित करना है। हमें ग्राहकों के लिए रास्ते भी बनाने होंगे, ताकि वे उन विशेष आवश्यकताओं का चयन कर सकें, जो उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने वाले उत्पादों को प्रदर्शित करते हैं''। उन्होंने आगे कहा कि उत्पाद के निजीकरण को विभिन्न कार्यक्षेत्रों में कैसे लागू किया गया है और कैसे निजीकरण की अवधारणा को हमेशा उत्पाद पर ही नहीं, बल्कि डिजिटल पहलू पर भी लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने आपूर्ति श्रृंखला पर उत्पाद निजीकरण के प्रभाव को भी उजागर किया।

टेडेक्स आईआईएफटी दिल्ली 2019

आईआईएफटी दिल्ली की मीडिया समिति ने अपना मार्की आयोजन अर्थात टेडेक्स आईआईएफटी दिल्ली 2019 को प्रस्तुत किया। टेडेक्स आईआईएफटी दिल्ली 2019 के पांचवें संस्करण का विषय था – ड्रीम, डिजायर, डिस्कवर'' और इसका आयोजन 19 अक्टूबर को किया गया था।

प्रख्यात वक्ताओं में शामिल थे –

1. जनरल बिक्रम सिंह – पूर्व थल सेनाध्यक्ष
2. रोहन राठौर – एक इक्विटी रिसर्च स्टार्टअप के संस्थापक
3. पंकज भदौरिया – मास्टरशेफ इंडिया के विजेता
4. दिपांशु पराशर – सबसे युवा भारतीय साइबर सुरक्षा लेखक
5. वाणी त्रिपाठी – बोर्ड सदस्य, सीबीएफसी और पूर्व सचिव, भाजपा
6. अश्विन सांघी – सर्वश्रेष्ठ बिक्री लेखक
7. ओमायर तारिक – द स्क्रिब्ल्ड स्टोरीज के सह–संस्थापक
8. हिमांशु बख्शी – कॉर्पोरेट लीडर और प्रेरक वक्ता
9. राधिका बोस – फिटनेस और जीवन शैली प्रभावित कर्ता
10. दिव्यांश मुंदरा – लेखक और लोकप्रिय क्वोरा लेखक

चौसर – राष्ट्रीय परामर्श कॉन्क्लेव 2019

आईआईएफटी ने पहली बार परामर्श के क्षेत्र के आसपास केंद्रित एक नोवल कॉन्क्लेव की मेजबानी की।

चौसर की शुरुआत एक राष्ट्रीय मामला अध्ययन प्रतियोगिता के साथ हुई, जिसमें देश के 25 विभिन्न संस्थानों के छात्रों ने भाग लिया, इसके बाद निम्नलिखित डोमेन में उद्योग के दिग्गजों द्वारा चार कार्यशालाएं आयोजित की गईं:

- रणनीति परामर्श
- संचालन परामर्श
- वित्तीय सलाहकार परामर्श
- आईटी परामर्श

चौसर 12–13 अक्टूबर 2019 को आयोजित किया गया था और इसमें छात्रों की उत्साहजनक भागीदारी देखी गई। इसने आईआईएफटी को परामर्श हेतु स्वयं को एक केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद की, जहां संगठन व्यवसाय की समस्याओं के समाधान के लिए देश में सर्वश्रेष्ठ बुद्धिमान व्यक्तियों का पता लगाने के लिए देख सकते हैं।

कौशल विकास पहल

व्यापार विश्लेषिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम

सर्टिफाइड बिजनेस एनालिटिक्स प्रैक्टिशनर (सीबीएपी) कोर्स जो प्रतिभागियों को आर और एडवांस्ड एक्सेल जैसे लोकप्रिय एनालिटिक्स टूल्स का उपयोग करके व्यावसायिक समस्याओं का पता लगाने + विश्लेषण करने + हल करने के लिए सुसज्जित करता है।

आयोजक: हेनरी हार्विन संस्थान, दिनांक: 16 – 21 अक्टूबर 2019

बोर्स गेम – एक विदेशी मुद्रा सिम्युलेटर

बोर्स गेम एक व्यापारिक सिम्युलेटर है जो व्यावहारिक हैंड्स ऑन प्रशिक्षण के लिए विदेशी मुद्रा बाजार का सिमुलेशन प्रदान करता है, जिसमें विश्व की सभी प्रमुख मुद्राओं की विशेषता होती है।

आयोजक: न्यूरल टेक्नोलॉजीज एंड सॉफ्टवेयर, दिनांक: 19 – 20 अक्टूबर 2019

मशीन लर्निंग का उपयोग करते हुए मांग की योजना

डेम–सेन्स मांग योजना और बिक्री पूर्वानुमान के लिए क्लाउड होस्टेड एमएल प्लेटफॉर्म है। यह विभिन्न ''क्या होगा अगर'' परिदृश्यों के

लिए संभाव्य पूर्वानुमान और बाधा आधारित पदानुक्रमित पूर्वानुमान करता है।

आयोजकः स्कोप्ट एनालिटिक्स, दिनांकः 21 – 24 अक्टूबर 2019

वित्तीय बाजारों में डेटा विश्लेषिकी

द मनी रोलर के संस्थापक श्री राहुल इंगले और श्री जनक शाह ने बताया कि कैसे बदलती गतिशीलता के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए पाइथन तथा आर जैसे कौशल प्राप्त करने के महत्व और एल्गोरिथमिक ट्रेडिंग के साथ व्यापार का माहौल बदल गया है।

आयोजकः द मनी रोलर, दिनांकः 11 नवंबर 2019

एस्पिरेंट सिटी मीट्स – ड्रीम आईआईएफटी (ड्रिफ्ट)

आईआईएफटी की संस्कृति के बारे में जागरूकता बढ़ाने और प्रवेश के बारे में किसी भी प्रश्न का समाधान करने के लिए, दिल्ली और कोलकाता की मीडिया समिति ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर निरंतर सहायता प्रदान करने के अतिरिक्त, आगामी बैच के लिए सिटी चैप्टर मीट्स का आयोजन किया। ये सिटी मीट्स मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, बैंगलोर, चेन्नै, पुणे और विशाखापत्तनम में 2019 के मई माह में आयोजित की गई थीं और सभी उम्मीदवारों की शंकाओं का समाधान किया गया था।

ये बैठकें आईआईएफटी में वास्तविक जीवन के साथ छात्रों के प्रथम संपर्क के रूप में कार्य करती हैं।

इंटरनेशनल बिजनेस कॉन्क्लेव 2019

आईआईएफटी द्वारा इंटरनेशनल बिजनेस कॉन्क्लेव 2019 का आयोजन, सिंगापुर प्रबंधन विश्वविद्यालय, सिंगापुर में आईआईएफटी के पूर्व छात्र संघ, सिंगापुर (आईआईएफटीएएएस) के सहयोग से किया गया था। यह कॉन्क्लेव पूर्व छात्रों, वर्तमान छात्रों और संकाय के लिए प्रति वर्ष तय किए जाने वाले किसी विषय पर अग्रणी व्यक्तियों को सुनने के लिए एक मंच है और साथ ही साथ सम्मेलन में भाग लेने वाले अंतरराष्ट्रीय व्यवसायों के साथ संस्थान की जागरूकता बढ़ाता है। यह आईआईएफटी के लिए संभावित नियोक्ताओं हेतु एक मिलन स्थल भी है।

इस कार्यक्रम की शुरुआत आईआईएफटी के निदेशक प्रो. मनोज पंत के एक परिचयात्मक संबोधन के साथ हुई। विषय की शुरुआत के पश्चात, पैनल शुरू हुआ।

मुख्य अतिथिः श्री गोपीनाथ पिल्लई, एम्बेसडर–एट–लार्ज, विदेश मंत्रालय, सिंगापुर सरकार।

एमसीः श्री केवी राव, संस्थापक अध्यक्ष, आईआईएफटी पूर्व छात्र संघ सिंगापुर

प्रो. मनोज पंत निदेशक, आईआईएफटी

श्री स्टीवन ओकुन, वरिष्ठ सलाहकार मैक्लेरी एसोसिएट्स

श्री मनु भास्करन, मुख्य कार्यकारी शताब्दी एशिया सलाहकार

श्री फ्रेडरिक ग्रोथ, एमडी एपीएसी कोफको इंटरनेशनल

छठी वार्षिक आईआईएफटी मैराथन

मैराथन अक्टूबर 2019 में आयोजित होने वाली प्रथम प्रि–क्वो वाडिस है। मैराथन का मार्ग आईआईएफटी से आरंभ होकर यहीं समाप्त हुआ। इसमें अनुभवी पेशेवर धावकों, कॉलेज छात्रों और एनजीओ के बच्चों की भागीदारी देखी गई। इस कार्यक्रम को लायन्स क्लब चैबासा, रेव्व आदि जैसे प्रायोजकों ने प्रायोजित किया।

रक्तदान शिविर

रक्तदान शिविर का आयोजन 21 नवम्बर 2019 को किया गया था और इस नेक कार्य के लिए आईआईएफटी के 100 से अधिक छात्रों ने रक्तदान किया। यह आयोजन एचडीएफसी बैंक द्वारा प्रायोजित किया गया था।

क्वो वाडिस 2020

क्वो वाडिस 2020 का आयोजन 24 जनवरी 2020 से 26 जनवरी 2020 तक किया गया। रैम्प बर्न, कॉमेडी कैफे आदि जैसे तीन दिनों के दौरान बड़ी संख्या में प्रबंधन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद, विभिन्न डोमेन से निम्नलिखित 10 प्रबंधन कार्यक्रम किए गए:

1. सामाहवा
2. मर्किसियन
3. वृधान
4. इटरनिटीस कॉल
5. इनफ्रास्ट्रक!
6. कोग्नोसेनटिया
7. इंटरनिटी
8. अरर्बिटेज
9. क्राटोस
10. इनफिनिटी

वर्ष 2019 के आयोजन में 7000 से अधिक लोगों और पूरे भारत के बी–स्कूलों के छात्रों की भागीदारी देखी गई।

खेलकूद गतिविधियां

बिग फाइट

आईआईएफटी में मेलेंज एंड स्पोर्ट्स कमेटी ने 10 – 14 अक्टूबर 2019 तक बिग फाइट का आयोजन किया जो एक इंटर सेक्शन खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता है जिसमें विभिन्न वर्गों ने खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा की।

जब आईआईएफटी में खेल और सांस्कृतिक गतिविधियां केंद्रीय स्तर पर होती हैं तो यह 5 दिन का लंबा कार्यक्रम होता है।

अल्टिमेट वारियर लीग

अल्टीमेट वॉरियर्स लीग (यूडब्ल्यूएल), यह नाम अपने आप में इस खेल–सह–मार्केटिंग इंट्रा–आईआईएफटी विस्तृत और शानदान मनोरंजन (एक्सट्रावगंजा) को दिए गए आईपीएल के ट्विस्ट को स्पष्ट करता है। यह 2–7 नवंबर 2019 से आयोजित 6–दिवसीय लंबा आयोजन था, जिसमें 4 टीमों के लिए संभावित मालिकों ने बोली लगाई थी और फिर वास्तविक टीम के मालिकों को इनके दिशा–निर्देश पर खिलाड़ियों के लिए बोली लगाने के लिए नीलामकर्ता का साथ मिल रहा था। इस कार्यक्रम की शुरुआत आईआईएफटी के निदेशक प्रो. मनोज पंत ने एक परिचयात्मक संबोधन के साथ की। विषय की शुरुआत के बाद, पैनल शुरू हुआ।

खेल के नजरिए के अलावा, यूडब्ल्यूएल विपणन और वित्त जैसे विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों के लिए भूमिका भी शामिल करता है, जिसमें प्रायोजकों को आकर्षित करने वाली टीम और अद्वितीय विपणन गतिविधियों की योजना होती है। यह प्रबंधन का एक बड़ा सबक था और खेल, सीखने एवं मनोरंजन का एक खूबसूरत मिश्रण था।

एड्रेनालाईन – स्पोर्ट्स फेस्ट ऑफ आईआईएफटी 2020

एड्रेनालाईन – आईआईएफटी का खेलकूद समारोह 31 जनवरी से 2 फरवरी 2020 तक आयोजित किया गया था, जिसमें विभिन्न कॉलेजों की टीमों ने भाग लिया था। पूरे कॉलेजों में शैक्षणिक सत्र की समाप्ति पर, इस आयोजन में भारत भर के 15+ शीर्ष बी–स्कूलों की भागीदारी देखी गई, जिसमें 500 से अधिक प्रतिभागियों ने 10 खेलों में अंतिम गौरव हासिल किया। हमने अपने सम्मानित पूर्व छात्रों की भी भागीदारी देखी, जो आईआईएफटी में अपने दिनों की याद दिलाने वाले विभिन्न खेलों में भाग लेते हैं।

बाह्य आयोजन जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित किए जा रहे हैं, यह वही स्थान है जहां पर वर्ष 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की गई थी, जिससे इस आयोजन की भव्यता में कुछ वृद्धि हुई है और भविष्य में भी इसे जारी रखा जाएगा।

आईआईएफटी कोलकाता में छात्र गतिविधियाँ – 2018–19

• एमबीए (आईबी) बैच 2019–21 का उद्घाटन

एलुमनी रिलेशंस कमेटी को एमबीए (आईबी) बैच 2019–21 के उद्घाटन भाषण हेतु 24 जून 2019 को श्री विवेक सराफ, निदेशक और टीम हेड – ईस्ट इंडिया, वाणिज्यिक बैंकिंग, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की मेजबानी करने का गौरव प्राप्त हुआ।

श्री सराफ ने आईआईएफटी से कॉर्पोरेट जगत तक की अपनी यात्रा, सामना की गई चुनौतियों और इस दौरान अपनी महत्वपूर्ण सिखलाई के बारे में बताया। उन्होंने छात्रों को अपने लक्ष्यों की खोज करके आईआईएफटी में अपने 2 वर्षों का सर्वश्रेष्ठ उपयोग कैसे करें और उन्हें प्राप्त करने के लिए लगातार सीखने एवं उनमें सुधार करने की सलाह दी। अंत में, उन्होंने अपने साथियों के साथ लंबे समय तक चलने वाले बॉण्ड के निर्माण के महत्व पर जोर दिया क्योंकि वे ऐसे लोग हैं जो सुख–दुख में साथ रहते हैं।

• पूर्व छात्र कार्यकारी परिषद की बैठक और कोलकाता एलुमनी की चैप्टर मीट

आईआईएफटी कोलकाता को पूर्व छात्र कार्यकारी परिषद की बैठक की मेजबानी करने का सौभाग्य पहली बार प्राप्त हुआ। इस बैठक के बाद बहुप्रतीक्षित कोलकाता एलुमनी चैप्टर मीट हुई।

वर्तमान छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक प्रदर्शन की सभी ने सराहना की और बाद में, पूर्व छात्र भी इस समारोह में शामिल हुए। इस आयोजन में आईआईएफटी के बैचों और पाठ्यक्रमों से जबरदस्त भागीदारी हुई। पूर्व छात्रों ने आईआईएफटी में अपने दिनों की यादों को पुनर्जीवित करने के लिए इस मंच को पसंद किया। वर्तमान छात्र प्रतिनिधियों ने इस अवसर का उपयोग पूर्व छात्रों के साथ बातचीत करने और एक सफल पेशेवर कॅरियर के निर्माण के विभिन्न पहलुओं पर अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए किया।

• पूर्व छात्र कार्यकारी परिषद की बैठक और कोलकाता एलुमनी की चैप्टर मीट

आईआईएफटी कोलकाता को पूर्व छात्र कार्यकारी परिषद की बैठक की मेजबानी करने का सौभाग्य पहली बार प्राप्त हुआ। इस बैठक के बाद बहुप्रतीक्षित कोलकाता एलुमनी चैप्टर मीट हुई।

वर्तमान छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक प्रदर्शन की सभी ने सराहना की और बाद में, पूर्व छात्र भी इस समारोह में शामिल हुए। इस आयोजन में आईआईएफटी के बैचों और पाठ्यक्रमों से जबरदस्त भागीदारी हुई। पूर्व छात्रों ने आईआईएफटी में अपने दिनों की यादों को पुनर्जीवित करने के लिए इस मंच को पसंद किया। वर्तमान छात्र प्रतिनिधियों ने इस अवसर का उपयोग पूर्व छात्रों के साथ बातचीत करने और एक सफल पेशेवर कॅरियर के निर्माण के विभिन्न पहलुओं पर अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए किया।

• आईआईएफटी कोलकाता का कैंपस दिवस समारोह (16 जुलाई 2019)

संस्थान के निदेशक डॉ. मनोज पंत ने इस अवसर पर एक वीडियो कॉल के माध्यम से अपनी हार्दिक बधाई प्रेषित की, साथ ही आने वाले वर्षों में संस्थान के सौभाग्य की कामना की। दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात, आईआईएफटी कोलकाता के केंद्र प्रमुख डॉ. के. रंगराजन ने इसके लिए अपना आभार व्यक्त किया और विशिष्ट संकाय के साथ प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्रों सहित उपस्थित दर्शकों को समग्र रूप से संस्थान द्वारा अब तक की गई यात्रा में गर्व व्यक्त करते हुए इसकी स्थापना के दौरान धीमी शुरुआत का स्मरण कराया। तत्पश्चात, एक छोटा सा केक काटने का आयोजन किया गया, उसके बाद प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

• वाणिज्य सचिव का आईआईएफटी कोलकाता का दौरा (14 अगस्त, 2019)

डॉ. अनूप वधावन, सचिव, भारत सरकार (वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय) तथा श्री भूपिंदर सिंह भल्ला, अपर सचिव, भारत सरकार (वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय) ने 14 अगस्त 2019 को आईआईएफटी के कोलकाता परिसर का दौरा किया और छात्रों एवं संकाय के साथ बातचीत की।

पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने के उद्देश्य से वाणिज्य सचिव की उपस्थिति को स्मरणीय बनाने के लिए एक वृक्षारोपण का आयोजन किया गया।

• टेडएक्स आईआईएफटी कोलकाता 2019

पहली बार आईआईएफटी कोलकाता द्वारा टेडएक्स कार्यक्रम का आयोजन 27 जुलाई, 2019 को किया गया और इसमें विशिष्ट वक्ताओं की एक सूची देखी गई।

व्याख्यान–1

भारत के 17वें मुख्य चुनाव आयुक्त डॉ. शहाबुद्दीन याकूब कुरैशी ने भारत के चुनावों को हमेशा के लिए बदल देने वाले कुछ नवाचारों पर एक शानदार सत्र दिया।

व्याख्यान–2

टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस के डिजिटल प्रमुख श्री सत्यार्थ प्रियदर्शी ने भाषण की स्वतंत्रता के प्रावधानों का दुरुपयोग करने वाले व्यक्तियों और निगमों के कारण नैतिक मानकों के पतन पर खेद व्यक्त किया।

व्याख्यान–3

सुश्री उर्मि बासु, संस्थापक, न्यू लाइट ने कोलकाता के यौनकर्मियों द्वारा सामना किए जाने वाले भयानक तनावों के बारे में दर्शकों की अंतरात्मा के तारों को झकझोरा।

व्याख्यान–4

श्री प्रतीक गौरी, भारत के सीईओ – फिफ्थ ऐलीमेंट ग्रुप ने पांचवीं औद्योगिक क्रांति की सख्त जरूरत बताई जो मानवता, उद्देश्य और समावेश के केंद्रीय सिद्धांतों पर केंद्रित होगी।

व्याख्यान–5

श्री समीर हजारी, संस्थापक, समीर हजारी स्टूडियो प्रा. लिमिटेड ने बताया कि किस प्रकार उन्होंने मनोरंजक उदाहरणों के साथ कला का अपने जीवन में विस्तार किया।

व्याख्यान–6

माय सक्सेस कोच के संस्थापक श्री मुदित यादव ने उन प्रथाओं की महत्वपूर्ण आलोचना की जिन्हें हमने अपने समाज में स्वीकार कर पालन किया है।

व्याख्यान–7

श्री रतुल घोष, प्रमुख, ईस्ट इंडिया, उबर ने अपनी चर्चा शुरू करने के लिए इस कार्यक्रम के विषय पर मंथन किया: एक तरंग एक लहर कैसे बन जाती है? कहने का तात्पर्य यह है कि एक विचार कैसे फैलता है?

व्याख्यान–8

सोनी पिक्चर्स एंटरटेनमेंट इंडिया के एमडी श्री विवेक कृष्णानी ने आज की तकनीक के गुणों की प्रशंसा करते हुए किसी भी व्यक्ति को दुनिया में अपनी कहानियों को साझा करने में सक्षम बनाने के लिए उसकी ताकत को उजागर किया।

• विवान 5.0– आईआईएफटी कोलकाता का अंतरराष्ट्रीय व्यापार शिखर सम्मेलन

आईआईएफटी कोलकाता ने 9–11 अगस्त 2019 के दौरान वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन – विवान का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

मुख्य संबोधन

आईआईएफटी टाटा समूह के उपाध्यक्ष और प्रमुख ग्रुप स्ट्रैटेजिक सोर्सिंग के श्री इंद्रियजीत सेठी की विवान 5.0 में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थिति से सम्मानित हुआ।

श्री सेठी ने वैश्विक मूल्य श्रृंखला और आपूर्ति श्रृंखला के माध्यम से मूल्य निर्माण के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने डिजिटलीकरण के महत्व और संगठनात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए डेटा–चालित होने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने दर्शकों को सहयोग के महत्व और कैसे लोगों का साथ मिलकर काम करने से संगठनात्मक सफलता का मार्ग प्रशस्त हो सकता है, पर जाग्रत किया।

विपणन शिखर सम्मेलन

''मार्केटिंग नेक्सस'' विषय पर ब्रांड प्रासंगिकता, सांस्कृतिक नवाचार और ग्राहक संबंध के बारे में चर्चा की गई। यह भी चर्चा की गई कि मार्केटिंग लीडर ग्राहक अधिग्रहण, व्यस्तता को बढ़ावा देने, मंथन कम करने और आजीवन मूल्य बढ़ाने के लिए ब्रांड निर्माण के विचार से आगे कदम बढ़ा रहे हैं। यह शिखर सम्मेलन आईआईएफटी कोलकाता की विपणन पत्रिका – मार्कमंत्रा के विवान संस्करण के विमोचन के साथ संपन्न हुआ।

शिखर सम्मेलन के लिए पांच पैनेलिस्ट थे:

1. श्री अंकित ग्रोवर – वीपी, एआरसी वर्ल्डवाइड, लियो बर्नेट, पब्लिसिस ग्रुप
2. सुश्री ललिता नायक – पश्चिमी क्षेत्र की मार्केटिंग की प्रमुख, नेटवर्क18
3. श्री हितेश मल्होत्रा – सीएमओ, न्याका
4. श्री राजीव घोष – सीईओ, सेलवेल वन ग्रुप

5. श्री सुशांत दयाल श्रेणी प्रमुख पोषण, एमवे

व्यापार और संचालन शिखर सम्मेलन

विषय था – ''ग्लोबल मैक्रोइकॉनॉमिक शिफ्ट्स द्वारा संचालित व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला में अवसरों का लाभ उठाना''। उन्होंने आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन डोमेन में जीएसटी और प्रौद्योगिकी के प्रभाव पर चर्चा की। साथ ही, प्राकृतिक संसाधनों को रखने पर आपूर्ति श्रृंखला में मूल्य जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

छः पैनलिस्ट थे:

1. श्री अमरदीप चौगले – योरयो में सह–संस्थापक और रणनीति अन्वेषक
2. श्री सुशील अग्रवाल – जीएम, जीईओडीआईएस
3. श्री शहजाद अतहर – जीएम, अदानी पोर्ट्स एंड एसईजेड
4. श्री अरिंदम गुप्ता – वीपी, सेंचुरी प्लाईवुड लिमिटेड
5. श्री सब्यसाची हजारा – शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
6. श्री एस राममोहन राव– निदेशक, व्यवसाय विकास, बार्नेट इंडिया

वित्त शिखर सम्मेलन

शिखर सम्मेलन के लिए पैनलिस्ट थे–

1. सुश्री कंचन मिश्रा – सस्टेनोमेट्रिक की संस्थापक और निदेशक
2. श्री केनेथ सेराव – अल्फा कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेड के संस्थापक और सीआईओ
3. श्री सिद्धार्थ रस्तोगी – एमबिट एसेट मैनेजमेंट के प्रबंध निदेशक
4. श्री अजय बोहरा – एचडीएफसी क्रेडिला के सह–संस्थापक और प्रबंध निदेशक
5. श्री शिव राम कृष्ण पांडे – दाराशॉ के सहायक उपाध्यक्ष।

शिखर सम्मेलन का विषय था– ''वित्त में व्यवधान और परिवर्तन–बदलते परिदृश्यों को अपनाते हुए''। पैनलिस्टों ने वित्त के क्षेत्र में स्थायी निवेश, कॉर्पोरेट प्रशासन, उच्च–निजीकरण, पूंजी वृद्धि, बाजार में पारदर्शिता और कॉर्पोरेट जगत में वित्तीय साधनों के महत्व सहित वित्त के क्षेत्र में विभिन्न उभरते विषयों पर प्रकाश डाला।

शिखर सम्मेलन का समापन आईआईएफटी की वित्त पत्रिका – इनफिनिटी के विवान संस्करण के विमोचन के साथ हुआ।

रणनीति और विश्लेषिकी शिखर सम्मेलन

शिखर सम्मेलन के लिए पैनलिस्ट थे:

1. श्रीमती स्मिता नेगी – ग्लोबल सीनियर डायरेक्टर एसजीटीसी आईएस हेड, स्ट्राइकर
2. श्री आशुतोष त्रिपाठी – बिजनेस लाइन के प्रमुख – कस्टूमर ड्यू डिलीजेंस एंड डेटा, आरबीएस
3. सुश्री अर्पिता पटनायक – डेटा साइंस लीडर – डिजिटल आरएंडडी, यूनिलीवर
4. श्री जयंत कोल्ला – संस्थापक और भागीदार, कन्वर्जेंस कैटलिस्ट
5. श्री नवीन एथ्रेश – वरिष्ठ उत्पाद नेता, राकुटेन

शिखर सम्मेलन का विषय ''भविष्य के परिप्रेक्ष्य और डिजिटल अर्थव्यवस्था पर चुनौतियां'' था, जिसमें मूल्य पर कब्जा करना तथा डेटा नीति ढांचे के साथ व्यापार अंतर्दृष्टि उत्पन्न करना और इंटरनेट तक पहुंच जैसे विषयों पर चर्चा की गई थी।

डेटा संरक्षण विनियमन और डिजिटल कमोडिटाइजेशन के प्रभाव के बारे में भी बात की गई थी।

शाम का व्याख्यान

राकुटेन ग्रुप के सीनियर प्रोडक्ट लीडर और आईआईएफटी के एक पूर्व छात्र श्री नवीन एथ्रेश ने ग्राहकों की खुशी के लिए उत्पादों के नवाचार के महत्व की एक झलक दी।

सिल्क रूट– इंटर कॉलेज बिजनेस क्विज

विवान के द्वितीय दिवस पर, आईआईएफटी कोलकाता के क्विजिंग क्लब, क्विजेंड्री द्वारा संचालित। क्विज के लिए क्विज मास्टर वर्ष 2014–16 बैच से आईआईएफटी कोलकाता के पूर्व छात्र श्री विराज बेक थे। क्विज में दो राउंड थे – एक 20 प्रश्न का लिखित प्रीलिम्स राउंड और उसके बाद एक मौखिक राउंड।

आईआईटी खड़गपुर की टीम ने क्विज जीती।

द्वितीय और तृतीय स्थान आईआईएफटी कोलकाता की टीमों ने प्राप्त किया।

• आईआईएफटी मॉडल संयुक्त राष्ट्र (17 अगस्त–18 अगस्त)

प्रथम दिवस आईआईएफटी आईडीसी मुन 2019

आईआईएफटी और इंटरनेशनल डिप्लोमैटिक कॉन्क्लेव ने एक उच्च और जीवंत नोट पर मॉडल संयुक्त राष्ट्र–2019 का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया। सुश्री ट्रिना चक्रवर्ती, क्राई की पूर्वी क्षेत्र की निदेशक इस अवसर पर मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने दर्शकों को वर्तमान युग में मुन के महत्व के बारे में बताते हुए एक प्रेरणादायक भाषण दिया। देश के विभिन्न हिस्सों के प्रतिनिधि यूएनएचसीआर, यूएनएससी, यूएनएफसीसी, डीआईएसईसी, यूएनसीएसडब्ल्यू, और आईपीसी जैसी संयुक्त राष्ट्र की समितियों के भीतर अपनी कूटनीति और बातचीत कौशल प्रदर्शित करने में सक्षम थे। प्रथम दिवस के दौरान भारत में अपरंपरागत युद्ध, समुद्री मुद्दे, निरस्त्रीकरण, अंतरराष्ट्रीय कानून जैसे वैश्विक महत्व के मुद्दों पर व्यापक और बेहतर ढंग से की गई शोध वार्ता को देखा गया।

द्वितीय दिवस आईआईएफटी आईडीसी मुन 2019

मुन के द्वितीय दिवस के दौरान समिति की आम सहमति के मुद्दों पर विचार–विमर्श हुआ। कुछ समितियों ने राष्ट्रपति के वक्तव्य, वर्किंग पेपर या प्रस्तावों के रूप में कागजी काम भी सफलतापूर्वक किया। समापन समारोह के दौरान, जिन विजेताओं ने अपने साथी प्रतिनिधियों से अनुसंधान और आचरण के मामले में बेहतर कार्य किया था, उन्हें सम्मानित किया गया।

इसके अतिरिक्त, आईआईएफटी को बेस्ट डेलिगेशन पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। इसकी परिणिति एक सफल मॉडल संयुक्त राष्ट्र 2019 के रूप में हुई।

• बैटल बाई द लेक्स

एक वार्षिक सेक्शन वाइज खेल प्रतियोगिता जिसमें 3 वरिष्ठ सेक्शन और 3 कनिष्ठ सेक्शन एक सप्ताह के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में शामिल होते हैं। बास्केटबॉल, शतरंज, वॉलीबॉल, टीटी, बैडमिंटन आदि खेल प्रतियोगिताओं का हिस्सा हैं।

• रक्तदान शिविर

संस्थान के कोलकाता परिसर में स्थित 'द सोशल अवेयरनेस सेल' – ''कोशिश'' द्वारा एक रक्तदान शिविर 25 जनवरी 2020 को लगाया गया था। यह अलायंस क्लब राधाकृष्ण के सहयोग से आयोजित किया गया था जिसमें सभी रक्त दाताओं को एक की–चेन, एक बैज और एक प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ।

आईआईएफटी कोलकाता के छात्रों ने रक्तदान करने के लिए जबरदस्त उत्साह दिखाया। इसमें कुल 52 छात्रों ने रक्तदान किया जिसमें उल्लेखनीय रूप से ऐसा करने वाले 13 छात्र भी पहली बार शामिल हैं। इस अभियान ने रक्तदान के बारे में छात्रों में जागरूकता पैदा करने में मदद की और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाई।

• स्पिक मैके 2.0

आईआईएफटी कोलकाता ने अपनी द्वितीय स्पिक मैके की मेजबानी की, जिसमें वोकल्स पर कुमार मर्दुर की संगीत प्रतिभा की मेजबानी करते हुए, तबले पर जयंत सरकार के साथ, हारमोनियम पर मृणाल रंजन, और तानपुरा पर शुभोजीत माझी ने साथ दिया। प्रस्तुत आत्मीय गायन ने पहली बार पारंपरिक गायन के कई साक्षी छात्रों को विस्मित कर सम्मोहित कर दिया।

• टिटेनोमैची

आईआईएफटी कोलकाता का वार्षिक खेल उत्सव, जहां 4 टीमें बैडमिंटन, शतरंज, फुटबॉल, क्रिकेट, वॉलीबॉल और कई अन्य खेल प्रतियोगिताओं में एक–दूसरे के विरूद्ध प्रतिस्पर्धा करती हैं।

• गैराज सेल

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के मार्केटिंग क्लब, ब्रैंडवैगन ने 10 फरवरी को गेराज सेल का आयोजन किया। बिक्री कई रचनात्मक सामानों के साथ एक दर्जन से अधिक स्टालों सहित बहुत बड़ी हिट हुई, जिसमें गरमागरम ऑनियन–रिंग्स से लेकर विश्व प्रसिद्ध रसदार रसगुल्ले, ताजा चाट काउंटर से लेकर लाइव कैरिकेचर तक, उनके चतुर बिक्री कौशल द्वारा पूरक स्टालों में सभी ने भरसक प्रयत्न किया।

आईआईएफटी के छात्रों ने पुनः उपयोग की गई बोतलों और जार से बने हाथ से पेंट किए गए लाइट बल्बों से लेकर, व्यक्तिगत बुकमार्क और पोस्टर, घर की बनी कैंडी और पंच तक विशेष तौर पर निर्मित अपने उत्पादों के माध्यम से अपनी छुपी हुई रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। यह एक मस्ती वाली, हँसी, खेल और शानदार भोजन से भरपूर शाम थी। हम शीघ्र ही ऐसी दूसरी सेल की मेजबानी करने की प्रतीक्षा नहीं कर सकते हैं!

प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए, पुरस्कार भी दिए गए थे।

• अर्थशास्त्र

हाल ही में जारी बजट और पूरे देश में इसके निहितार्थ को समझने के लिए हो रहे संघर्ष के चलते, आईआईएफटी कोलकाता ने 15 फरवरी को निम्नानुसार एक प्रतिष्ठित पैनल के साथ बजट चर्चा और आर्थिक विश्लेषण कार्यक्रम ''अर्थशास्त्र'' का आयोजन किया–

1) श्री बिकास कुमार जैन, निदेशक, पीडब्लूसी इंडिया
2) श्री भाष्कर ठक्कर, संस्थापक बीटी एसोसिएट्स और जीएसटीआईडिया.कॉम
3) डॉ. विवेकानंद मुखर्जी, प्रोफेसर, जादवपुर विश्वविद्यालय और
4) श्री संदीप घोष, प्रमुख – कॉर्पोरेट रणनीति और योजना, सेरी इक्विपमेंट फाइनेंस लिमिटेड

चर्चा का संचालन डॉ. बिबेक रे चौधुरी, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएफटी कोलकाता ने किया।

पैनलिस्ट विविध पृष्ठभूमि से थे और बजट तथा देश एवं उसके नागरिकों पर इसके विभिन्न प्रभावों से संबंधित अपने स्वयं के अनूठे दृष्टिकोण को सामने लाए। श्री जैन ने बजट के भीतर विभिन्न कर प्रावधानों के बारे में बात की, व्यक्तिगत आयकर में बदलाव, साथ ही देश में कर संग्रह में सुधार के लिए लाभांश वितरण कर और विवाद से विश्वास योजना को समाप्त करने के लिए निर्णय के बारे में बात की। श्री घोष ने एनबीएफसी और विशेष रूप से हाल ही में घोषित नेशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन के लिए ऋण देने में उनकी भूमिका के बारे में बात की और अंतर्निहित दृष्टि को समझने के लिए संख्याओं और प्रकाशिकी से परे देखने के महत्व पर जोर दिया।

• अलुम टॉक

आईआईएफटी एसोसिएशन ऑफ चार्टर्ड सर्टिफिकेट अकाउंटेंट्स (एसीसीए) के उत्तर और पूर्व भारत के प्रमुख, वर्ष 2011–13 बैच के पूर्व छात्र, श्री कृष्ण मिश्रा की मेजबानी करने कर गौरवान्वित हुई। श्री मिश्रा ने भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति और भविष्य में यह कितना महत्वपूर्ण होगा, पर जानकारी देकर अपनी बात शुरू की।

उन्होंने बढ़ते हुए युवाओं, डिजिटलीकरण, उच्च उपभोक्ता व्यय जैसे विभिन्न अवसरों और पुर्नकौशल, प्रदूषण और समावेशी विकास जैसी चुनौतियों पर विस्तार से बताया। श्री मिश्रा ने परिवर्तन के प्रमुख चालकों; नियमों में वृद्धि, मजबूत प्रशासन और वैश्वीकरण को समझाया।

श्री मिश्रा ने आगे कॉर्पोरेट क्षेत्र, वित्तीय सेवाओं, जोखिम प्रबंधन और साझा सेवाओं में कॅरियर के अनेक अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने देश में वर्तमान बेरोजगारी की स्थिति के बारे में भी बात की। उन्होंने एक आशावादी विचार पर अपनी बात को समाप्त किया कि हर देश कैसे उतार–चढ़ाव से गुजरता है परंतु यदि प्रयास सही दिशा में हैं तो विकास अपरिहार्य है।

• कोका कोला प्लांट का दौरा

छात्रों को वास्तविक व्यवसायिक दुनिया के निकट ले जाने के अपने निरंतर प्रयास के तहत, स्कोप – द सप्लाई चेन, ऑपरेशंस एंड एनर्जी क्लब, आईआईएफटी ने कोलकाता स्थित कोका–कोला डायमंड बेवरेजेस प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट के दौरे का आयोजन किया। छात्रों ने प्लांट का दौरा किया और इसकी बोतलबंदी प्रक्रिया में अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम परिचालन प्रक्रियाओं को देखा। प्लांट में कोक, थम्स–अप, स्प्राइट, फेंटा, लिम्का, कोक जीरो, डाइट कोक, माजा मैंगो, मिनट मेड और किनले सहित विविध उत्पाद पोर्टफोलियो के साथ उत्पादन की 7 कार्यात्मक लाइनें हैं। सत्र की अगुवाई मानव संसाधन विभाग के सुश्री सरनजिता चौबे तथा श्री इंद्रनील दत्ता और गुणवत्ता नियंत्रण विभाग के श्री नंदन कुमार प्रधान ने की। छात्रों ने इस दौरे से बहुत अधिक व्यावहारिक समझ प्राप्त की और हम डीबीपीएल का इस अवसर को प्रदान करने के लिए धन्यवाद प्रेषित करते हैं।

• अद्वैत 2020

आईआईएफटी कोलकाता ने 23 फरवरी 2020 को अपना वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव, अद्वैत आयोजित किया। प्रतियोगिता, खेल और कई कार्यक्रम पूरे दिन आयोजित किए गए। यह दिन की शुरुआत थी, जिसमें कई टीमों ने अपनी सोच के साथ और कैंपस में ट्रेजर हंट कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जूते पहनकर दौड़ लगाई। इसके बाद पेंटबॉल और जोरब फाइट इवेंट हुए।

शाम को नृत्य, संगीत, स्टैंड अप आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रदर्शन करने वाले कई प्रतिभाशाली छात्रों द्वारा शानदार प्रदर्शन देखा गया। उत्सव एक मनोरंजक तरीके से वरिष्ठ बैच (2018–20) के लिए विदाई के साथ समाप्त हुआ।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में आईआईईटी के छात्रों द्वारा प्राप्त किए गए पुरस्कार

क्र.सं.	पुरस्कार/प्रतियोगिता	कंपनी/बी–स्कूल	स्थान
1	आरबी ग्लोबल चैलेंज	रेकिट बेंकिज	नेशनल फाइनलिस्ट
2	महिंद्रा राइज	महिंद्रा एंड महिंद्रा	कैंपस विजेता
3	बड चैलेंज	एबी इनबीव	नेशनल सेमीफाइनलिस्ट
4	ट्रांसजेट	कोलगेट पामोलिव	रीजनल फाइनलिस्ट
5	आईबी लीग	एचएसबीसीएसटीजी	कैंपस विजेता
6	लीम	एचयूएल	राष्ट्रीय सेमीफाइनलिस्ट
7	कारपेडियम	एचयूएल	नेशनल 2 रनर अप
8	लाउड	गोदरेज	विशेष आमंत्रित
9	खुशी प्रतियोगिता	आरपीजी	कैम्पस विजेता
10	स्ट्रेटोस	एबीजी	नेशनल फाइनलिस्ट
11	वूमी	एबीजी	राष्ट्रीय विजेता
12	4च् चैलेंज	नेस्ले	नेशनल फाइनलिस्ट
13	सीएफए रिसर्च चैलेंज	सीएफए	नेशनल फाइनलिस्ट
14	रीलीड रीन्यू	पावर	नेशनल फाइनलिस्ट
15	थिंक अप	फिलिप्स हेल्थकेयर	कैंपस विजेता
16	कैटलिस्ट चैलेंज	ओवाईओ	नेशनल फाइनलिस्ट
17	विचार चुनौती	केपीएमजी	नेशनल सेमी फाइनलिस्ट
18	कर्व	आईसीआईसीआई बैंक	नेशनल 2 रनर अप को हराया
19	वार रूम	महिंद्रा एंड महिंद्रा	राष्ट्रीय विजेता
20	वायर्ड	फ्लिपकार्ट	कैंपस विजेता
21	कोमस्ट्रेट	एफसीबी उल्का	नेशनल फाइनलिस्ट
22	थिंक आउट	एल एंड टी	नेशनल
23	कॉमक्वेस्ट	एमसीएक्स	कैंपस विजेता
24	इंटरोबैंग	आईटीसी	कैम्पस विजेता
25	ऑफ रोड्स	बजाज	कैम्पस विजेता
26	स्टील–ए–थॉन	टाटा स्टील	नेशनल फाइनलिस्ट
27	बर्फीला तूफान	आरपीजी	नेशनल फाइनल
28	अवंत ग्रेड	5.0 एबीजी	नेशनल फाइनलिस्ट
29	टीयूपी	रिलायंस	नेशनल फाइनलिस्ट

उद्योग, व्यापार और वाणिज्य पर संवाद

संस्थान छात्रों के लिए, उद्योग के अग्रणी और विशेषज्ञों के साथ उनके समृद्ध अनुभव और ज्ञान को साझा करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है, जो उन्हें उद्योग के दिग्गजों के साथ बातचीत करने, कॉर्पोरेट जगत की बेहतर समझ हासिल करने और उनके सीखने की प्रक्रिया में सुधार करने में मदद करता है। वर्ष के दौरान, आईआईएफटी परिसर का दौरा करने वाले कुछ प्रख्यात वक्ता इस प्रकार थे:

क्र.सं.	सुश्री / श्री वक्ता	पदनाम	कंपनी
1	आरिफ अजीज	सीएचआरओ	डियाजियो
2	अजय रंजन	समूह अध्यक्ष और लेन–देन बैंकिंग समूह के वैश्विक प्रमुख	यस बैंक
3	अमित पांडे	सीओओ	एक्सिकॉम
4	अंकुर वारिकू	संस्थापक	नियरबाय
5	अंशुमान मिश्रा	संस्थापक	लोनअड्डा
6	अरुण पंडित	बिक्री प्रमुख – बी2बी	लोडशेयर नेटवर्क्स
7	आशीष मिश्रा	सीएचआरओ	निप्पॉन पेंट्स
8	बालाजी नुथलापदी	प्रबंध निदेशक और प्रमुख	सिटीबैंक
9	केल्विन लिंगदोह	उपाध्यक्ष	बजाज ऑटो
10	केल्विन लिंगदोह	उपाध्यक्ष एचआर	बजाज ऑटो
11	ध्रुव तलवार	प्रमुख, ब्रांड रणनीति गोदरेज प्रॉपर्टीज	गोदरेज प्रॉपर्टीज
12	डॉ. कुशल संघवी	बिजनेस हेड	रिलायंस डिजिटल एंड एंटरटेनमेंट
13	गौरव गोयल	एमडी, डिजिटल एनालिटिक्स	एक्सेंचर
14	गुंजन कौल सिंह, गायत्री दास, अरहरवादीप अग्रवाल	नैतिकता और अनुपालन अधिकारी, वरिष्ठ प्रबंधक मानव संसाधन, ब्रांड लीड	एली लिली
15	कार्तिकेय रमन	एसोसिएट डायरेक्टर	डेलॉइट इंडिया
16	कोइची इकेगामी	वरिष्ठ संचार अधिकारी	नोमुरा होल्डिंग्स
17	लोपामुद्रा बनर्जी	सीएचआरओ	कैरियर–मिडिया
18	मयंक कच्छवाह सरन	संस्थापक	इंडियालैन्ड्स
19	सुयश मेहरोत्रा	एक्सपोर्ट्स बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर	नेस्ले
20	निशांत गुप्ता	हेड मार्केटप्लेस बिजनेस, विक्रेता विपणन तथा समर्थन	फ्लिपकार्ट
21	पावन नंदा	सीईओ और सह–संस्थापक	विनजो गेम्स
22	पल्लव चटर्जी	निदेशक, प्रदर्शन सुधार, ऑटोमोटिव सेक्टर	ईवाई
23	पीयूष चितलांगिया	संस्थापक	फिनशिक्षा
24	प्रेरणा अरुण	हेड कम्युनिकेशंस – भारत और नेपाल	अक्ज्नोबेल इंडिया
25	राहुल शर्मा	राष्ट्रीय बिक्री प्रबंधक	एबट

क्र.सं.	सुश्री / श्री वक्ता	पदनाम	कंपनी
26	राजीव रंजन	निदेशक बिक्री, डीएफएम फूड्स	डीएफएम फूड्स
27	रणधीर सिंह कलसी	वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक	मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड
28	रवीश भटनागर	कार्यान्वयन नेता	मैकिन्से एंड कंपनी
29	रितेश गाबा	निदेशक, बिक्री	मार्स
30	रित्विक खरे	मुख्य व्यवसाय अधिकारी, मेक माई ट्रिप	मेक माई ट्रिप
31	संदीप नागपाल	उपाध्यक्ष ग्लोबल मार्केटिंग (एपीएसी और एमईए)	सीवेंट
32	संदीप नागपाल	सीएमओ	सीवेंट
33	संदीप सिंघी	क्लस्टर हेड एचडीएफसी एएमसी रिटेल, कॉर्पोरेट ट्रेजरी एंड रिटायरमेंट सॉल्यूशंस	एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट
34	संजय जोनेजा	वरिष्ठ व्यापारी	गोल्डन एग्री रिसोर्सेज
35	संजय मारीवाल	सीईओ	ओमनी एक्टिव्ज
36	संजीव दुग्गल	सीओओ	ब्रूसक्ले इंडिया
37	संतोष सरन	संस्थापक और सीईओ	जेननेक्स्ट
38	सावी आहूजा	एसोसिएट, एचएसबीसी एसटीजी	एचएसबीसी एसटीजी
39	श्रुति श्रीवास्तव	प्रमुख कुल पुरस्कार और एचआर सेवा उत्कृष्टता	कोटक लाइफ
40	शुभोमय बनर्जी, राजेंद्र अवस्थी और मृणांक शर्मा	सह–संस्थापक और व्यवसाय विकास एपिकइन्डीफी	एपिकइंडीफी
41	स्प्रिंकलर	उत्पाद निदेशक	स्प्रिंकलर
42	सुभ्रा रथ	एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट–डिस्ट्रीब्यूशन प्लानिंग एंड इनसाइट्स	सोनी एंटरटेनमेंट
43	सुधांशु जैन	निदेशक – एंटरप्राइज डिजिटल एंड एनालिटिक्स	अमेरिकन एक्सप्रेस
44	सुकांतो एइच	सीएमओ और पूर्णकालिक निदेशक	सिगनिफाई इनोवेशन्स
45	सुमित जासोरिया	प्रबंध निदेशक	मीरो
46	विनायक तलवार	कैंपस लीड	आरपीजी

विदेश व्यापार पुस्तकालय

दिल्ली परिसर

संस्थान का विदेश व्यापार पुस्तकालय अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं आर्थिक परिप्रेक्ष्य पर सूचना संसाधन के रूप में एक सुव्यवस्थित संग्रह है जो इसके पाठकों की आवश्यकतानुसार मुद्रित या इलेक्ट्रॉनिक रूप में उपलब्ध है। इसके विशेष प्रकाशनों, रिपोर्टों, डेटाबेस, ई–जर्नल्स, प्रिंट जर्नल्स, लेखों आदि की संख्या बढ़ाने और अद्यतन करने के लिए सतत् प्रयास किए जाते हैं। वर्तमान में पुस्तकालय में 1,04,929 संसाधनों का एक प्रभावशाली संग्रह है जिसमें 77,764 पुस्तकें/सीडी–खण्ड, 17781 सजिल्द आवधिक और सांख्यिकीय सिद्धांत, बैंकिंग, उद्योग, प्रबंधन, विपणन, उपभोक्तावाद, भूराजनीतिक आर्थिक प्रणाली, सेवाएं, कंप्यूटर, आईटी, व्यापार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, परिवहन और व्यापार संचार आदि पर 235 पत्रिकाएं हैं। पुस्तकालय में उपर्युक्त विषयों के 40,500 लेख भी उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, इसके संग्रह में अनुसंधान रिपोर्टें, कंपनी रिपोर्टें, सांख्यिकीय वार्षिक प्रकाशन, मामला अध्ययन, सीडी–रोम्स, वीडियो कैसेट्स हैं। संस्थान के दिल्ली व कोलकाता परिसर दोनों में ई–संसाधन पर विशेष संग्रह है तथा विश्व व्यापार संगठन संसाधन केंद्र भी एक विशिष्ट केंद्र के रूप में है जहां विशेष रूप से विश्व व्यापार संगठन व संबंधित मुद्दों पर महत्त्वपूर्ण सूचनाएं प्राप्त की जा सकती हैं। इसके साथ ही, पुस्तकालय को निर्बाध रूप से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं जैसे संयुक्त राष्ट्र अभिकरण, आईटीसी/अंकटाड/डब्ल्यूटीओ, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, भारत सरकार के मंत्रालयों व विभागों, निर्यात संवर्धन परिषदों, वस्तु मंडलों व अन्य व्यापार संवर्धन संस्थाओं के प्रकाशनों से समृद्ध बनाने की प्रक्रिया जारी रहती है।

वर्ष 2019–20 के दौरान पुस्तकालय अधिग्रहण का मद–आधारित विवरण निम्न प्रकार है:–

वर्ष 2019–2020 के दौरान पुस्तकालय में सामग्री की स्थिति

मद	वर्ष 2019–20 में अधिग्रहण	31.03.2020 को कुल संख्या
पुस्तकें, रिपोर्टें, वीडियो कैसेट एवं सीडी–रोम्स	305	77,764
दस्तावेज	कोई नहीं	9,122
सजिल्द आवधिक प्रकाशन	50	17ए781
(निःशुल्क प्राप्त जर्नल्स सहित)	50	17,781
अभिदत्त/मानार्थ प्राप्त जर्नल	कोई नहीं	235
डेटाबेस/ऑनलाइन साइट्स	355	104ए929
(मानार्थ ई–जर्नल्स सहित)	कोई नही	27
कुल	**355**	**1,04,929**

ई–संसाधन

संस्थान के दोनों परिसरों दिल्ली व कोलकाता पर पाठकों को हर समय ऑनलाइन सूचना प्राप्त कराने के लिए, पुस्तकालय ने 27 ऑनलाइन व ऑफलाइन डेटाबेस जैसे बूमबर्ग, कैपटालाइन प्लस, सीएमआईई डेटाबेसेस (प्रोवेस, भारतीय व्यापार एवं उद्योग विश्लेषण सेवा), कॉमोडिटी प्राइस बुलेटिन, डीजीसीआईएस स्टेटिसटिक्स, एफॉरमेल, आईएफएस, इंडिया स्टेट.कॉम, इनसाइड ट्रेड.कॉम, प्रोक्वेस्ट, सन्स मैगजीन, ट्रेड मैप, वर्ल्ड बैंक ऑनलाइन डेटाबेसेस, वर्ल्ड ट्रेड एटलस, विट्सय 4 ई–जर्नल पैकेज अर्थात ब्लैकवेल सिनर्जी (21 ई–जर्नल्स), ईबीएससीओ और एमराल्ड मैनेजमेंट अतिरिक्त 175 पत्रिकाएं और कई भिन्न–भिन्न पत्रिकाओं की भी सदस्यता ली हुई है। ये डेटाबेस देश के अध्ययनोंय कृषि, अर्थशास्त्र, जनसांख्यिकी, श्रम, मीडिया, शैक्षणिक बाजार पूर्वानुमान पर सांख्यिकीय आँकड़े, बाजार रिपोर्टेंय कंपनियों के वार्षिक आँकड़ेय शेयर बाजार प्रशुल्क एवं गैर–प्रशुल्क अवरोधय डब्ल्यूटीओ संबंधी विवादय डब्ल्यूटीओ में मुद्दे व दिन–प्रतिदिन के मामलेय विभिन्न देशों के सूचकांकय भारतीय राज्यों के लिए आँकड़ेय विदेश व्यापार, विभिन्न देशों के साथ भारत का क्षेत्रीय एकीकरण तथा विदेश व्यापार से संबंधित कई अन्य मुद्दों पर बहुमूल्य सूचना उपलब्ध कराते हैं।

गृह–प्रकाशन

नई पुस्तकों व रिपोर्टों (टीकाकृत) की "परिवर्धित मासिक सूची" आंतरिक प्रसार के लिए नियमित रूप से तैयार की जाती है।

डब्ल्यूटीओ संसाधन केंद्र

पुस्तकालय में स्थापित डब्ल्यूटीओ संसाधन केंद्र एक अच्छी तरह से मान्यताप्राप्त केंद्र है जो विशेषकर डब्ल्यूटीओ और संबंधित मुद्दों पर विशेषज्ञता के क्षेत्र में कार्यरत है। केंद्र डब्ल्यूटीओ संबंधी मुद्दों व

भारत के लिए इसके निहितार्थ पर अनुसंधानकर्ताओं, नीति निर्माताओं व शिक्षकों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। केंद्र में डब्ल्यूटीओ एवं संबंधित मुद्दों पर पुस्तकों, रिपोर्टों, जर्नलों, वीडियो कैसेट्स, सीडी–रोम्स और समाचार मदों/लेखों का समृद्ध संग्रह उपलब्ध है। वर्तमान में केंद्र में लेखों 4301 पुस्तकों का संग्रह है।

देश–विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से शोधकर्ता अपने डॉक्टरेट व डॉक्टरेट के बाद शोध कार्य के लिए पुस्तकालय का उपयोग करते हैं।

आईआईएफटी, कोलकाता परिसर

कोलकाता केंद्र पर पुस्तकालय परंपरागत संसाधनों के साथ–साथ इलेक्ट्रॉनिक तथा वास्तविक जानकारी सहित धीरे–धीरे विकसित हो रहा है। पुस्तकालय में प्रबंधन एवं इससे संबंधित मुद्दों पर 4000 से अधिक पुस्तकें एवं सीडी तथा 89 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्रित जर्नल्स उपलब्ध हैं। अधिकांशतः सभी व्यावसायिक दैनिक समाचार पत्र भी इसके आवधिक खंड में उपलब्ध हैं। यहाँ प्रबंधन, सांख्यिकी, अर्थशास्त्र, गणित, विपणन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, मनोविज्ञान, अनुसंधान परिचालन, कारोबारी संचार, विज्ञापन तथा सामान्य पठनीय आदि दस्तावेजों को संग्रह किया गया है। यह मुख्यतः संस्थान के संकाय, छात्रों, शोध छात्रों, संस्थान सदस्यों, सलाहकारों के लिए है। पुस्तकालय में मुख्य रूप से संसाधन अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं जैसे – बंगाली, हिंदी, स्पेनिश, जर्मन, इटेलियन, फ्रेंच में उपलब्ध हैं।

संग्रह ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस सूची (ओपीएसी) तथा प्रसारण बार कोडिड प्रणाली की सुविधा के साथ पूरी तरह से स्वचालित है। पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को सरकारी छुट्टियों को छोड़कर वर्ष भर सेवाएं प्रदान करता है।

ई–ब्रेरी

पुस्तकालय अपने ई–ब्रेरी नामक वर्चुअल रिसोर्सेज से सुसज्जित है, जो हर समय उपलब्ध रहता है। ई–ब्रेरी के माध्यम से भारत सहित विश्व के शेष देशों से संबंधित एक बड़ी संख्या में पूर्ण पाठ जर्नल आर्टिकल, उद्योग प्रोफाइल, कंट्री रिपोर्ट, किताब, व्यापार प्रकाशन, समाचार–पत्र, विश्लेषणात्मक टिप्पणी, वार्षिक रिपोर्ट, उद्योग आँकड़े एवं सूचकांक, नियम, वित्तीय आँकड़े, समाचार विश्लेषण, कार्यालयी राजपत्र, प्रेस विज्ञप्ति, रैंकिंग और प्रशासनिक ढांचा, कृषि, बैंक एवं वित्तीय संस्थान, सिविल आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामले, कंपनी, सहकारिता, अपराध एवं कानून, जनसांख्यिकी, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, मतदाता आँकड़े, पर्यावरण एवं प्रदूषण, विदेश व्यापार, वन और वन्य जीवन, भौगोलिक आँकड़े, स्वास्थ्य, आवासन, उद्योग, बीमा, श्रम एवं कार्यबल, बाजार पूर्वानुमान, मीडिया, मौसम के आँकड़े, खान और खनिज, पेट्रोलियम, विद्युत, सामाजिक एवं कल्याण योजनाएं, खेल, राज्य एवं संघ शासित प्रदेश, दूरसंचार, पर्यटन, परिवहन, शहरी क्षेत्रों, भारत एवं विश्व के शेष देशों के गाँवों के लिए सांख्यिकी आँकड़े ई–ब्रेरी के माध्यम से उपलब्ध हैं।

ये सूचनाएं लाईसेंसधारी डेटाबेस जैसे इबस्को, प्राक्युस्ट, इमराल्ड, ब्लैकवैल, सीएमआईई, जेस्टोर, आईएसआई इमर्जिंग मार्केट्स, इंडियास्टेट, वर्ड ट्रेड ऑनलाइन, आईएमएफ डेटाबेसिस, ओईसीडी ऑनलाइन, वर्ल्ड ट्रेड एटलस, साईंस डाइरेक्ट और अन्य जो इस सूची में नहीं हैं, के माध्यम से उपलब्ध होती हैं।

इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय निकट भविष्य में आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने तथा अपने प्रयोगकर्ताओं से अनुसंधान आधारित और अधिक सूचनाएं प्राप्त करने की योजना बना रहा है।

आईआईएफटी कोलकाता पुस्तकालय वार्षिक रिपोर्ट 2019–20

संसाधन	वर्ष 2019–20 में अधिग्रहण	31.03.2020 को कुल संख्या
पुस्तकें (मानार्थ एवं खरीदी गईं)	300	4950
मुद्रित जर्नल्स (मानार्थ एवं खरीदे गए)	–	89
सजिल्द खंड	–	1679
डेटाबेस/ऑनलाइन स्त्रोत	दिल्ली परिसर के साथ संयुक्त सदस्यता	दिल्ली कैम्पस के अनुसार

आईआईएफटी के कंप्यूटर केंद

दिल्ली परिसर

शिक्षा में प्रौद्योगिकी के महत्व को स्वीकार करते हुए, आईआईएफटी के कंप्यूटर सेंटर ने शिक्षा और अनुसंधान के अपने मुख्य क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक आईटी बुनियादी सुविधाओं को लागू किया है। कंप्यूटर सेंटर का लक्ष्य 99 प्रतिशत अपटाइम प्रदान करना है जिसमें सर्वर अपटाइम, डेटा रिकवरी और बैकअप सुनिश्चित करना, भंडारण प्रबंधन, हार्डवेयर, नेटवर्क संचालन को सुगम बनाना, संचालन को सुव्यवस्थित करना और अंतिम उपयोगकर्ता सहयोग को सरल बनाना शामिल है।

संस्थान में यूनिफाइड स्टोरेज, वर्चुअलाइज्ड सर्वर एनवायरनमेंट, वेब सर्वर्स, ई–मेल सर्वर्स आदि के साथ डाटा सेंटर उपलब्ध है। आईआईएफटी अपनी इंटरनेट की आवश्यकताओं के लिए भार के अनुसार दो अलग आईएसपीज से 150 एमबीपीएस लाइन किराए पर लेता है। संस्थान का डेटा सेंटर 180 वर्ग फीट का है, जिसमें 3 सिस्को यूनिफाइड कम्युनिकेशन सर्वर हैं जो लगभग 15 टीबी के एफसी आधारित ईएमसी यूनिफाइड स्टोरेज से जुड़ा है। ये सर्वर वीएमवेयर का उपयोग करके क्लाउड समाधान प्रदान करते हैं।

छात्रों के लिए कंप्यूटर लैब पर्याप्त संख्या में डेस्कटॉप कनेक्शन के साथ 24 घंटे खुली रहती है। इस सुविधा में संकाय द्वारा ऑनलाइन मूल्यांकन गतिविधियों का संचालन करने का प्रावधान भी है। उपरोक्त के अलावा, विंडोज ओएस और कलर मॉनिटर के साथ 350 से अधिक डेस्कटॉप कंप्यूटर (कोर 2 डुओ और आई5) स्थापित किए गए हैं। ये पूरी तरह से एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर यथा माइक्रोसॉफ्ट लिंक कम्युनिकेशन, ओरेकल, वीबी, माइक्रोसॉफ्ट प्रोजेक्ट, जावा, एसपीएसएस, ई–व्यूज, एसएएस आदि के साथ समर्थित हैं। सीएमआईई से इंडिया ट्रेड एंड प्रोवेस डेटाबेस भी संस्थान के नेटवर्क पर उपलब्ध हैं।

इसके अतिरिक्त, आईआईएफटी दिल्ली और कोलकाता की आंतरिक बैठकों आदि सहित नियोजन, प्रशिक्षण, अनुसंधान गतिविधियों के लिए, आईआईएफटी द्वारा वीडियो कांफ्रेसिंग की सुविधा का भी उपयोग किया जाता है।

आईआईएफटी का हाल ही में ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म में प्रवेश, इन ऑनलाइन कार्यक्रमों के संचालन के लिए प्रदान किए गए अत्याधुनिक आईटी ढांचे की सहायता से संभव हुआ है जिसने आईआईएफटी को ब्रॉडबैंड सुविधा का उपयोग करके वास्तविक समय के आधार पर ऑनलाइन सत्र आयोजित करने में सक्षम बनाया है।

संस्थान में बहुस्तरीय नेटवर्क सुविधाएं उपलब्ध हैं। परिसर के अंदर इमारतें पूरी तरह से फाइबर नेटवर्क से जुड़ी हैं। यह नेटवर्क सुविधा लेयर 3 स्वीचिंग स्तर की है जो सभी उपकरणों को आपस में एक मंच पर जोड़ने में मदद करती है। संस्थान का नेटवर्क भी 802.11एन तथा मानकों का समर्थन करने वाले प्रबंधित वाई–फाई से चलाया जाता है। इस नेटवर्क का उपयोग 1500 से अधिक उपयोगकर्ता करते हैं। इसके अतिरिक्त, कक्षाओं में पर्याप्त रूप से एलसीडी प्रोजेक्टर और पीसी लगाए गए हैं।

कोलकाता कैंपस

दिल्ली और कोलकाता परिसरों के बीच 20 एमबीपीएस एनएलडी के अलावा, कोलकाता कैंपस के पास अपनी इंटरनेट आवश्यकताओं के लिए 100 एमबीपीएस है। परिसरों में छात्रों को वाईफाई सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। आईआईएफटी कोलकाता से स्थानीय स्तर पर लिबसिस, प्रोवेस, इंडिया ट्रेड सर्विसेज की सुविधा दी गई है।

आईआईएफटी कोलकाता में छात्र पहुँच के लिए डिजिटल लैब 30 नवीनतम मॉडल कंप्यूटरों से सुसज्जित है। कोलकाता परिसर में ऑनलाइन प्रमाणपत्र और कार्यकारी कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए एक ऑनलाइन कक्षा स्टूडियो भी है।

उपरोक्त के अलावा, विंडोज ओएस और कलर मॉनिटर के साथ 70 डेस्कटॉप कंप्यूटर (आई3 और आई5) स्थापित किए गए हैं।

वर्ष 2019 में आईटी पहलें

1) मासिव ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी): डीजीएफटी के सहयोग से, संस्थान ने निर्यात और आयात प्रबंधन के लिए मूक कार्यक्रम के आयोजन हेतु पहल करना शुरू किया है। माननीय वाणिज्य और उद्योग तथा नागर विमानन मंत्री ने एक नया ऑनलाइन "एनीटाइम–एनीवेयर" निर्यात जागरूकता कार्यक्रम सिखाने, सलाह देने और संभावित निर्यातकों को सहायता प्रदान करने के लिए 15 फरवरी 2019 को लॉन्च किया है ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय व्यापार अवसरों का उपयोग करने में मदद मिल सके। इस कार्यक्रम के लिए 15,000 से अधिक उम्मीदवारों ने पहले ही पंजीकरण करवा लिया है और लगभग 200 उम्मीदवारों ने अंतिम ऑनलाइन परीक्षा उत्तीर्ण करके प्रमाणीकरण प्राप्त कर लिया है।

2) डेटा एनालिटिक्स और सिमुलेशन लैब (डीएएसएल): कार्यात्मक डेटा विश्लेषण और उच्च–आयामी आँकड़ों में हाल की प्रगति को ध्यान में रखते हुए, डेटा विश्लेषण और सिमुलेशन पाठ्यक्रमों के लिए एसपीएसएस, हडूप, एसएएस आदि जैसे साफ्टवेयर के साथ 40 कंप्यूटर वाली एक डेटा एनालिटिक्स और सिमुलेशन लैब डिजाइन की गई है।

3) सेंटर फॉर नॉर्थ ईस्टर्न स्टडीज (सेंटर) के लिए वेब पोर्टल (सीनेस्ट): सेंटर फॉर नॉर्थ ईस्टर्न स्टडीज (सीनेस्ट) के लिए एक वेब पोर्टेल डिजाइन, विकसित और होस्ट किया गया है। सीनेस्ट, आईआईएफटी को पूर्वोत्तर राज्यों के उद्यमियों को ठोस सहायता प्रदान करने, विभिन्न पूर्वोत्तर राज्यों के व्यवसाय तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित विकास संबंधी मुद्दों पर अनुसंधान एवं विश्लेषण करने और पूर्वोत्तर राज्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन की अनुमति देगा।

4) ऑनलाइन कार्यकारी और क्षमता निर्माण कार्यक्रमः वर्ष 2019 में, संस्थान ने मिश्रित और फ्लिप्ड क्लासरूम दृष्टिकोण के साथ कई ऑनलाइन कार्यक्रम शुरू किए हैं जो इस प्रकार हैं:

1. ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रमः 2 (कुल प्रतिभागीः 70)

2. ऑनलाइन कार्यकारी कार्यक्रमः 1 (कुल प्रतिभागीः 35)

3. ऑनलाइन प्रबंधन विकास कार्यक्रमः 3 (कुल प्रतिभागीः 77)

4. ऑनलाइन प्रायोजन कार्यक्रमः 2 (टीवीएस और बीईएल के लिए, कुल प्रतिभागीः 51)

5) मूल्यांकन और विकास केंद्र के लिए वेब पोर्टेलः साइकोमेट्रिक प्रोफाइलिंग पोर्टेल के साथ मूल्यांकन तथा विकास केंद्र के लिए एक वेबसाइट विकसित एवं होस्ट की और इस पोर्टेल के माध्यम से, वर्ष 2019 में संस्थान के मूल्यांकन तथा विकास केंद्र ने 700 से अधिक उम्मीदवारों के लिए ऑनलाइन व्यक्तित्व प्रोफाइलिंग और लगभग 3000 ऑनलाइन प्रोफाइल परीक्षण किए।

6) प्रकाशन विभाग और फोकस डब्ल्यूटीओ आईबी के लिए वेब पोर्टेलः प्रकाशन विभाग और फोकस डब्ल्यूटीओ आईबी के लिए एक विशेष वेब पोर्टेल डिजाइन, विकसित और होस्ट किया गयाः प्रकाशन विभाग और फोकस डब्ल्यूटीओ के लिए एक विशेष वेब पोर्टल सफलतापूर्वक विकसित किया गया।

7) स्टुमेंट, स्टूडेंट मेंटरशिप प्रोग्राम के लिए एक विशेष वेब पोर्टेलः पूर्व छात्र कार्य विभाग के साथ–साथ, हमारे संकाय सहयोगियों की कुछ व्यक्तिगत सहायता के साथ अकादमिक के साथ–साथ प्रदान करने हेतु नई पहल के लिए एक विशेष वेब पोर्टेल डिजाइन और होस्ट किया गया है। यह कॉलेज जीवन के दौरान और बाद में भी सहज तथा स्वस्थ संबंध बनाने में मदद करेगा।

8) ग्रीन कैंपस पहलः जलवायु परिवर्तन से हमारे ग्रह के असुरक्षित स्तर तक गर्म हो जाने की आशंका के साथ, पर्यावरण की किसी भी तरह से मदद करने के लिए हमारा काम करना महत्वपूर्ण है। केवल वर्ष 2019 में ही, कैंपस360 (ीजजचरूध्ध्बंउचने360ण्पपजिण्ंबण्पद) के माध्यम से ऑनलाइन क्विज और परीक्षा आयोजित करके, संस्थान ने दस पेड़ों के आकार जितना कागज बचाया है।

विजन

अंतरराष्ट्रीय व्यापार अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं शिक्षा में उत्कृष्टता का अकादमिक केंद्र बनना।

मिशन

सीखने का वातावरण सृजित करना और उसे बढ़ावा देना जो प्रतिभागियों को समाज के प्रति संवेदनशीलता के साथ अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अग्रणी होने में सक्षम बनाता है।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
मानित विश्वविद्यालय

दिल्ली परिसर
आईआईएफटी भवन, बी–21, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली–110016
फोनः 011–39147200 – 205 (पीबीएक्स), फैक्सः 91–011–39147301

कोलकाता परिसर
1583, मदुरदाहा, चौबाघा मार्ग, वार्ड नं. 108, बरो XII, कोलकाता–700107
फोनः 033–24195700 / 5900 (पीबीएक्स), फैक्सः 91–033–24432454

Website: www.iift.edu